▸▸ वर्ष 69 ▸▸ अंक 128 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 05 फरवरी, 2026
▸▸ फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

आरोन के शतक से जीता भारत
115 रन
104 गेंद
15 चौके
02 छक्के

भारत 10वीं बार अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में

हरारे, जेएनएन। पांच बार के चैंपियन भारत ने पुरुष अंडर-19 विश्व कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराते हुए 10वीं बार फाइनल में जगह सुनिश्चित कर ली। अब 6 फरवरी को भारत खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड से भिड़ेगा। अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी चुनते हुए शिनोजादा (110 रन) और उजैरुल्लाह (नाबाद 101 रन) के शतक की मदद से चार विकेट खोकर 310 रन का बड़ा लक्ष्य रखा। यह रिकॉर्ड लक्ष्य अंडर-19 विश्व कप के इतिहास में पहली बार हासिल किया गया।

टीम इंडिया छठे खिताब... पेज-10 पर

गाजियाबाद: ऑनलाइन गेम एडिक्ट तीन सगी बहनों की 9वीं मंजिल से गिरने से मौत, सुसाइड नोट में लिखा-

सॉरी मम्मी-पापा, हम गेम नहीं छोड़ पा रहे...

गाजियाबाद, जेएनएन। ऑनलाइन गेम की लत ने गाजियाबाद में दिल दहला देने वाली त्रासदी को जन्म दिया है। भारत सिटी सोसायटी में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक बहनों की उम्र 12, 14 और 16 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस को मौके से 18 पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है- 'सॉरी मम्मी-पापाः हम गेम नहीं छोड़ पा रहे हैं।' यह घटना भारत सिटी के बी-1 टॉवर, फ्लैट नंबर 907 की है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात करीब 2 बजे तीनों बहनों ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया, स्टूल की मदद से बालकनी तक पहुंचीं और एक-एक कर छलांग लगा दी। नीचे गिरने के बाद तीनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तुरंत लोनी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

('के-टास्क' गेमः जिसने ले जी तीन मासूमों की जान- पेज-12)

स्कूल छोड़ चुकी थीं, हर वक्त रहती थीं साथ

पिता चेतन गुर्जर के मुताबिक, तीनों बेटियां टास्क-बेस्ड कोरियन मोबाइल गेम की आदी थीं। वे पिछले करीब तीन साल से गेम खेल रही थीं और दो साल से स्कूल जाना भी छोड़ चुकी थीं। परिवार का कहना है कि तीनों बहनें हर समय साथ रहती थीं। एक साथ नहाना, टॉयलेट जाना और यहां तक कि कमरे बदलकर बैठना भी उनकी आदत में शामिल था।

सुसाइड नोट में क्या लिखा

पुलिस को जिस डायरी में सुसाइड नोट मिला है, उसके 18 पन्नों में गेम के प्रति उनका लगाव और माता-पिता से माफी के शब्द दर्ज हैं। नोट में लिखा है- 'मम्मी-पापा सॉरी, हमें एहसास है कि आप हमें गेम से दूर करना चाहते थे, लेकिन हम इसे छोड़ नहीं पा रहे हैं। अब आपको समझ आएगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे।'

पिता की अपील

घटना से टूटे पिता चेतन गुर्जर ने कहा, 'मेरी बच्चियों के साथ बहुत बुरा हुआ। मैं सभी माता-पिता से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों को मोबाइल गेम की लत से बचाएं। हमें नहीं पता चलता कि गेम में किस तरह के टास्क दिए जा रहे हैं। अगर हमें पहले अंदाजा होता, तो हम उन्हें गेम खेलने ही नहीं देते।'

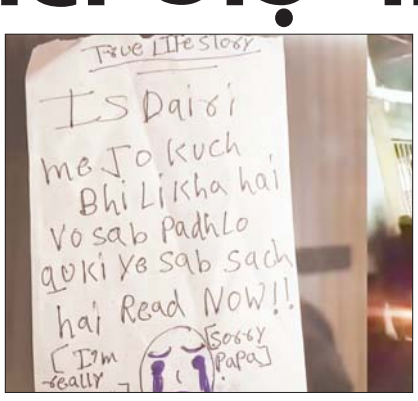

80 फीट की ऊंचाई से कूदीं पुलिस ने की सुसाइड की पुष्टि

एसपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को रात 2.18 बजे सूचना मिली। जांच में सामने आया है कि बच्चियों ने करीब 80 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई थी। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की पुष्टि हुई है, हालांकि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है।

पिता करते हैं शेयर ट्रेडिंग का काम

मृतक बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं। पिता चेतन गुर्जर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। परिवार में दो पत्नियां एक 7 साल का बेटा और अन्य बच्चे भी हैं। घटना के समय पिता दोनों पत्नियों, छोटे बेटे और अन्य परिजनों के साथ एक कमरे में सो रहे थे, जबकि तीनों बच्चियां दूसरे कमरे में थीं। जिस कमरे की बालकनी से उन्होंने छलांग लगाई, वहां केवल राधा-कृष्ण की एक तस्वीर लगी हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर में जैश के तीन आतंकी मारे गए

उधमपुर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों को मार गिराया है। उधमपुर जिले में बुधवार को सेना और अन्य सुरक्षाबलों ने एक गुफा में छिपे जैश के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। इस मुठभेड़ का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों आतंकी गुफा के भीतर से फायरिंग करे नजर आ रहे हैं। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने ग्रेनेड और अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर का इस्तेमाल कर गुफा को विस्फोट से ध्वस्त कर दिया। सुरक्षा बलों के मुताबिक, मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों में जैश का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी शामिल है, जो बीते कई वर्षों से इस इलाके में सक्रिय था। एक आतंकी का शव गुफा के बाहर मिला, जबकि दूसरे का शव गुफा के भीतर बरामद किया गया। आतंकियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और गोला-बारूद भी जब्त किया है। मुठभेड़ मंगलवार शाम करीब 4 बजे शुरू हुई थी।

हिट-एंड-रन केस

पुणे: सैंपल बदलने के आरोपियों को जमानत

उमरिया/पुणे, जेएनएन। 2024 के बहुचर्चित पुणे हिट-एंड-रन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सैंपल बदलने के तीन आरोपियों को जमानत दे दी है। फैसले के बाद मध्यप्रदेश के उमरिया और जबलपुर में रहने वाले दोनों मृतकों के परिजन न्याय को लेकर आशंकित हैं। 18 मई 2024 की रात पुणे के कल्याणी नगर इलाके में हुए हादसे से जुड़ा है। एक बिजनेसमैन के नशे में धुत नाबालिग बेटे ने तेज रफ्तार पोर्श कार से बाइक सवारों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में 24 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीश अवधिया और उनकी सहकर्मी अश्विनी कोष्टा की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक की मां सविता अवधिया कहती हैं, उसे करीब 200 की रफ्तार से कुचला गया। अब तो लगता है न्याय की आस ही टूटती जा रही है। बेटे की सिर्फ एक तस्वीर ही अब उनके पास अमानत की तरह है, जिसे देख कर उसके बचपन की याद आती है। परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार के बाद उसकी कोई वस्तु घर में नहीं रखी गई।

मृतक की मां बोलीं- टूटती जा रही है न्याय की उम्मीद

लगातार तीसरे दिन विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा ठप

चार बार बाधित हुई कार्यवाही प्रधानमंत्री का संबोधन टला

नई दिल्ली, जेएनएन। विपक्ष के लगातार हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही बुरी तरह बाधित रही। दिनभर में चार बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और अंततः शाम 5 बजे सदन गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस कारण, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव देने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी टल गया। इस बीच, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के कार्यालय में भाजपा और विपक्षी सांसदों के बीच तीखी बहस भी हुई। सामने आए वीडियो में विपक्ष की महिला सांसदों ने केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू से बहस की है। उधर, संसद के मकर द्वार पर निलंबित विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया। इसी दौरान राहुल केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को देखकर कहा- 'यहां एक गद्दार चल रहा है, देखिए इसका चेहरा।' राहुल ने हाथ मिलाने की पेशकश की हालांकि बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया और कहा- 'देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।'

- कार्यवाही सुबह महज पांच मिनट चली और पहले 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।
- 12 बजे हंगामे के कारण दोपहर 2 बजे तक स्थगन हुआ।
- दोबारा कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन आठ मिनट में रोकी।
- शाम 5 बजे शुरू होने के बाद भी हंगामा थमा नहीं, जिसके बाद सदन अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

राहुल वह किताब लेकर पहुंचे जिसे कहा जा रहा था अप्रकाशित

राहुल गांधी ने पूर्व थल सेना प्रमुख नरवणे की किताब की प्रति दिखाते हुए कहा कि यह किताब वह प्रधानमंत्री को देंगे। इस किताब को लेकर सत्ता पक्ष का दावा है कि वह प्रकाशित ही नहीं हुई है। इसके बावजूद राहुल उस 'कथित' अप्रकाशित किताब की मुद्रित प्रति लेकर संसद पहुंचे, जिसे उन्होंने मीडिया के समक्ष भी लहराकर दिखाया। राहुल का कहना है कि अगर सरकार को सच्चाई से डर नहीं है, तो उसे किताब पर जवाब देना चाहिए।

ट्रेड डील राष्ट्रहित में लिया गया 'बड़ा फैसला': मोदी

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में लिया गया 'बड़ा फैसला' बताया है। संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हमेशा देश के हितों को सर्वोपरि रखती है और इस समझौते से समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। पीएम ने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्माताओं, निर्यातकों, उद्यमियों, किसानों और कामगारों सभी के लिए अवसर पैदा करेगा। बैठक में मौजूद राजग सांसदों ने भारत के यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों को लेकर प्रधानमंत्री को बधाई दी और इसे भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मजबूती देने वाला कदम बताया।

प्रदेश में केंद्र के सहयोग से किया जाएगा चीतों का पुनर्स्थापनः सीएम

घोषणा: बोत्सवना से 28 फरवरी को आएंगे 8 और चीते

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इसी माह 28 फरवरी को बोत्सवाना से 8 चीते मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। जिनका पुनर्स्थापन केंद्र सरकार के सहयोग के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, रिजर्व फारेस्ट के विस्तार और वन्य जीव संरक्षण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम डॉ. यादव बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के उपरांत पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चीतों की पुनर्स्थापना के लिए केंद्रीय मंत्री यादव से आवश्यक सहयोग और व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत रूप से बात की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास, रिजर्व फॉरेस्ट के विस्तार और वन्य जीव संरक्षण की असीम संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठा रही है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बसाहट के बाद अब असम का जंगली भैंसा भी मध्यप्रदेश के जंगलों में स्वछंद विचरण करता दिखाई देगा। उन्होंने बताया कि असम से जंगली भैंसा मध्यप्रदेश लाने की सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

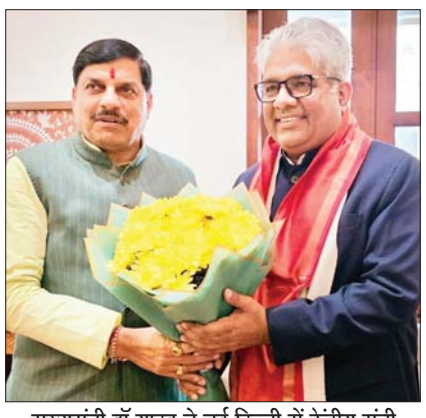

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से सौजन्य भेंट की।

तकनीक आधारित भुगतान प्रणाली से हो रहा है किसानों को लाभ

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी भेंट की और उन्हें बताया कि किसानों के हित में मध्यप्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। इस वर्ष में हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का समुचित मूल्य दिलाने के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश में गेहूं का उपार्जन एवं भंडारण की प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। उन्होंने मंत्री जोशी से गेहूं उपार्जन एवं भंडारण व्यवस्था को लेकर भी विस्तृत चर्चा की है।

खाना देने आई 10 साल की भतीजी से चाचा ने किया रेप

झाड़ियों में छोड़ा, पिता हमीदिया में भर्ती, मां भी भोपाल में

जागरण, गंजबासौदा। माता-पिता की गैर हाजिरी में अपने भाइयों के साथ घर संभाल रही 10 साल की मासूम को सगे चाचा ने ही हवस का शिकार बना लिया। मासूम अपने इस चाचा को खाना देने उसके कमरे में गई थी, तभी आरोपी चाचा बच्ची को झाड़ियों में खींच ले गया। मासूम का भाई जब तक बहन को ढूंढने पहुंचा आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। बच्ची के पिता दुर्घटना में घायल होने के बाद राजधानी के हमीदिया अस्पताल में भर्ती हैं, मां भी उनकी देखभाल करने के लिए भोपाल आई थी। इसी दौरान आरोपी को अपने गंदी करतूत करने का मौका मिल गया।

रिश्तों को कलंकित करने वाला यह मामला गंजबासौदा के शहर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित बच्ची अपने 12 और 9 वर्षीय भाई के साथ घर में थी। रात को वह अपने चाचा को खाना देने गई थी। बच्ची का 23 वर्षीय चाचा बगल वाले घर में ही अकेले रहता है। मासूम के वहां पहुंचते ही आरोपी उसे घर के बाहर ले गया। बहन को ले जा रहे चाचा को भाई ने देख लिया था, मगर जब एक घंटे बाद भी मासूम नहीं घर नहीं लौटी तो भाई को चिंता हुई। जब तक भाई मौके पर पहुंचा आरोपी घटना को अंजाम दे चुका था। मासूम के नाबालिग भाई ने तत्काल पड़ोसियों को बुला लिया। आसपास के लोग ही पीड़िता को तत्काल अस्पताल ले गए। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद दुष्कर्म पीड़िता मासूम को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट की मौखिक टिप्पणी

वांगचुक की सेहत ठीक नहीं पुनर्विचार करे केंद

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की निरंतर हिरासत पर उनकी बिगड़ती सेहत को देखते हुए पुनर्विचार करने को कहा। अदालत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति 'अच्छी नहीं' है और उम्र से जुड़ी अन्य जटिलताएं भी सामने आई हैं। यह सुनवाई वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि अंगमो द्वारा दायर हैबियस कॉर्पस याचिका पर हुई, जिसमें एनएसए के तहत की गई उनकी हिरासत को अवैध बताया गया है। वांगचुक को लद्दाख में राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद जोधपुर ले जाया गया था।

एसआईआर को लेकर ममता का आरोपः आयोग बंगाल को बना रहा निशाना

पहली बार सीएम ने सुको में रखीं दलीलें

नई दिल्ली/कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अहम सुनवाई हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं अदालत में मौजूद रहीं और वकीलों के साथ खड़े होकर अपनी दलीलें रखीं। यह सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार हुआ, जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होकर पक्ष रखा।

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि सभी नोटिस एक साथ वापस लेना व्यावहारिक नहीं है, लेकिन नाम की स्पेलिंग या स्थानीय बोली के कारण हुई गलतियों पर नोटिस नहीं जारी होने चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि असली मतदाता किसी भी हाल में सूची से बाहर न हों। आयोग और राज्य सरकार से 9 फरवरी तक जवाब मांगा गया है।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल को जानबूझकर निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि जो काम सामान्य तौर पर दो साल में होता है, उसे चुनाव से ठीक पहले सिर्फ तीन महीनों में पूरा करने का दबाव बनाया जा रहा है। इससे आम लोगों, खासकर किसानों और ग्रामीण इलाकों के मतदाताओं को परेशान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कोर्ट को बताया कि एसआईआर प्रक्रिया मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें सूची से हटाने का जरिया बन गई है। उनके अनुसार अब तक करीब 58 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं।

टिप्पणी पर ममता ने जोड़े हाथ

सीजेआई बोले- इसमें कोई डाउट नहीं मैडम

सुनवाई के दौरान ममता विनम्रता से अपनी बात रखने की अनुमति मांग रही थीं। उन्होंने कहा- 'मैं कोई खास व्यक्ति नहीं हूं, एक सामान्य परिवार से आती हूं, लेकिन अपनी पार्टी और जनता के लिए लड़ रही हूं।' उन्होंने मुख्य न्यायाधीश से पूछा- 'क्या मैं थोड़ा एक्सप्लेन कर सकती हूं सर, क्योंकि मैं उसी राज्य से आती हूं?' इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने मुस्कुराते हुए कहा- 'इसमें कोई डाउट नहीं होना चाहिए, मैडम।' मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी पर कोर्ट रूम में हंसी गूंज उठी। खुद ममता बनर्जी ने भी हाथ जोड़कर प्रतिक्रिया दी।

बेशुमार पैसा | मस्क 850 बिलियन डॉलर संपत्ति वाले पहले इंसान, एक दिन में 7 लाख करोड़ बढ़ी नेटवर्थ

मस्क के पास कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा दौलत

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने इतिहास रच दिया है। उनकी कुल संपत्ति 850 बिलियन डॉलर (करीब 77 लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गई है। महज एक दिन में उनकी नेटवर्थ में 84 बिलियन डॉलर, यानी लगभग 7 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। फोर्ब्स के अनुसार, मस्क अब इतिहास के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं।मस्क की संपत्ति में यह जबरदस्त बढ़ोतरी उनकी कंपनियों स्पेस एक्स और एक्स एआई के विलय (मर्जर) के चलते हुई है। दोनों कंपनियों के एक होने से बनी नई इकाई की वैल्यू करीब 1.25 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 104 लाख करोड़ रुपये) आंकी गई है। मर्जर के बाद मस्क की हिस्सेदारी 43 फीसदी हो गई है, जिसकी अकेले की वैल्यू लगभग 542 बिलियन डॉलर है।

चार महीनों में 70 फीसदी बढ़ी संपत्ति

पिछले चार महीनों में मस्क की नेटवर्थ करीब 70 फीसदी बढ़ी है। अक्टूबर 2025 में उनकी संपत्ति 500 बिलियन डॉलर थी, जो अब 850 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक मस्क की संपत्ति पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की संयुक्त जीडीपी से भी ज्यादा है। यही नहीं, यह भारत के टॉप-40 अमीरों की कुल संपत्ति से भी अधिक बताई जा रही है।

दुनिया के बाकी अमीरों से बहुत आगे

दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज की संपत्ति करीब 281 बिलियन डॉलर है। मस्क उनसे लगभग 578 बिलियन डॉलर आगे निकल चुके हैं। जिस रफ्तार से उनकी दौलत बढ़ रही है, उस हिसाब से वे जल्द ही दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' बनने की ओर बढ़ते दिख रहे हैं।

मस्क का कारोबारी साम्राज्य

इलॉन मस्क टेस्ला, स्पेसएक्स और न्यूरालिंक जैसी कंपनियों के जरिए इलेक्ट्रिक वाहन, अंतरिक्ष तकनीक और ब्रेन-मशीन इंटरफेस के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी बढ़ती संपत्ति के साथ-साथ उनका वैश्विक प्रभाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

4 महीने में 4 बड़े रिकॉर्ड

- **अक्टूबर 2025:** एलन मस्क दुनिया के पहले 500 बिलियन डॉलर की संपत्ति वाले इंसान बने। यह तब हुआ जब उन्होंने टेस्ला पर फोकस करने के लिए ट्रंप के सरकारी विभाग (डीओजीई) को छोड़ा।
- **15 दिसंबर:** स्पेसएक्स की वैल्यूएशन बढ़ने से वे 600 बिलियन डॉलर की संपत्ति के पार पहुंच गए।
- **19 दिसंबर:** कोर्ट से टेस्ला स्टॉक ऑप्शंस बहाल होने के बाद वे 700 बिलियन डॉलर क्लब के इकलौते सदस्य बने।
- **जनवरी 2026:** स्पेसएक्स और एक्स एआई के मर्जर से मस्क की कुल संपत्ति 850 बिलियन डॉलर पहुंच गई।

सहमति का अर्थ वीडियो बनाना या दुरुपयोग नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक ऐसे आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है, जिस पर महिला का यौन शोषण करने और उसके निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप है। अदालत ने कहा कि किसी रिश्ते या यौन संबंध के लिए दी गई सहमति को जबरदस्ती, निजी पलों की रिकॉर्डिंग या सोशल मीडिया पर उनके दुरुपयोग की अनुमति नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा ने यह आदेश पारित करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दर्ज मामले में आरोपी की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। शिकायतकर्ता, जो अपने बच्चों के साथ दिल्ली में रहती थी जबकि उसका पति गुजरात में काम करता था, पारिवारिक संबंधों के कारण आरोपी के संपर्क में आई। आरोपी विदेश में काम करता था और लगातार बातचीत के कारण दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी।

अदालत का निष्कर्ष

अदालत ने कहा कि आरोपी का आचरण किसी असफल दोस्ती या आर्थिक विवाद से कहीं अधिक गंभीर है। अदालत ने कहा कि भले ही शुरुआती संबंध सहमति से रहे हों, लेकिन बाद की घटनाएं स्पष्ट रूप से जबरदस्ती और ब्लैकमेल पर आधारित थीं। गंभीर आरोप, डिजिटल सबूत और गवाहों के बयान अभी बाकी होने के कारण अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। याचिका खारिज करते हुए अदालत ने फॉरेंसिक जांच में देरी पर चिंता जताई और फॉरेंसिक साइंस लैब को लंबित रिपोर्ट जल्द तैयार करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

शतप्रतिशत छात्रवृत्ति 15 दिन में वितरित करने के निर्देश

विसं, भोपाल। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार ने बुधवार को वल्लभ भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 15 दिनों में शत-प्रतिशत वितरित करना सुनिश्चित किया जाए। प्रमुख सचिव डॉ. कुमार ने बैठक में अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित प्रकरण तत्काल निराकृत कर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने विधानसभा के प्रश्नों और कैबिनेट संक्षेपिका को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर सचिव श्री अनुराग चौधरी, आयुक्त श्री सौरभ कुमार सुमन समेत वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अशोका गार्डन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

जागरण, भोपाल। समाजसेवी स्व. राजेश्वर सिंह परिहार की 23वीं पुण्यतिथि पर 6 फरवरी को न्यू अशोका गार्डन स्थित परिहार चौराहा पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक चलने वाले इस शिविर का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग और महापौर मालती राय करेंगी। अशोक जन कल्याण विकास समिति द्वारा आयोजित इस शिविर में मेडिसिन, बाल रोग, महिला रोग और त्वचा विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। शिविर में शुगर-बीपी जांच व दवाएं निशुल्क रहेंगी। जरूरत मंदों को भोजन कराया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने लाभ लेने की अपील की है।

भारत भवन का 44वां स्थापना दिवस 13 से

जागरण, भोपाल। बहुकला केंद्र भारत भवन 13 से 22 फरवरी तक अपना 44वां वर्षगांठ समारोह आयोजित करने जा रहा है। कृतज्ञता और उत्सवधर्मिता की थीम पर आधारित इस 10 दिवसीय महोत्सव में शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, नाटक और कला प्रदर्शनी के विविध रंग देखने को मिलेंगे। समारोह का शुभारंभ 13 फरवरी को विश्व प्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया की प्रस्तुति से होगा। उत्सव के दौरान पंडित दीपक महाराज का कथक, संजीव अभ्यंकर का शास्त्रीय गायन और रतिकान्त महापात्र का ओडिसी नृत्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। साथ ही अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्मों का प्रदर्शन, भोज विमर्श और राजीव वर्मा के निर्देशन में नाटकों का मंचन भी होगा।

आईईएचई और ठेंगडी संस्थान करेंगे शोध

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं शैक्षणिक अनुसंधान को सुदृढ़ करने उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) और दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ है। समझौता ज्ञापन पर दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक मुकेश कुमार मिश्रा व उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इससे दोनों संस्थानों के मध्य भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अनुसंधान, अकादमिक गतिविधियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों एवं अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए परस्पर सहयोग किया जाएगा। इसके तहत भारतीय दर्शन, संस्कृति, साहित्य, परंपरागत विज्ञान एवं ज्ञान-विरासत से जुड़े विषयों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाएगा। विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के आयामों से परिचित कराया जाएगा।

सीवेज का पानी नर्मदा नदी में बहाने को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नर्मदा नदी में प्रतिदिन करोड़ो लीटर अनुपचारित सीवेज का पानी बहाने के मामले को गंभीरता से लिया है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव, नगरीय विकास सचिव, नगर निगम जबलपुर, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। युगलपीठ ने पूर्व से लंबित याचिका के साथ संलग्न सुनवाई करने के निर्देश दिये है। मामला जबलपुर निवासी विनीता अहूजा की ओर से दायर किया गया है। अधिवक्ता आदित्य संघी नेबताया कि भारी मात्रा में दूषित पानी मिलने से नदी में हानिकारक बैक्टीरिया, विशेष रूप से फीटल कॉलीफॉर्म पाया गया है।

अस्पताल में भर्ती शर्मा की मां से मिलने पहुंचे संतोष

विसं भोपाल। भोपाल प्रवास के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल.संतोष ने बुधवार की शाम राजधानी के एक अस्पताल पहुंचे और वहां पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की उपचाररत मां के स्वास्थ्य का हाल चाल जाना। इस मौके पर उनके साथ केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

भाजपा संगठन, सरकार में बदलाव की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संतोष भोपाल में, सीएम-प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली में, वीसी के जरिए कई अहम विषयों पर हुई चर्चा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा और सरकार में जल्द ही बदलाव देखने को मिल सकता है। बुधवार को पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष की भोपाल यात्रा ने इस संभावनाओं को बल दिया है। कहा जा रहा है कि ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर दिल्ली में थे,उसी समय राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संतोष भोपाल में बंद कमरे में खास नेताओं के साथ मंत्रणा कर रहे थे, इस मौके पर प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ मंगलवार को देर रात दिल्ली पहुंचे थे। जहां बुधवार को उनकी संगठन के कई वरिष्ठ नेताओं से चर्चा हुई है, तो उनके द्वारा पार्टी नेतृत्व से मिलकर प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर भी चर्चा की है। इधर सीएम ने कई केन्द्रीय मंत्रियों से भेंट कर प्रदेश की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन व दूसरे विकास कार्यों को लेकर अलग से मुलाकात की। इधर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष बुधवार को जैसे ही भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पहुंचे,इन चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया कि जल्द ही भाजपा और प्रदेश सरकार में कुछ बड़ा बदलाव हो सकता है। हालांकि यह कहा जा रहा है कि संतोष पूर्व संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की उपचाररत मां के स्वास्थ्य का हाल-चाल जानने भोपाल आए थे,लेकिन उनकी पार्टी दफ्तर में बंद कमरे में कुछ नेताओं के साथ हुई मंत्रणा ने चर्चाओं पर मुहर लगा दी। बीएल संतोष जब भोपाल में बंद कमरे में कुछ नेताओं के साथ बैठक कर रहे थे,तो उसी दौरान वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए दिल्ली में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी उनसे जुड़े।

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने पार्टी दफ्तर में प्रदेश टोली की कामकाजी बैठक भी ली।

चार मंत्रियों के भाग्य का होना है फैसला

इधर सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार के चार मंत्रियों के भविष्य को लेकर जल्द ही फैसला होना है। कहा जा रहा है कि दिल्ली में मौजूद सीएम और प्रदेशाध्यक्ष ने शीर्ष नेतृत्व के सामने अपनी बातें रखी है। इनमें सबसे अहम नाम अनुसूचित जन जाति कल्याण मंत्री विजय शाह का बताया जा रहा है। दरअसल 19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को मंत्री विजय शाह के बारे में दो सप्ताह के अंदर फैसला लेने के निर्देश दिए थे। यह समय सीमा 2 फरवरी को पूरी हो गई है। जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के साथ भी चर्चा की है।

जल्द जारी हो सकती है निगम-मंडल में नियुक्तियों की सूची

भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय महामंत्री संतोष के साथ वीसी बैठक में सीएम डॉ. यादव ने निगम मंडलों में नियुक्तियों को लेकर चर्चा की है। कहा जा रहा है कि सब कुछ ठीक रहा तो सरकार जल्द ही निगम मंडलों की नियुक्ति करने सूची जारी कर देगी। हालांकि संभावित नामों की सूचियों पर कई बार शीर्ष स्तर पर भी चर्चा हो चुकी है,लेकिन बदलती राजनैतिक परिस्थितियों के चलते अंतिम फैसला नहीं हो सका। अब कहा जा रहा है कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व चाहता है कि निगम मंडलों की नियुक्यिों की घोषणा कर दी जाए,जिसके बाद पांच राज्यों के चुनाव में इन नेताओं को अलग-अलग राज्यों की जिम्मेदारी दी जानी है।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की भी सुगबुगाहट

इधर सूत्रों का यह भी कहना है कि अगर शीर्ष नेतृत्व से मुहर लगती है कि मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव का जल्द ही विस्तार देखने को मिल सकता है। इनमें दो पूर्व मंत्रियों को एक बार फिर से सरकार में शामिल किए जाने की चर्चा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि मंत्रिमण्डल में विस्तार के साथ-साथ फेरबदल भी संभावित है। जिनमें दो से चार मंत्रियों से पद लेकर उन्हें संगठन में भेजा जाएगा,जबकि उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा।

दिल्ली में मंत्रियों से मिले सीएम

दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, भूपेंद्र यादव, अश्विनी बैष्णव, पीयूष गोयल से अलग-अलग मुलाकात की और उनसे उनके विभागों से जुड़े मध्यप्रदेश के मामलों और योजनाओं के बारे में चर्चा की। सीएम ने केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन से भी अलग से चर्चा की है। मुरुगन मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद है,जिनका कार्यकाल अप्रैल माह में समाप्त हो रहा है।

प्रदेश का युवा, किसान व आमजन सबसे ज्यादा परेशानः पटवारी

विशेष संवाददाता भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि देश प्रदेश में सबसे ज्यादा पीड़ित किसान वर्ग के अलावा आमजनता और युवा हैं। जिन्हें केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारों द्वारा पूरी तरह से उपेक्षित कर दिया गया है।

पटवारी बुधवार को पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री द्वारा दिया गया हालिया बयान जिसमें भारत-अमेरिका ट्रेड डील की जानकारी सामने आई है,जो बेहद चिंताजनक है। इस डील के तहत भारत अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। इसमें ड्राई फूड सहित दूसरे उत्पाद शामिल है,जबकि भारत में उत्पादित कृषि सामग्री जब अमेरिका जाएगी,तो उस पर 18 प्रतिशत टैक्स लगेगा। पटवारी ने सवाल किया कि जब अमेरिका का कृषि मंत्री खुलकर बयान दे रहा है, तो भारत के कृषि मंत्री-जो स्वयं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं-इस विषय पर मौन क्यों हैं? यह चुप्पी किसके दबाव में है? उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले ही आगाह किया था कि यह ट्रेड डील 100प्रतिशत भारत के खिलाफ होगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुकेंगे। आज यह बात एक बार फिर सत्य साबित हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्पष्ट मांग करती है कि भाजपा सरकार एक श्वेत पत्र जारी करे, जिसमें प्रदेश की आर्थिक स्थिति और सुधार की योजना स्पष्ट हो। कांग्रेस विपक्ष के रूप में सहयोग को तैयार है, लेकिन प्रदेश को अंधेरे में नहीं धकेलने देगी।

पटवारी सुर्खियों में रहने के लिए कर रहे गुमराहः सारंग

विसं भोपाल। सरकार के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष जीतू पटवारी केवल सुर्खियों में बनें रहने के लिए जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र हो या राज्य सरकार पूर्ण आर्थिक अनुशासन का पालन करते हुए कार्य कर रही है सारंग ने भाजपा दफ्तर में पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि झूठ और फरेब की राजनीति करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है, जिसे जनता अब भली-भांति समझ चुकी है। हाल ही में अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील की पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत निर्णय क्षमता का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि उनके लिए देश और देशवासियों का हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर स्तर पर निरंतर प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील से भारत के लिए नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे और भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होगा। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। इसके विपरीत कांग्रेस नेता बिना जानकारी और तथ्यों के अर्थव्यवस्था और ट्रेड डील जैसे गंभीर विषयों पर गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं।

जीत के बाद बीजेपी नेताओं से मिले गोविंद गोयल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में जीत के बाद प्रेसिडेंट गोविंद गोयल और उन्नति पैनल के पदाधिकारियों ने बुधवार को प्रमुख भाजपा नेताओं से मुलाकात की। चेंबर की नई टीम ने कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी और मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल से मुलाकात की। बीजेपी नेताओं ने गोविंद गोयल और उनकी टीम को जीत की बधाई दी। इस अवसर बीजेपी नेताओं ने कहा कि व्यापारिक समस्याओं के निराकरण और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए वे चेंबर ऑफ कॉमर्स की हर संभव मदद करेंगे। इस मौके पर चेंबर के उपाध्यक्ष आदित्य मनया जैन, अरविंद जैन, मंत्री सुनील जैनावि‍न, संजीव जैन, अजय देवनानी, कोषाध्यक्ष प्रदीप सेवानी सहित कार्यकारिणी सदस्य वात्सायन जैन भाभा, अनिल मिश्रा, मनोज साहू, जवाहर कोटवानी भी मौजूद रहे।

एएसआई से सब इंस्पेक्टर पदों पर होगा प्रमोशन, समिति गठित

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस महकमे में लंबे समय से अटकी पदोन्नति जल्द ही शुरू हो सकती है। हाल ही में कैबिनेट द्वारा पुलिस में कार्यवाहक पदों के बजाय स्थायी प्रमोशन देने के निर्णय के बाद पीएचक्यू ने इसकी तैयारी कर शुरू दी है। विगत दिनों सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर और सूबेदार से रक्षित निरीक्षक (रआई) के पदों पर प्रमोशन के लिए विभागीय कमेटी के गठन के बाद अब सहायक उपनिरीक्षकों (एएसआई) को सब इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोट करने के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। विभाग ने एएसआई संवर्ग से उपनिरीक्षक के पद पर प्रमोशन के लिए नई विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया है। पीएचक्यू द्वारा जारी आदेश के अनुसार एडीजी जयदीप प्रसाद इस कमेटी के अध्यक्ष होंगे जबकि आईजी चैत्रा एन, डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय और एआईजी बीना सिंह समिति की सदस्य होंगी।

योग्य कर्मचारियों की लिस्ट होगी तैयार: सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के प्रावधानों के तहत यह कदम उठाया गया है। यह समिति एएसआई से एसआई बनने के लिए कर्मचारियों की योग्यता सूची तैयार करेगी। प्रमोशन के बाद इन कर्मचारियों

को समयमान वेतनमान जैसे लाभ भी मिल सकते हैं। समिति के गठन के साथ ही प्रदेश में तैनात एएसआई की प्रमोशन की फाइल अब रफ्तार पक?गी। अभी प्रदेश के लगभग 2 हजार एएसआई को कार्यवाहक सब इंस्पेक्टर का प्रभार मिला हुआ है। नियमित पद पर प्रमोट होने के बाद कार्यवाहक पद खत्म हो जाएंगे और इन कर्मचारियों को सब इंस्पेक्टर रैंक का वेतन मिलने लगेगा। अभी कार्यवाहक व्यवस्था के अनुसार अधिकारी अपने से उच्च पद की वर्दी (रैंक) धारण कर सकते हैं और उन्हें नियमानुसार उच्च पदों का प्रभार दिया जा सकता है लेकिन वेतन उन्हेंमूल पद का ही मिलता है। वर्तमान में पुलसि महकमे में सब इंस्पेक्टर के पद पर सीधा भर्ती और प्रमोशन दोनों के जरिए नियुक्ति होती है।

एनआरआई नर्सिंग कालेज फर्जीवाड़े पर सीएमएचओ से दस्तावेज तलब

फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट में जल्द हो सकती है कार्रवाई

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्वास्थ्य सेवाओं की क्षेत्रीय संचालक द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) से एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग और पेरेंटल अरनव अस्पताल के पंजीयन से संबंधित समस्त दस्तावेज 24 घंटे के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए हैं। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा की गई शिकायत में बताया गया है कि सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों द्वारा फर्जी एवं कूटरचित भौतिक निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर शासन-प्रशासन को गुमराह किया गया है।

इसके आधार पर संस्थानों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में डॉ. रितेश रावत और डॉ. अभिषेक सेन की भूमिका संदिग्ध है। फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने के मामले में दोनों अधिकारियों के विरुद्ध शीघ्र विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई किए जाने की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की क्षेत्रीय संचालक ने सीएमएचओ को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग और उससे संबद्ध पेरेन्टल अरनव अस्पताल के रजिस्ट्रेशन, मान्यता, निरीक्षण, भौतिक सत्यापन एवं अन्य संबंधित सभी अभिलेख तय समय-सीमा में उपलब्ध कराए जाएं। उपाध्यक्ष परमार ने आरोप लगाते हुए कहाकि स्वास्थ्य एवं नर्सिंग शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में फर्जी निरीक्षण और कूटरचित दस्तावेज न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि जनता और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। यदि अधिकारी स्वयं नियमों को तोड़ेंगे, तो व्यवस्था पर से विश्वास उठेगा। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राजधानी में निरंतर फर्जी अस्पताल खुलते जा रहें हैं। दोनों दोषी अधिकारियों को इतने लंबे समय से संरक्षण देने से स्पष्ट होता हैं कि फर्जी एवं कूटरचित निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने में कहीं ना कहीं चूक की गई है।

खास दुकानों से किताबें खरीदी कराने का आरोप

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। कुछ दुकानदारों की मनमर्जी के आगे अभिभावकों को भारी दामों पर किताबें खरीदनी पड़ रही हैं। इस मिलीभगत में प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हैं। ये आरोप अखिल भारत हिंदू महासभा ने प्रेसवार्ता के दौरान लगाए हैं। इसे लेकर भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी पत्र लिखा गया है। महासभा के प्रदेशाध्यक्ष रोहित दुबे और संभाग संगठन मंत्री देवेंद्र तिवारी ने कहा कि भोपाल जिले को किताब माफिया ने पूरी तरह से अपने शिकंजे में कस लिया है। कई निजी स्कूलों ने किताबों का ठेका शहर के पांच दुकानदारों को दिया है। इसमें प्रियंका बुक एंड स्टेशनरी मारवाडी रोड, बुक्स एंड बुक्स एमपी नगर, गुडलक बुक स्टोर अशोका गार्डन, स्नेह बुक सेंटर और अक्षय बुक्स एंड स्टेशनरी इंद्रपुरी शामिल हैं। ज्यादातर सीबीएसई स्कूलों की मिलीभगत प्रियंका बुक एंड स्टेनशनरी से चल रही है। उन्होंने आराप लगाया कि स्कूलों की मिलीभगत के चलते अभिभावकों को ऊंचे दामों पर ही उक्त दुकानों से किताबें लेनी पड़ रही हैं।

मैनिट ने रैगिंग लेने वाले सात छात्रों को 1 साल के लिए किया निष्कासित

यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की गई थी शिकायत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) ने रैगिंग लेने वाले सात विद्यार्थियों पर कार्रवाई की है। इसके चलते उन्हें एक साल के लिए निष्कासित किया गया है। उक्त सभी विद्यार्थी उक्त समयसीमा में हास्टल में भी नहीं रह पाएंगे। यहां तक वे खेल गतिविधियों में भागीदारी नहीं कर पाएंगे। जानकारी के मुताबिक एक जूनियर ने यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन में शिकायत में बताया था कि मैनिट में माफिक टेक्नोसर्च 2026 का आयोजन चल रहा है। इसमें जूनियर विद्यार्थी की दूसरे और चतुर्थ वर्ष के सात विद्यार्थियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उक्त सीनियर विद्यार्थियों ने जूनियर विद्यार्थी के साथ मारपीट कर दी। मारपीट करने वालों में अन्य विद्यार्थियों को दोबारा शिकायत कर शामिल किया गया था। हेल्पलाइन ने प्रकरण को गंभीर प्रकरण की श्रेणी में डालते हुए मैनिट प्रबंधन को

तत्काल कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया था। हेल्पलाइन से ई-मेल मिलने के बाद मैनिट प्रबंधन ने जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटैज खंगाली। सुरक्षा अधिकारी और एंटी रैगिंग कमेटी अध्यक्ष प्रकरण की जांच में जुट गए हैं। आरोपी विद्यार्थियों की शिनाख्त होने के बाद उनसे प्रौक्टोरियल बोर्ड के सामने रखा गया। बोर्ड के सामने फरियादी और सभी आरोपी विद्यार्थियों के बयान दर्ज किए गए। बैठक में दोनों पक्षों के विद्यार्थियों के बयानों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मैनिट द्वारा अनुशासनहीन आचरण माना गया। इसके बाद प्रौक्टोरियल बोर्ड ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर रिपोर्ट हेल्पलाइन को भेज दिया है।

इन विद्यार्थियों पर कार्रवाई

दोषी विद्यार्थियों में द्वितीय वर्ष से लक्ष्मीकांत मीणा, आकाश पटेल, आर्यन पटेल और चतुर्थ वर्ष से आयुष कुमार, शुभाष शुक्ला, समान्वया पालीवाल और प्रतिमूर्ति पाठक को शामिल किया गया है। उक्त विद्यार्थियों को मैनिट से सात साल के लिए निष्काषित किया गया है। उक्त सातों विद्यार्थियों को छात्रावास भी खाली करने होंगे। उक्त अवधि में सभी विद्यार्थियों का खेल परिसर में प्रवेश एवं अन्य छात्र गतिविधियों में सम्मलित होना निषेध किया गया है। यहां तक उक्त विद्यार्थियों के अभिभावकों को उनके द्वारा किए गए कृत्य की सूचना और आदेश की कापी भी भेजी जा रही है।

निर्देश सीएस ने विभागों से अधिकारियों के नामों के प्रस्ताव मगाने को कहा

गैर राप्रसे अफसर भी बन सकते हैं आईएएस

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में गैर राज्य प्रशासनिक अधिकारियों का आईएएस बनने का सपना पूरा हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो वर्ष 2015 के बाद कोई गैर राप्रसे सेवा का अधिकारी आईएएस बन सकेगा। इसके लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कार्मिक विभाग से कहा है कि विभागों से इसके लिए अधिकारियों के नामों का प्रस्ताव मगाएं। गौरतलब है कि मप्र में वर्ष 2015 के बाद किसी भी गैर राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी को आईएएस अवार्ड नहीं मिल सका है। इसके लिए अधिकारियों द्वारा कई बार राज्य शासन और सरकार स्तर पर पैरवी भी की गई। वर्ष 2015 में जेल विभाग, तकनीकी शिक्षा, महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक और वित्त एवं लेखा विभाग के अधिकारियों को आईएएस बनाया गया था। जानकारी के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के पद पदोन्नत करने के नियमों में कुल पदों में 15 प्रतिशत गैर राप्रसे के अधिकारियों के लिए आरक्षित रहते है। बताया गया है कि पिछले 11 सालों में हर बार इन पदों को भरने के प्रयास तो किए गए, लेकिन अधिकारियों को आईएएस अवार्ड नहीं हो सका। दरअसल राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों द्वारा इन वर्षो में दूसरे विभागों को आईएएस बनाने की सूची में शामिल करने का विरोध करते रहे है। इसके पीछे अधिकारियों का तर्क रहता था कि उनके संवर्ग के ज्यादा अधिकारियों को आईएएस बनने का मौका नहीं मिल सकेगा। उनके विरोध की वजह तमाम कोशिशों के बाद अधिकारियों को सपना पूरा नहीं हो सका था।

आईएएस के 33 प्रतिशत पद पदोन्नति के

मध्यप्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के कैडर से 33 प्रतिशत पद पदोन्नति के जरिए भरे जाने का नियम है। इनमें से 15 प्रतिशत पद गैर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से भरने का भी नियम है। लेकिन वर्ष 2015 के बाद गैर राज्य प्रशासनिक सेवा के किसी भी अधिकारी को आईएएस के रूप में पदोन्नत नहीं किया जा सका। मुख्य सचिव अनुराग जैन चाहते हैं कि अन्य विभागों में बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे उनकी कार्य विशिष्टता का लाभ राज्य के विकास में मिल सके। अपनी इस मंशा को पूरा करने के लिए सीएस ने गैर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी आईएएस बनाने के लिए एक बार फिर से प्रक्रिया प्रारंभ कराई है। बताया गया है कि अब जब भी भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदों पर पदोन्नत हेतु डीपीसी होगी, तब इन अधिकारियों के नामों पर चर्चा की जाएगी।

आईएएस बनने के लिए ये है जरूरी

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदों पर पदोन्नति के लिए कार्मिक विभाग के अपने नियम हैं। इसमें ऐसे अधिकारियों के नामों को प्रक्रिया की सूची में शामिल किया जाता है, जिनकी उनकी सेवा के पांच से दस साल की सीआर ए प्लस रही हो। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों का पूरा अकादमिक रिकार्ड भी देखा जाता है। मुख्य सचिव या अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों की समिति द्वारा विभागों से आए नामों की छानबीन की जाती है। इसके बाद यूपीएससी के पास एक पद की तुलना में पांच नामों की सूची भेजी जाती है, जिन्हें डीपीसी में साक्षात्कार के लिए भेजी जाती है। जहां यूपीएससी के अध्यक्ष या सदस्यों द्वारा साक्षात्कार लिया जाता है। पूरी प्रक्रिया के उपरांत अधिकारियों को आईएएस के रुप में पदोन्नत किया जाता है।

राजस्व एवं संपत्ति कर वसूली में तेजी लाने के सख्त निर्देश

निगम आयुक्त ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

जागरण, भोपाल। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने मंगलवार को निगम मुख्यालय में समय-सीमा प्रकरणों, राजस्व व संपत्तिकर वसूली, यांत्रिक विभाग के कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर एक अहम समीक्षा बैठक की। लगभग साढ़े चार घंटे तक चली इस बैठक में निगम आयुक्त ने विभागवार कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान निगम आयुक्त जैन ने यांत्रिक विभाग द्वारा निर्माण एवं विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सभी कार्यपालन यंत्रियों को निर्देशित किया कि निगम के अंतर्गत स्वीकृत सभी निर्माण एवं विकास कार्यों की जानकारी अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपडेट की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि पोर्टल पर दर्ज की गई जानकारी पूरी तरह सत्य और प्रमाणित होनी चाहिए, जिसके लिए शपथ-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा। विकास कार्यों में देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए निगम आयुक्त ने निविदा समिति को निर्देश दिए कि सभी प्रक्रियाएं तय समय-सीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि शहर में चल रहे विकास कार्यों को गति मिल सके। राजस्व और संपत्तिकर वसूली की समीक्षा के दौरान निगम आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न वार्ड प्रभारियों से सीधी बातचीत की। इस दौरान वसूली की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने वार्ड प्रभारियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने, स्थानांतरण और वेतन कटौती जैसी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही बड़े बकायादारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्तियां कुर्क करने के भी निर्देश दिए गए।

दैनिक जागरण
भोपाल, 05 फरवरी 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 22.8°c न्यूनतम 14.0°c
राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

सांस्कृतिक आयोजन
- स्थान: रंग श्री लिलिट बेल ट्रूप
- समय: शाम 7 बजे

शलाका चित्र प्रदर्शनी
- स्थान: जनजातीय संग्रहालय
- समय: सुबह 11 बजे से

विचार-मंथन कार्यक्रम
- समय: सुबह 10 बजे से
- स्थान: विजिटर हॉस्टल, आईआईएसईआर, भौरी, भोपाल

वर्चुअल मैराथन
- समय: 4 से 8 फरवरी 2026
- स्थान: प्रतिभागियों के अनुसार रजिस्ट्रेशन- ऑनलाइन

पुस्तक मेला
- स्थान: मानस भवन
- समय: सुबह 10 से रात 10 बजे

संक्षिप्त खबरें

भोज और इग्नू 15 तक देगा यूजी व पीजी कोर्स में प्रवेश

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय ने जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश देने के लिए नोटिफिकेशन में संशोधन जारी कर दिया है। प्रवेश की अंतिम तिथि को 15 दिनों की बढ़ोतरी की गई है। भोज विवि ने प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जनवरी रखी थी। अब तक यूजी और पीजी में करीब तीन हजार 700 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए थे। प्रवेश संख्या को देखते हुए भोज विवि ने जनवरी सत्र की प्रवेश प्रक्रिया को 15 फरवरी तक बढ़ा दिया है। भोज विवि को यूजीसी-डीईबी से यूजी, पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर के करीब 45 कोर्सों की मान्यता मिली है। जनवरी सत्र में 12 हजार से अधिक छात्र प्रवेश लेते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी 2026 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इग्नू ने भी प्रवेश की अंतिम तिथि 15 फरवरी तक बढ़ दी है। इससे भोज विवि और इग्नू के बीच प्रवेश प्रक्रिया में कोई ज्यादा अंतर नहीं दिखाई दे रहे हैं। भोज विवि में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को एबीसी आईडी की तरह एक यूनिक आईडी बनानी होगी।

एलबीटी में 9 से सजेगी नाटकों की महफिल

जागरण, भोपाल। शहर के रंगप्रेमियों के लिए रंग महिमा थिएटर सोसायटी द्वारा दो दिवसीय नाट्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव 9 और 10 फरवरी 2026 को रंगश्री लिटिल बैले ऑडिटोरियम में होगा। समारोह में दोनों दिन प्रस्तुतियां शाम 7:00 बजे शुरू होंगी। उत्सव के पहले दिन, 9 फरवरी को रंग महिमा थिएटर सोसायटी की ओर से नाटक विट्ठल आला का मंचन किया जाएगा। इस नाटक का निर्देशन अनूप शर्मा ने किया है। दूसरे दिन 10 फरवरी को अ-विराम जन कल्याण समिति द्वारा सुप्रसिद्ध नाटक खामोश अदालत जारी है की प्रस्तुति दी जाएगी।

रात 8 बजे तक खुलेगा जनजातीय संग्रहालय

जागरण, भोपाल। श्यामला हिल्स स्थित मप्र जनजातीय संग्रहालय के समय में प्रबंधन ने बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत, 1 फरवरी से अक्टूबर 2026 तक संग्रहालय दर्शकों और पर्यटकों के लिए दोपहर 12 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुला रहेगा। शीतकालीन सत्र (1 नवंबर से 31 जनवरी) के दौरान संग्रहालय का समय दोपहर 12 से रात्रि 7 बजे तक रहेगा। यह बदलाव पर्यटकों और कला प्रेमियों को शाम के समय जनजातीय जीवन, देशज ज्ञान और कला परंपराओं को करीब से देखने का अधिक अवसर प्रदान करेगा।

पुलिस की बिजीविलिटी दिखे खासकर पीक आवर्स में, थाना प्रभारी से लेकर एडिशनल डीसीपी करेंगे पेट्रोलिंग: पुलिस कमिश्नर

हेलमेट, सीट बेल्ट के लिए 15 दिन चेतावनी, इसके बाद सख्ती

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शहर में पुलिस की बिजीविलिटी दिखे खासकर पीक आवर्स में सभी थाना प्रभारी और एडिशनल डीसीपी अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोलिंग करेंगे। शहर का ट्रैफिक सरल व सुगम तरीके से संचालित हो इसके लिए थाना और ट्रैफिक पुलिस आपस में मिलकर काम करें। अतिक्रमण और जाम जैसी चीजें नहीं होना चाहिए। दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट और चार पहिया वाहन चालक को सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगवाएं। यह 100 फीसदी होना चाहिए। यह कहना है नवागत पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का। पुलिस कमिश्नर ने बुधवार को सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की परिचयात्मक बैठक ली। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित इस बैठक में एडिशनल पुलिस कमिश्नर अवधेश गोस्वामी, समस्त डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी एवं थाना प्रभारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

15 दिन में अभियान हो गया ठप

विगत दिनों राजधानी में दो पहिया वाहन चालक के साथ पीछे बैठने वाले (पिलियन राइडर) को भी हेलमेट लगाना अनिवार्य किया गया था। यह अभियान जोर-शोर से शुरू हुआ। चेकिंग के दौरान पुलिस ने पीछे बैठने वाले के हेलमेट नहीं पहनने पर चालान भी बनाए। लेकिन इसका काफी विरोध हुआ। महज 15 दिन बाद भी यह अभियान ठप्प हो गया। वर्तमान में राजधानी में 40 फीसदी दो पहिया वाहन चालक ही हेलमेट नहीं लगाते हैं। ऐसे में पीछे बैठने वालों को हेलमेट लगाने की बात गले नहीं उतरी। अब शुरुआत चालक से हो रही तो निश्चित ही हेलमेट लगाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इससे प्रेरित होकर अन्य लोग भी हेलमेट लगाएंगे।

फरियादी व आमजन से सभ्य व्यवहार

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने साफ शब्दों में कहा कि थाने में आने वाले फरियादी और आमजनों से सभ्य व्यवहार करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस संबंध में शिकायत आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीट सिस्टम और माइक्रो बीट सिस्टम में लोगों को अपने साथ जोड़े। गलियों में जाकर संवाद करें और जागरुकता लाएं। मुखबिर तंत्र और सूचना तंत्र मजबूत करें।

पुलिस का बदमाशों में खौफ हो, आम जनता में नहीं

पुलिस कमिश्नर ने बैठक के दौरान बेसिक पुलिसिंग पर जोर दिया। पुलिस का बदमाशों में खौफ हो, आमजन में नहीं। इस तरह की पुलिसिंग पर सीपी ने जोर दिया। ट्रैफिक की कार्रवाई से पहले लोगों को जागरूक किया जाए। लाउड स्पीकर के माध्यम से अनाउंसमेंट हो ताकि कार्रवाई से पहले लोगों को पता रहे कि पुलिस ऐसा करने जा रही है। खासकर हेलमेट या सीट बेल्ट चेक करने से पहले चेतावनी दी जाए जिससे यातायात के नियमों का पालन हो सके। लोग भी जागरूक हो सकें।

हिस्ट्रीशीटर की सतत चेकिंग

हिस्ट्रीशीटर की चेकिंग सतत करें। बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें। सायबर अपराध और महिला संबंधी अपराध कर नजर रखें। स्कूल कालेज के पास महिला पुलिस बल तैनात रहे। मनचलों के खिलाफ कार्रवाई करें। संवेदनशील इलाकों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजार वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बनाएं।

मां की तेरहवीं के बाद बेटे ने लगाई फांसी बेटी के लव मैरिज करने से था परेशान

तनाव में चल रहा था मृतक, बिलखिरिया इलाके की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक व्यक्ति ने मां की तेरहवीं के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ समय पहले मृतक की बेटी ने लव मैरिज कर ली थी। वह इस विवाह के विरोध में थे। इसके बाद से तनाव में चल रहे थे। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश चौहान ने बताया कि 55 वर्षीय दशरथ अहिरवार पिता तुलसीराम अहिरवार राजधानी पारस सिटी में रहते थे। वह कालेज बस में ड्रायवरी करते थे। पिछले दिनों दशरथ की माताजी का निधन हो गया था। दशरथ को लगता था कि उसके बेटी द्वारा कुटुंब के लड़के से ही शादी करने के सदमे में उसकी मां की मौत हुई है। मंगलवार को तेरहवीं का कार्यक्रम था। दशरथ ने दिन में ब्राह्मण भोज कार्यक्रम रखा था। रात करीब साढ़े आठ बजे दशरथ ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। फंदे पर लटका देख परिजन उसे लेकर पास स्थित निजी अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तीन महीने पहले की थी शादी: जांच में सामने आया है कि दशरथ की बेटी ने तीन महीने पहले रिश्ते में भाई से शादी कर ली थी। इसके लिए दशरथ समेत पूरे परिवार ने समझाया था लेकिन बेटी ने एक नहीं सुनी और दोनों ने भागकर शादी कर ली थी। शादी के बाद से दशरथ की मां तनाव में थी। मां की मौत के बाद दशरथ भी तनाव में आ गया। जैसे ही मंगलवार को तेरहवीं का कार्यक्रम खत्म हुआ। उसने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ढाबे पर खाना खाने पहुंचे युवक ने खाया जहर

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। घटना के वक्त युवक ढाबे पर खाना खाने पहुंचा था। इस दौरान उसने जहर खा लिया। मौके से सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय अभिषेक साहू छोला मंदिर इलाके का रहने वाला था। वह निजी काम करता था। कुछ समय पहले उसके पिता की मौत हो चुकी है। जबकि मां गृहणी हैं। मंगलवार को वह खाना खाने के लिए युवराज ढाबे पर पहुंचा था। इस दौरान उसने सल्फास खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसने अपने दोस्त राहुल को बुलाकर जहर खाने की बात कही। इस पर वह उसे तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ठगी करने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 9.35 लाख की धोखाधड़ी करने वाले 13वें आरोपी को सायबर क्राइम पुलिस ने कालीकट एयरपोर्ट केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने जालसाजी करने वाले गिरोह को दुबई में फर्जी खाता बेचा था। पुलिस ने आरोपी को जिला अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। एडिशनल डीसीपी सायबर क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि कोहेफिजा निवासी मोहम्मद जैनुल के साथ 9.35 लाख की ठगी हुई थी। करण बिरला नाम के व्यक्ति द्वारा वाट्सएप पर संपर्क कर पीएमएचडी एफसी नाम के एप्लीकेशन के माध्यम से शेयर मार्केट में सहज सोलर नाम की कंपनी में निवेश करने के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में आनलाइन रकम जमा करवाकर धोखाधड़ी की थी। पैसा जमा करवाते वक्त पीड़ित को अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। छोटी रकम लौटा दी। जब अधिक राशि निवेश की तो पीड़ित का खाता ब्लॉक कर दिया। जालसाजों ने खातों में पैसा आने पर तुरंत आनलाइन अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिया। विदेशों से एटीएम के माध्यम से नगद निकाल लिया था।

एनसीटीई और बीसीआई कोर्स की फीस तय करेगी कमेटी

एक हजार कालेजों को 28 तक जमा करने हैं प्रस्ताव

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति ने सूबे करीब एक हजार कालेजों की आगामी तीन सत्र 2026-27, 2027-28 और 2028-29 की फीस निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव जमा कराना शुरु कर दिया है। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 28 फरवरी रखी गई है। उच्च शिक्षा विभाग की काउंसकलिंग जून में शुरु हो जाएगी। इसलिए फीस कमेटी ने एनसीटीई और बीसीआई (बार काउंसिल आफ इंडिया) के सभी कोर्स की फीस तय करने का निर्णय कर लिया है। इसके अलावा बीबीए और बीसीए कोर्स की फीस भी निर्धारित की जाएगी। हालांकि उक्त कोर्स की काउंसलिंग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा कराई जाती है। उक्त कोर्स की काउंसलिंग भी जून में आयोजित हो सकती है। क्योंकि उक्त कोर्स का संचालन उच्च शिक्षा शिक्षा के कालेजों में होते हैं। इसके अलावा फीस कमेटी सूबे के प्रोफेशनल कोर्स में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी, आर्किटेक्चर, होटल मैनेजमेंट और मेडिकल कोर्स संचालित करने वाले कालेजों की फीस भी निर्धारित करेगा। कालेजों को वर्तमान सत्र की सीए से आडिट की गई बैलेंस शीट प्रस्तुत करनी होगी। संबंधित विवि से संबद्धता और सेंट्रल बॉडी से मान्यता लेकर प्रस्ताव बनाकर फीस कमेटी में देना होगा। संबद्धता और मान्यता के अभाव में कालेजों की फीस निर्धारित नहीं की जाएगी। वर्तमान सत्र की बैलेंस शीट नहीं होने की दशा में कालेज गत वर्ष की बैलेंस शीट प्रस्तुत जरुर कर सकेंगे। फीस तय होने के बाद ही कालेज अपनी सीटों पर प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग में भागीदारी कर पाएंगे।

> आगामी तीन सत्रों की फीस तय करने के लिए फीस कमेटी द्वारा आनलाइन प्रस्ताव जमा कराने लिंक खोल दी गई है। मान्यता और संबद्धता के अभाव में फीस निर्धारित नहीं होगी।
> **रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे,** अध्यक्ष, फीस कमेटी

एमपी के कई जिलों में फिर आएगा तेज सर्दी का दौर

भोपाल समेत प्रदेश भर में कोहरे का अलर्ट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में जोरदार सर्दी के दौर ने फिलहाल ब्रेक ले लिया है लेकिन कोहरे के कारण वाहन चालकों को खासी परेशानी हो सकती है। ग्वालियर, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुर, रीवा, सतना, टीकमगढ़, छतरपुर और निवाड़ी में घना कोहरा छाया रहेगा, वहीं राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के अधिकांश जिलों में मध्यम फॉग की स्थिति बनेगी। इससे विजिबिलिटी घटेगी। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के अधिकांश अचलों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री के ऊपर चला गया है लेकिन इस दौरान हवाओं की गति बढ़ गई है। बुधवार को भोपाल में 14 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली जिससे लोगों को अधिक सर्दी महसूस हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार को भी राजधानी समेत प्रदेश भर में इतनी ही स्पीड से हवा चलेगी। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आने वाले दो से तीन दिन में प्रदेश के मौसम पर आस-पास के राज्यों में स्थित कम दवाब के क्षेत्र और पश्चिमी विक्षोभ का असर होगा। फिलहाल एमपी से सटे यूपी के पूर्वी इलाके में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जबकि नॉर्थ हरियाणा में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। मौसम विभाग का आकलन है कि इसके कारण आने वाले दो सेतीन दिनो में पूर्वी एमपी के जिलों ग्वालियर, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, दतिया, भिंड, श्योपुर, टीमकगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, जबलपुर, उमरिया, सतना, रीवा, सिंगरौली, सीधी आदि जिलों में मिनिमम टेंपरेचर तीन डिग्री तक गिर जाएंगे।

सोम डिस्टलरी के लाइसेंस निलंबित, नकली परमिट पर शराब सप्लाई का मामला

मददगार अफसरों पर भी गिरेगी गाज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नकली परमिट और अवैध शराब परिवहन के जरिए सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने वाली शराब कंपनी सोम डिस्टलरी पर बुधवार को आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने आदेश जारी कर सोम डिस्टलरी एंड ब्रेवरीज के सभी प्रमुख लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 31 और 44 के तहत की गई है। एडीजे देपालपुर ने एक मामले में सोम डिस्टलरी के संचालकों, प्रतिनिधियों और आबकारी के कर्मचारियों को नकली परमिट और नकली दस्तावेजों के जरिए अवैध शराब परिवहन का दोषी माना था।

हाईकोर्ट ने केवल जेल जाने पर लगाई रोक: देपालपुर कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में दाखिल अपील पर सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपियों की जेल भेजे जाने की सजा पर रोक लगाई थी, उनकी दोष सिद्धि पर नहीं। इस आधार महाधिवक्ता से सलाह लेने के बाद आबकारी आयुक्त ने सोम डिस्टलरी की रायसेन जिले में स्थित सेहतगंज और रोजराचक की यूनिट्स के डी-1, एफएल-9, बी-3 और सीएस-1 लाइसेंस निलंबित किए हैं। इसके बाद सोम डिस्टलरी के दोनों प्लांट से न तो शराब का उत्पादन होगा और न ही सप्लाई। दोनों यूनिटों को सील करने के निर्देश भी दिए हैं।

दोषी अफसरों पर विभागीय कार्यवाही शुरू : आबकारी विभाग ने साजिश में शामिल आबकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। साजिश में लिप्त उप निरीक्षक प्रीती गायकवाड़ को विभाग पिछले साल सितंबर में बर्खास्त कर चुका है। इसके अलावा दोषी पाए गए अन्य अधिकारियों मदन सिंह पंवार (सहायक जिला आबकारी अधिकारी), कैलाश चंद्र बंगाली (जिला आबकारी अधिकारी) और रामप्रसाद मिश्रा (आबकारी उप निरीक्षक) के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। ये तीनों अधिकारी अब रिटायर हो चुके हैं, इसलिए इनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्यवाही का प्रस्ताव प्रशासकीय विभाग को भेजा गया है।

> कोर्ट के आदेश के अनुसार दोषियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे अवैध शराब का परिवहन कर शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इसी आधार पर कार्रवाई की गई है।
> **अभिजीत अग्रवाल,** आबकारी आयुक्त

बैठक सीवेज और पीने की समस्या अहम, पीडब्ल्यूडी के ईई सात दिन में निरीक्षण कर तैयार करेंगे इस्टीमेट

बीयू के एचओडी ने बताईं समस्याएं, 7 दिन में होगा समाधान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि के शैक्षणिक विभागों के हालात जर्जर हैं। कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन और कुलसचिव प्रो समर सिंह की उपस्थिति में विभागाध्यक्षों की बैठक रखी गई। इसमें बताया गया कि नेशनल टास्क फोर्स की गाइडलाइन के तहत हर विभाग और छात्रवास की छतों पर विद्यार्थियों की आवाजाही रोकने लोहे के दरवाजे लगाए जाएंगे। बैठक में डेढ़ दर्जन विभागाध्यक्षों ने अपने विभाग की खामियां गिनाईं। इसमें सीवेज की समस्या प्रमुख रही। वहीं बिजली मेंटेनेंस को लेकर भी शिकायतें आई हैं। पीडब्ल्यूडी के ईई और बीयू के इंजीनियर सात दिन में विभागों का भौतिक निरीक्षण कराकर इस्टीमेट तैयार करेंगे। सभी सुधार कार्य दो माह में ा करने का टारगेट रखा गया है।

विभागों की समस्याएं जो बैठक में सामने आईं

- समाजशास्त्र विभाग की एचओडी प्रो. रुचि घोष ने बताया कि वाटर कूलर की रिपेयरिंग, नल की पाइप लाइन की मरम्मत, दो दरवाजे बदलने हैं।
- बायोसांइस विभाग के एचओडी डॉ. आरके गर्ग ने वाटर कूलर की रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिक वायरिंग, कमरों में ट्यूब लाइट, टूटे खिड़की-दरवाजे और पाइप लाइनं की मरम्मत के अलावा सीवेज की मरम्मत होनी है।
- योग विभाग की एचओडी डॉ. साधना दानौरिया ने बताया कि छत से पानी गिरता है। उन्होंने टायलेट के नल और वाटर कूलर की रिपेयरिंग की मांग की। बीयूआईटी के निदेशक नीरज कुमार गौर ने अवगत कराया कि विभाग की पुरानी बिल्डिंग में सीवेज की समस्या है। आईआरटीसी लेब में आठ एयरकंडीशन लगना हैं।
- इलेक्ट्रानिक्स के एचओडी गौर ने बताया कि विभाग में सीवेज कार्य होना है। वोल्टेज का उतार-चढ़ाव होने से उपकरण खराब होते है, जनेरटर का चेंज ओवर स्विच बदलना है, विभाग के ब्लाक उखड़े पड़े है। रंग-रोगन की अवश्यकता है।
- भाषा विभाग के एचओडी डॉ. अच्छेलाल ने बताया कि विभाग में सीवेज की समस्या है, वाशरूम में कुंडी नहीं है, पंखे खराब हैं, बिजली की वायरिंग ठीक होना है, पानी की टंकी में लीकेज है। वाटरकूलर की जरूरत है।
- माईक्रोबायलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. अनिता तिलवारी ने बताया कि पुस्तकालय की फ्लोरिंग टूटी हुई है, नलों की फिटिंग खराब हो गई है, हॉल की फाल्स सिलिंग टूटी हुई है, छत पर सीपेज है, लेब में बिजली मेन्टेनेइलेक्ट्रिक मेनटेनेन्स कार्य होना है।
- आरपीईजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रूपाली शेवलकर बताया कि विभाग में दीमक ट्रीटमेंट कराना जरूरी है। विभाग के एयरकंडीशन चोरी हो चुके हैं। वाशरूम की खिड़कियां टूटी हुई हैं। वाशरूम की रिपेयरिंग के साथ वाटरकूलर की आवश्यकता है।
- कामर्स विभाग की एचओडी प्रो. अंशुजा तिवारी ने बताया कि हॉल की फाल्स सीलिंग टूटी है, विभाग में सीलन और सीपेज है, बिजली का सुधार होना है, विभाग में महिला टायलेट नहीं है, छात्रों का टायलेट टूटा हुआ है, विभाग में वाटर कूलर नहीं है।
- क्रिम संचालक प्रो. विवेक शर्मा ने बताया कि विभाग में टायलेट खराब हालत में है, चेनल गेट टूट रहा है, पानी की टंकी की आवश्यकता है, नल में लीकेज है, दिव्यांग एवं महिलाओं के लिए शौचालय की आवश्यकता है, पेड़ों की छटाई होना है।
- शारीरिक शिक्षा विभाग के एचओडी डॉ. आलोक मिश्रा कहा कि विभाग में तीन दरवाजे टूटे हुए है, विभाग का फ्लोर खराब है, बिजली के बोर्ड उखडे हैं, क्रिकेट विकेट सीमेन्टेड एवं केज बनना है।
- छात्र छात्रावास के चीफ वार्डन प्रो हेमंत खंडई ने बताया कि छात्रावासों में सीवेज की समस्या है, वाटरकूलर की आवश्यकता है, बिजली की मेंटेनेंस होना है, वाशरूम के पाइप, दरवाजे खिड़की टूटी है, सीवेज की लाइंन टूटी हुई है। छात्रावासों में वाहन रोकने के लिए बेरीकेटस लगाना है। होस्टल की पानी की टंकी में बजर लगाना है। जवाहर छात्रावास में किचन प्लेटफार्म टूटा हुआ है।

10वीं-12वीं की परीक्षाओं में टेबिल और कुर्सी की व्यवस्था होगी सुदृढ़

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में टेबिल कुर्सी की कमी नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए प्रदेश के जिलों के कलेक्टरों को एक-एक लाख रुपए दिए गए हैं। परीक्षा 10 फरवरी से शुरू हो रही है। माशिमं ने परीक्षा की तैयारियों को लेकर अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों को बैठने के लिए फर्नीचर की कमी होने की दिशा में नजदीक के स्कूलों से फर्नीचर की व्यवस्था की जाएगी। फर्नीचर की व्यवस्था टेंट हाउस से किराए पर नहीं की जाएगी। बता दें कि पूर्व में फर्नीचर के अभाव में विद्यार्थियों की परीक्षाएं टेंट लगाकर करायी जाती थी। इससे मंडल की परीक्षाओं का माखौल उड़ाया जाता था।

व्यवस्था दुरुस्त करने कलेक्टरों को दिए एक-एक लाख रुपए

फर्जी विद्यार्थियों की होगी स्कैनिंग : विद्यार्थियों को जारी किए गए प्रवेश पत्र में क्यूआर कोड दिया गया है। इससे फर्जी विद्यार्थियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। एमपीबीएसई रीडर कार्ड ऐप से किसी परीक्षार्थी के प्रवेश-पत्र पर फोटो व अन्य जानाकरी ऑनलाइन मिल सकेगी। संदेह होने पर विद्यार्थी के चेहरे का फोटो उक्त ऐप से अपलोड करना होगा। इसके बाद ऐप से ही परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन किया जाएगा। क्यूआर कोड स्कैन करते ही विद्यार्थी के फोटो और उसके मंडल के डाटा बेस में मौजूद फोटो का मिलान होने की स्थिति में मोबाइल की स्क्रीन स्पष्ट कर देगी कि विद्यार्थी फर्जी या वास्तविक। माशिमं ने तर्क देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
भोपाल 05 फरवरी 2026

निर्झरिणी

मात्र भाग्य के सहारे चलना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के सम्मान है। ऐसे लोगों को नष्ट होने में किंचित भी समय नहीं लगता।
-आचार्य चाणक्य

सुखमय जीवन के रहस्य

जीवन प्रबंधन

मोरारी बापू
कथावाचक

प्रसन्न चित ही परमात्मा का साक्षात्कार कर सकता है। इसलिए प्रसन्न रहने के लिए अपना दृष्टिकोण बदलना होगा। हमें अपने जीवन की घटनाओं को प्रभु इच्छा मानना चाहिए, तब न अहंकार आएगा और ना ही दुख ....

प्रसन्न चित्त से ही परमात्मा तक पहुंचा जा सकता है। अगर चित्त प्रसन्न नहीं है तो परमात्मा से साक्षात्कार भी संभव नहीं है। इस सूत्र के विपरीत, हम बात-बात पर दुखी होने को अपना स्वभाव बना लेते हैं। हमारी इच्छा के विपरीत घटित होने वाली किसी भी घटना को विपत्ति मान लेते हैं। मैं अक्सर कहता हूं, जो हमारी इच्छा के अनुकूल घटित हो, उसे हरिकृपा मान लो और जो विपरीत घटित हो उसे हरि इच्छा मान लो। हम

किसी भी विपरीत परिस्थिति को या किसी भी कठिनाई को विपत्ति समझ लेते हैं। विपरीत परिस्थिति से दुखी न हों। दुखी होने का स्वभाव न बनाएं। प्रसन्न रहें। श्रीरामचरित मानस में कहा गया है- कह हनुमंत बिपति प्रभु सोई। जब तव सुमिरन भजन न होई।। विपत्ति तो तब है जब व्यक्ति हरि भजन भूल जाए। सुंदरकांड की चौपाई है - रामचंद्र गुन बरनै लागा। सुनतहि सीता कर दुख भागा। जानकी दुखी थीं, लेकिन जैसे ही हनुमान जी ने रामकथा सुनाना शुरू किया तो सीता का दुख भाग गया। मानस उपाय बता रही है कि भगवत गुणगान से, श्रवण से दुख भागते हैं। संग से दुख भागते हैं- संत मिलन सम सुख नाहि... । सुख पाना है सो अच्छा संग करें। दुख को भगा कर प्रसन्न रहना है तो शुभ सुनने की आदत डालने का प्रयास करें।

दुख के प्रति दृष्टि बदली जानी चाहिए। जीवन में सुख का निर्माण दुख ही करता है। दुख न होता तो भक्ति न होती, भक्त न होते, गुरु न होते, शिष्य न होते । दुख व्यक्ति को जाग्रत रखता है। सुख उसे सुला देता है। सुलाने वाले से ज्यादा महत्व जगाने वाले का है। फिर दुख से घबराना कैसा?

सुख के सब साधन और कारण होने पर भी सुख का अनुभव न होने के कई कारण हो सकते हैं, मगर तीन बाधाएं प्रमुख हैं। ये हैं- क्रोध, काम और लोभ । मानस में लक्ष्मण का इन तीनों से जब-जब सामना हुआ, भगवान राम ने कुछ संकेत कर हमें बताया है कि इनसे कैसे बचा जा सकता है। भगवान राम जगतगुरु हैं और लक्ष्मण उनके अनुज भी हैं, सेवक भी हैं, शिष्य भी हैं। धनुष तोड़े जाने के प्रसंग में परशराम के क्रोधित होने से हम सब परिचित हैं। परशुराम क्रोध हैं। पूरी जनकपुरी जब लक्ष्मण के लिए कह रही थी कि यह बालक अनुचित कर रहा है, तब राम ने संकेत कर लक्ष्मण को नियंत्रित किया। इसका प्रभाव यह रहा कि कुछ देर बाद ही स्वयं परशुराम कहने लगे कि मैंने बहुत कुछ अनुचित बोल दिया। क्रोध से जब भी पाला पड़े, व्यक्ति को उल्टी वाणी का त्याग कर देना चाहिए, जो क्रोध को भड़का देती है। मानस में शूर्पणखा के प्रसंग से हम सब परिचित हैं। शूर्पणखा काम है। वह भड़काने वाला रंग-रूप लेकर पंचवटी में आई तो राम ने लक्ष्मण को संकेत किया कि इसके नाक-कान काट लो । काम से मुक्त होना है तो उसके नाक कान काटने होंगे। गंध और ध्वनि के बाद ही काम में व्यक्ति दृष्टि और स्पर्श तक और फिर पतन तक पहुंचता है। कोई भी गंध हो, उसे प्रभु की गंध मानो। कान से श्रवण करो तो भगवत कथा का ही श्रवण करो। धीरे-धीरे काम पर विजय हो जाएगी। मानस में भगवान राम ने तीसरी बार लक्ष्मण को संकेत उस समय किया। जब उनका सामना समुद्र से हुआ। समुद्र द्वारा रास्ता न दिए जाने से लक्ष्मण गुस्से में थे। समुद्र लोभ है। उसके पास न जाने कैसे-कैसे रत्नों का भंडार है, मगर वह सब कुछ छिपाए हुए है। समुद्र ने रास्ता नहीं दिया तो लक्ष्मण को क्रोध आ गया। उस समय राम ने संकेत किया कि धैर्य रखो। जीवन में जब लोभ से सामना हो जाए तो व्यक्ति को धीरज रखना चाहिए। लोभ समुद्र है, उसे समाप्त नहीं किया जा सकता। हां, उस पर सेतु बनाकर उसे पार अवश्य ही किया जा सकता है।

जीवन में सुख की अनुभूति करनी है तो यथासंभव अहंकार से बचें। निंदा और ईर्ष्या से बचें। भगवान को पाने के लिए अहंकार का त्याग आवश्यक है। दूसरों की निंदा करने से सदैव बचना चाहिए। पहले तो संकल्प लिया जाना चाहिए कि हम अपनी वाणी से किसी की निंदा नहीं करेंगे। भले ही मन में किसी के प्रति कोई भी बात आए मगर उसे वाणी नहीं बनने देंगे। यह अभ्यास हो जाने पर धीरे-धीरे मन में भी निंदा के विचार नहीं आएंगे।

प्रेम और विश्वास के घनीभूत रूप
महाराज दशरथ

संसार चरित्र देखता है, भक्त उसमें भगवान की माया देखते हैं।

श्रीराम के प्रति महारानी कैकेयी के सत्य और निश्छल प्रेम के कारण ही महाराज दशरथ कैकेयी जी के प्रति विशेष प्रेम और विश्वास रखते थे। दशरथ प्रेम और विश्वास के घनीभूत रूप थे।

मानस मर्म

स्वामी मैथिलीशरण
संस्थापक अध्यक्ष,
श्रीरामकिंकर विचार
मिशन

संसार में निश्छलता का दुरुपयोग वह अर्धसत्य है, जो कभी-कभी सत्य को भी झुठला देता है। संसार में ऐसा कौन पुण्यात्मा हुआ, जिसकी महिमा, पुण्य, तप, पराक्रम और साधना को ईर्ष्यालुओं ने अपने कटु शब्दों के द्वारा बेध न दिया हो। पुण्यात्मा के पास केवल सत्य और प्रेम का बल होता है।

बंदउं अवध भुआल
सत्य प्रेम जेहि राम पद।
बिछुरत दीनदयाल प्रिय
तनु तृन इव परिहरेउ।।

महाराज दशरथ गुरु वशिष्ठ की की शगुन-अपशगुन, सुदिन - सुमंगल व्याख्या सुनकर इतने उत्साहित हुए कि वह महारानी कैकेयी के पास राम-प्रेम की हृदय भूमि को सिंचित करने की भावना से चले गए, क्योंकि उनका राम के प्रति सत्य प्रेम था। वे असत्य से परिचित ही नहीं थे। सूर्य को जन्म देने वाला अंधकार को क्या जाने? पर जब काल विपरीत होता है तो व्यक्ति से धर्म, बुद्धि, बल और विवेक का हरण कर लेता है।

काल दंड गहि काहु न मारा।
हर धर्म बल बुद्धि बिचारा।।

अपनी भावपूर्ण मनःस्थिति के विपरीत कैकेयी को देखकर दशरथ जी दुख के गर्त में पड़ गए और पुनः पूर्व स्थिति को स्थापित करने के उद्देश्य से कैकेयी से कहा, बताओ तुम्हारा अहित किसने किया? किस राजा के सिर के मैं दो टुकड़े कर दूं या किसे राज्य से बाहर कर दूं? वे उन्हें सुमुखि और सुलोचन कहकर भौतिक दृष्टि से भी रामराज्य के परमार्थ को साध लेना चाह रहे थे। किंतु मंथरा ने प्रेम के दूध में ममता की खटाई डाल दी, जिसे अहमता और ममता के कारण कैकेयी समझ नहीं पाईं। उनका स्वार्थ महाराज दशरथ और परमार्थ राम दोनों उनसे दूर चले गए। दशरथ जी ने अपने प्रिय राम की प्रियता को अपने प्राण देकर शरीर यज्ञ की पूर्णाहुति कर दी। इस पूर्णाहुति को भगवान ने ज्ञानाग्नि में भस्म कर रावण वध के पश्चात देवराज इंद्र के साथ अपने पुत्र को बधाई देने के लिए पुनः पधारे महाराज को अंतर्दृष्टि देकर पूर्ण करके भेज दिया। परशुराम जी और महाराज दशरथ दोनों की दृष्टि के आवरण को भगवान श्रीराम ने अपने शील गुण और अपनी अखंड ज्ञानदृष्टि से अनावृत कर दिया। जनक की सभा में आते समय महर्षि परशुराम को भगवान राम और लक्ष्मण ने प्रणाम किया और जाते समय परशुराम ने राम व लक्ष्मण को प्रणाम किया। इसी प्रकार दशरथ जब रावण पर विजय प्राप्ति के पश्चात बधाई देने पधारे तो पहले तो श्री राघवेंद्र ने अपने पिता रूप में दशरथ को प्रणाम किया, पर अंत में उनसे नेत्र मिलाकर परम ज्ञान देकर धन्य कर दिया। भेद भक्ति की पूर्णाहुति अभेद स्थिति में स्थित होना है।

रघुपति प्रथम प्रेम अनुमाना।

चितइ

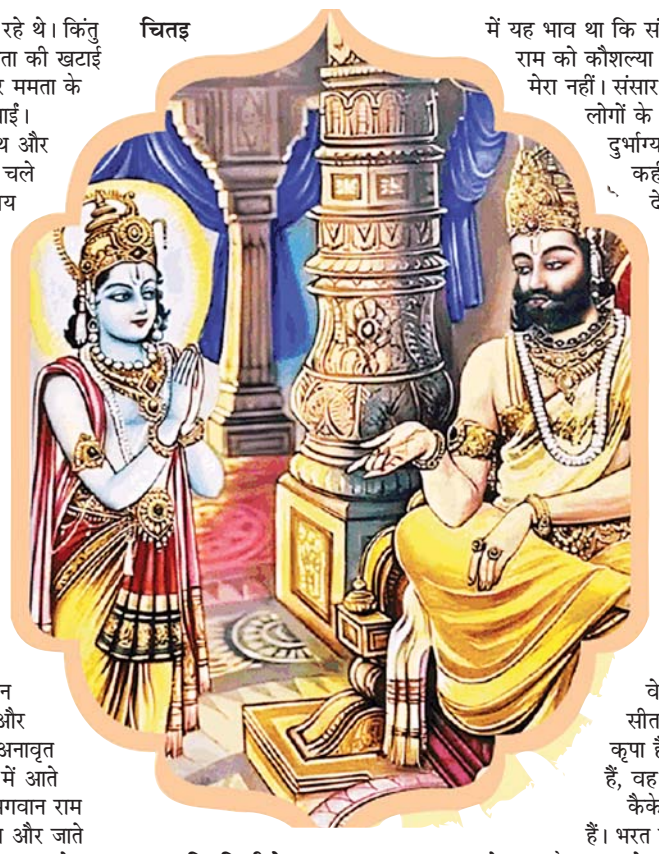

पितहि दीन्हेउ दृढ़ ग्याना।।

श्रीराम ने किसी को ज्ञान दृष्टि से भक्ति दी तथा किसी को भक्ति दृष्टि से ज्ञान में स्थित किया। श्रीराम के धर्मरथ का यही शौर्य, धैर्य व सत्य शील का संतुलन है। महारानी कैकेयी जानती हैं कि राम सब माताओं से प्रेम करते हैं, पर मुझसे सर्वाधिक प्रेम करते हैं। पर ममता का मल अहमता के दूध को फाड़े बिना नहीं रह सका। उनके हृदय में यह भाव था कि संसार के लोग तो राम को कौशल्या का बेटा मानते हैं, मेरा नहीं। संसार के अधिकांश लोगों के जीवन का यह दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष उन्हें कहीं का नहीं रहने देता कि लोग क्या कह रहे हैं, या क्या कहेंगे ? संसार के लोगों को समझना चाहिए कि हर मनुष्य में ईश्वर है, यह तो ज्ञान है, पर हर व्यक्ति को मनुष्य मानते रहना व्यवहार है। जहां हमने कोई गलती की तो भगवान हमसे दूर हो जाएंगे, फिर चाहे वे कैकेयी हों या सीता। जो प्राप्त है, वह कृपा है। जो हम चाहते हैं, वह वासना है।

कैकेयी को भरत प्राप्त हैं। भरत को जन्म देकर भी वे भरत के हृदय को नहीं समझ पाईं। अविद्या ने वासना की खिड़की से आकर कामना के वायु के झोंके ने ज्ञान दीपक को बुझा दिया। पर, गोस्वामी तुलसीदास जी का वेदमर्म कहता है कि पिताजी के प्रेम की रक्षा प्रभु राम ने ज्ञान दृष्टि देकर की और माता कैकेयी के राम के प्रति अंतरंग प्रेम की रक्षा प्रेममूर्ति भरत ने की। कड़वी दवा देकर मीठा तथा परम कल्याणकारी परिणाम भरत ने माता कैकेयी को दिया। समाज को समझना चाहिए कि महत्व इसका नहीं है कि हम मीठी वाणी बोल रहे हैं या कड़वी, निष्कर्ष यह होना चाहिए कि हम व्यवस्था को राम से जोड़ रहे हैं या तोड़ रहे हैं। वनवास प्रस्थान के समय सुमंत जी के सम्मुख लक्ष्मण जी ने दशरथ जी को कुछ कठोर वचन कहे, क्योंकि लक्ष्मण समझ गए थे कि यदि मैं सुमंत जी के द्वारा कुछ कठोर वचन कहला कर भेज दूं तो वे कम से कम 14 वर्ष तक भैया राम और माता सीता को लेकर निश्चिंत रहेंगे। वह समझेंगे कि जब लक्ष्मण मेरे लिए इतने कटु वचन बोल सकता है तो यदि मार्ग में राम-सीता पर कोई भी कष्ट आएगा तो लक्ष्मण उसे क्षमा नहीं करेगा। कटु वचन बोलने में लक्ष्मण का पिता के प्रति अनंत प्रेम है और कैकेयी के प्रति कटु व्यवहार के पीछे रामनिष्ठ प्रेम और दोनों को राम में निष्ठ रखना है।

श्रीरामचरितमानस में श्रीभरत या श्रीलक्ष्मण ने महाराज दशरथ की यदि कुछ आलोचना की है तो उसका अर्थ है कि जब वे परम सत्य राम के पिता हैं तो कैकेयी के रूप में उन पर पड़े मंथरा के कुसंग और माया को क्यों नहीं समझ पाए? यही ज्ञान दृष्टि श्रीभरत के परम प्रेममय हृदय ने कैकेयी को दी।

संसार चरित्र देखता है, भक्त उसमें भगवान की माया देखते हैं। दशरथ ने जिस राम नाम का जप करते हुए अपने प्राण त्याग दिए, उसी नाम प्रभाव ने सगुण राम के द्वारा निर्गुण निराकार में स्थित करके यह बता दिया कि वह तो स्वयं ही राम के पुत्र हैं। राम ही सबके पिता हैं। माता कैकेयी को भी भगवान ने हृदय से लगाकर उनकी व्यथा को दूर कर उन्हें और उनके पुत्र भरत को विश्व वंदित बना दिया।

मैं तुम की यात्रा है आध्यात्मिक जागरण

चिंतन धरोहर

श्रीरामकृष्ण परमहंस

मैं अहंकार है, इसके होने पर सेवा संभव नहीं है। जब तुम का भाव होगा, तभी हमारे भीतर आध्यात्मिक जागरण होगा और हम दूसरों की सेवा करने में सक्षम होंगे....

सूर्य वैसे तो सारे संसार को प्रकाश और ताप देता है, पर यदि वह मेघ से आच्छन्न हो जाए तो ऐसा नहीं कर पाता। इसी भांति जब तक हृदय अहंकार के आवरण से आच्छादित रहता है, तब तक उसमें भगवान प्रकाशित नहीं हो पाते। यह अहंकार मेघ की तरह है। इसी की ओट के कारण हम ईश्वर को नहीं देख पाते। यदि श्रीगुरु की कृपा से अहं बुद्धि दूर हो जाए तो फिर ईश्वर के पूर्ण दर्शन हो जाते हैं। जैसे, सिर्फ ढाई हाथ की दूरी पर ही साक्षात पूर्णब्रह्म श्रीरामचंद्र जी हैं, किंतु बीच में सीता रूपिणी माया का आवरण होने के कारण लक्ष्मण जी रूपी जीव को ईश्वर राम के दर्शन नहीं होते। जीव का अहंकार ही माया है। यही सब आवरण का मूल है।

मैं के मरने पर ही सारा जंजाल दूर होगा। अगर किसी को ईश्वर की कृपा से मैं कर्ता नहीं हूं- यह ज्ञान हो जाए, तब तो वह जीवनमुक्त ही हो गया। फिर उसे किसी बात का भय नहीं। अगर मैं अपने को इस अंगोछे की ओट में कर लूं तो तुम मुझे नहीं देख सकते, पर मैं तुम्हारे बिल्कुल नजदीक ही हूं। इसी भांति और सभी चीजों की अपेक्षा ईश्वर ही तुम्हारे सबसे ज्यादा निकट है, किंतु अहं रूपी आवरण के कारण तुम उनके दर्शन नहीं कर सकते। जब तक अहंकार रहता है, तब तक न ज्ञान होता है, न मुक्ति मिलती है।

हांडी में रखे पानी और चावल, दाल, आलू आदि को तब तक छुआ जा सकता है, जब तक हांडी आग पर नहीं रखी जाती । जीव की देह मानो हांडी है और धन, मान, विद्या, बुद्धि, जाति, कुल आदि मानों दाल, चावल, आलू की तरह हैं। अहंकार ही आग है, जिसके कारण ही जीव गरम (अहंकारी) होता है। वस्तुतः बरसात का पानी ऊंची जमीन पर नहीं ठहर पाता है, बहकर नीची जगह में ही जमता है। वैसे ही ईश्वर की कृपा भी नम्र व्यक्तियों के ही हृदय में ठहरती है, अहंकार-अभिमानपूर्ण हृदय में नहीं। जब तक अहंकार पूरी तरह नष्ट नहीं हो जाता, तब तक मनुष्य की मुक्ति नहीं। मनुष्य में मैं निकल कर उसकी जगह तुम आ जाना चाहिए, परंतु आध्यात्मिक जागरण हुए बिना यह संभव नहीं । मुक्ति तभी मिलेगी, जब तुम्हारा मैं-पन चला जाएगा और तुम भगवान में डूब जाओगे। मैं मेरा अज्ञान है। तुम और तुम्हारा ज्ञान है। जो सही भक्त होता है, वह सदा कहता - हे प्रभो, तुम्हीं कर्ता हो, तुम्हीं सब कुछ कर रहे हो। मैं तो केवल तुम्हारे हाथों का यंत्र मात्र हूं। यह धन, ऐश्वर्य, यह जग तुम्हारी ही महिमा है। यह घर, परिवार, सब कुछ तुम्हारा है, मेरा कुछ भी नहीं। मैं तुम्हारा दास हूं। जैसा तुम्हारा आदेश होगा, वैसी ही सेवा करने भर का मुझे अधिकार है।

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर जो करते हैं, अच्छा करते हैं

एक राजा अपने मंत्री के साथ आखेट पर निकले। वन में हिरन को देख राजा ने तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि जंगल में से एक शूकर निकला और राजा को धक्का देकर भागा। इस अप्रत्याशित आघात के कारण तीर की नोक से उनकी अंगुली कट गई। रक्त बहने लगा और राजा व्याकुल हो उठे। रक्त बहता देखकर मंत्री बोले, 'राजन। भगवान जो करता है, अच्छे के लिए करता है।' मंत्री की बात सुनकर राजा क्रोधित हो गए। उन्होंने मंत्री को आज्ञा दी कि तत्काल वे वहां से चले जाएं। मंत्री ने आज्ञा का पालन किया। इधर राजा थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि उन्हें जंगल में नरभक्षी कबीले के लोगों ने घेर लिया। वे उन्हें पकड़कर अपने सरदार के पास ले गए। राजा की बलि देने की तैयारी हो ही रही थी कि कबीले के पुजारी ने राजा की कटी अंगुली देखकर कहा कि इसका तो अंग भंग है, इसकी बलि स्वीकार नहीं हो सकती। राजा को जीवनदान मिला तो उन्हें तुरंत मंत्री की याद आई। सोचने लगे कि मंत्री ठीक कहते थे, भगवान जो करता है, अच्छे के लिए ही करता है। मुझे उनका साथ नहीं छोड़ना चाहिए था।

ऐसा सोचते वे आगे बढ़ रहे थे कि उन्हें मंत्री नदी किनारे भजन करते दिखाई पड़े। राजा ने प्रेमपूर्वक मंत्री को गले लगाया और उन्हें सारा घटनाक्रम कह सुनाया। इसके बाद राजा ने उनसे प्रश्न किया 'मेरी अंगुली कटी, इसमें भगवान ने मेरा भला किया, पर तुम्हें मैंने अपमानित करके भगाया, इससे तुम्हारा क्या भला हुआ?' मंत्री मुस्कराए और बोले, 'राजन, यदि मैं आपके साथ होता तो अंग भंग के कारण नरभक्षी आपकी बलि न देते, पर तब मेरी बलि चढ़नी सुनिश्चित थी। इसलिए भगवान जो करते हैं, अच्छा ही करते हैं।' (साभार 'अखण्ड ज्योति')

गीता सार

योगस्थः कुरु कर्माणि संग त्यक्त्वा धनजय ।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ।।

श्रीमद्गवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 48) के इस श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन। तुम योग में स्थित रहकर कर्म करो। अपने कर्तव्य का पालन करो और सफलता असफलता की सभी आसक्तियों को त्याग दो। मन की ऐसी समता को ही योग कहते हैं।

शिक्षाः गीता का यह श्लोक हमें अपने वर्तमान कार्यों में केंद्रित और दत्तचित्त रहने का महत्व सिखाता है और असफलता के भय या सफलता की इच्छा से उत्पन्न तनाव से बचना सिखाता है। इस श्लोक में भगवान कृष्ण समत्व भाव में स्थित रहने को प्रेरित करते हैं, जो हमें सभी परिस्थितियों को शांतिपूर्वक स्वीकार करने के योग्य बनाता है। यह इतना महत्पूर्ण है कि भगवान ने इसे 'योग' अर्थात भगवान के साथ

एकत्व बताया है। भगवान कृष्ण अर्जुन को शिक्षा देते हैं कि वह अपने कर्तव्यों का पालन बिना परिणाम की चिंता किए, समत्व भाव से करे। वे अर्जुन को भविष्य की चिंता करने या अतीत पर पछतावा करने के बजाय वर्तमान क्षण और अपने कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ऐसा करने से ही संतुलन और समभाव की स्थिति प्राप्त की जा सकती है।

कैकेयी के मूल संस्कार

चिंतन धरोहर

श्रीरामकिंकर जी
महाराज

श्रीरामचरितमानस की शास्त्रसम्मत व सार्वभौम व्याख्या के लिए स्वनामधन्य रामकिंकर उपाध्याय जी का यह शताब्दी वर्ष है।

मंथरा ने जब महारानी कैकेयी से अप्रिय बातें कहीं, तो महारानी ने मंथरा को फटकारा। कहा- तू कैसी बात कर रही है? क्या तू झगड़ा कराना चाहती है? फिर उसे सावधान करते हुए यह भी कह दिया कि अगर तूने भविष्य में ऐसी बात कही तो तेरी जीभ कटवा दूंगी।

पुनि अस कबहूं कहसि घरफोरी।
तब धरि जीभ कढावउं तोरी ।।

यह सब सुनने के बाद कोई टिक सकता है? पर मंथरा टिकी रही, क्योंकि मंथरा कैकेयी के भीतर के मूल संस्कारों को जानती है। इसलिए जो कुछ कैकेयी की वाणी से

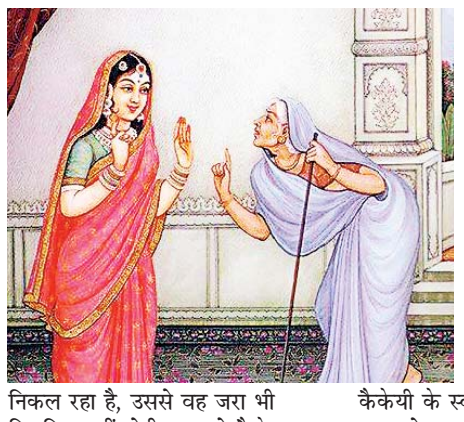

निकल रहा है, उससे वह जरा भी विचलित नहीं होती। वह तो कैकेय देश से ही महारानी के साथ आई है और इस विवाह के मूल में जो संस्कार है, उससे वह भलीभांति परिचित है।

मंथरा कैकेयी के स्वभाव को, संस्कार के मूल को जानती है, उसे पूरा-पूरा विश्वास है कि अभी बाहर से जो कुछ इनके मन-मस्तिष्क में बैठा दिया गया है, वह सब समाप्त हो जाएगा।

मंथरा जानती है कि महाराज दशरथ जब कैकेयी के सौंदर्य की प्रशंसा सुनकर विवाह के लिए उत्सुक होते हैं तो कैकेय नरेश कहते हैं कि मैं अपनी कन्या आपको ऐसे ही नहीं दे दूंगा। आपको यह वचन देना होगा कि मेरी कन्या के गर्भ से जो पुत्र उत्पन्न होगा, अयोध्या का राज्य उसी को मिलेगा। महाराज कैकेय के जीवन में 'स्व' और 'पर' का भेद विद्यमान है और महारानी कैकेयी का आगमन ही इस भेदबुद्धि की स्वीकारोक्ति के साथ होता है, इस प्रकार महारानी कैकेयी के भीतर तो पिता के संस्कार है, भेदबुद्धि है और बाहर वातावरण के प्रभाव से आरोपित समत्व बुद्धि है। मंथरा कैकेयी के स्वभाव को, संस्कार के मूल को जानती है, उसे पूरा-पूरा विश्वास है कि अभी बाहर से जो कुछ इनके मन-मस्तिष्क में बैठा दिया गया है, वह सब समाप्त हो जाएगा।

सचमुच वह ऐसा करने में सफल हो जाती है। बाद में तो ऐसी स्थिति हो जाती है कि जिन कैकेयी ने मंथरा की जीभ कटवा देने की बात कही थी, वही कैकेयी मंथरा की वाणी स्वयं बोलने लगती हैं। जिस समाचार को सुनकर कैकेयी अत्यंत प्रसन्न हो गई थीं, अब उनमें उससे क्रोध का संचार हो जाता है और वे कोपभवन में जाकर बैठ जाती हैं। महारानी कैकेयी अपने वस्त्र मंथरा को दे देती हैं और उसके कपड़े स्वयं पहन लेती हैं। मनुष्य के मूल संस्कार अवसर पाकर प्रकट हो ही जाते हैं। इस प्रकार कुटिल मंथरा की योजना सफल हो जाती है।

मंथन मीमांसा

आचार्य नारायण दास
श्रीमद्भागवत मर्मज्ञ

जहां सत्य, वहां लक्ष्मी का निवास

समुद्र मंथन की कथा जीवन और जगत के यथार्थ स्वरूप को प्रकाशित करने वाली तथा व्यक्ति को सन्मार्ग की ओर लेजाने वाली है। इस बार पढ़ें समुद्र मंथन सेनिःसृत आठवें रत्न लक्ष्मी की आध्यात्मिक विवेचना...

समुद्र मंथन में आठवें रत्न के रूप में शोभा और सौंदर्य की निधान भगवती लक्ष्मी प्रादुर्भाव हुआ, जिन्हें असुर, देवता, ऋषि आदि सभी चाहते थे, किंतु उन्होंने अपने चिर आराध्य भगवान विष्णु का वरण कर लिया। सागर मंथन की प्रक्रिया में लक्ष्मी जी का प्राकट्य आठवें क्रम पर होना, इस तथ्य को दर्शाता है कि अष्टधा प्रकृति (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि, और अहंकार) का नियमन जिनके अधीन है, वह परमात्मा ही भगवती लक्ष्मी को धारण करने के अधिकारी हैं। असुर तामसी, देवता राजस और ऋषिगण सात्विक प्रकृति के प्रतीक हैं। परमात्मा प्रकृति से परे हैं, गुणातीत हैं और स्वयं से प्रकाशित हैं, इसलिए भगवती लक्ष्मी ने उनका वरण किया।

जो काम, क्रोध, मद, लोभादि के वशीभूत हैं, उन्हें कभी चिरलक्ष्मी की प्राप्ति नहीं होती है। लोक में पूर्व प्रारब्ध के प्रभाव से कभी-कभी विषयी पामर जीव भी धनादि से संपन्न दिखाई देते हैं, लेकिन उनका धन-ऐश्वर्य प्रायः नश्वर विषयभोगों में ही भस्मीभूत हो जाता है, राष्ट्रहित या परोपकार का हेतु कभी नहीं हो पाता है।

यह शाश्वत सत्य और प्राकृतिक विधान है कि जो व्यक्ति धर्मशीलता, कर्मठता और विनम्रता के सिंहासन पर विराजता है, उस सत्पुरुष के पास समस्त संपत्तियां बिना किसी हेतु के चली आती हैं, जैसे सभी नदियां कलकल निनाद करते हुए, स्वतः ही समुद्र में विलय होने के लिए भागती हुई चली आती हैं, जबकि समुद्र को उनकी कोई कामना नहीं होती है।

लक्ष्मी जी का प्रादुर्भाव इस तथ्य को अभिव्यंजित करता है कि जब कोई भगवत-प्रेमामृत का रसास्वादन करने के लिए प्रयत्नशील होता है, तो लौकिक पारलौकिक सुख परीक्षार्थ उसे अपनी ओर आकर्षित करने का अथक प्रयास करते हैं, इसलिए साधक को विवेक-विचार से, दृढ़तापूर्वक भगवद्भक्ति में अपना मन लगाना चाहिए, तभी वह भगवत प्रेम रूपी अमृत का पान कर अपने जीवन को धन्य-धन्य कर सकेगा।

धर्मशास्त्रों में लक्ष्मी जी के आठ स्वरूपों का वर्णन किया गया है- आदि लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, धैर्य लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी, विजय लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी और धन लक्ष्मी। भगवती लक्ष्मी जी को असुर, देवता, और ऋषि-मुनि सभी चाहते थे कि वह उन्हें मिल जाएं, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीविष्णु को स्वतः पति रूप में वरण कर लिया। इसका तात्पर्य है कि समस्त ऐश्वर्य और संपदाएं उस महामानव के पास स्वयं सेवा के लिए पहुंच जाती हैं, जो न्याय और सत्य का पक्षधर तथा परमार्थी होता है।

भगवान विष्णु सत्यस्वरूप हैं, सत्य में ही उनका सदा वास है, इसलिए जहां सत्य है, वहीं लक्ष्मी जी का नित्य वास रहता है। आज मानव सत्य से विमुख हो गया है, इसलिए वह दुखी है और दारिद्र्य के अंधकार में भटक रहा है। जब कोई भी यह दृढ़ निश्चय कर लेगा कि मैं अब सत्य का परित्याग कभी नहीं करूंगा, उस दिन से ही उसकी दरिद्रता मिटने लगेगी तथा शनैः शनैः वह संपन्नता का वरण कर लेगा।

संक्षिप्त खबरें

कैंसर दिवस पर ब्रह्माकुमारीज द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जागरण, भोपाल। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, सुख-शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर, भोपाल के तत्वावधान में शहर के विभिन्न स्थानों पर कैंसर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जीएमसी नर्सिंग कॉलेज, डीएवी पब्लिक स्कूल, मॉडल पब्लिक स्कूल, इंडियाज़ फाउंडेशन द्वारा अपना घर सहित अन्य कई स्थानों पर आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बीके डॉक्टर प्रियंका ने कैंसर के प्रमुख कारणों, लक्षणों तथा उसके बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असंतुलित जीवनशैली, तनाव, नशा, गलत खान-पान और नकारात्मक सोच जैसी आदतें इस बीमारी को बढ़ावा देती हैं, जबकि समय पर जांच, सकारात्मक सोच और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर इससे बचाव संभव है। इस अवसर पर बीके पूनम एवं बीके अन्नपूर्णा ने राजयोग ध्यान के माध्यम से मन को सशक्त, सकारात्मक और प्रसन्न रखने के उपाय बताए।

शिव महापुराण में सती के आत्मदाह की कथा का मार्मिक वर्णन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। दुर्गा चौक स्थित साईं बाबा नगर में आयोजित शिव महापुराण की कथा के तीसरे दिन कथा व्यास शशांक शेखर महाराज ने माता सती के आत्मदाह के प्रसंग का अत्यंत भावुक और मार्मिक वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि किस प्रकार दक्ष प्रजापति के यज्ञ में भगवान शिव का अपमान सहन न कर पाने पर माता सती ने योगाग्नि द्वारा अपने प्राण त्याग दिए। आचार्य शशांक ने कहा कि यह प्रसंग श्रद्धा, त्याग और आत्मसम्मान का प्रतीक है। कथा सुनते समय पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

बिजली मीटर से छेड़छाड़ करने पर धारा 136 में होगी कार्यवाही

जागरण, भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि यदि बिजली के मीटर में अनावश्ड़यक छेड़छाड़ पाई जाती है तो ऐसा करने वालों के विरूद्ध धारा 136 के तहत कार्रवाई होगी। कंपनी का कहना है कि किसी उपभोक्ता को मीटर, उसकी रीडिंग, बिलिंग या बिजली व्यवधान जैसी कोई शिकायत हो तो वे तुरंत कॉलसेंटर के फोन नंबर 1912 पर या ऑनलाइन वेबसाइट श्चश्चह्लह्वड्डद्य.द्वश्चष्5.द्बठ्ठ अथवा उपाय (यूपीएवाय) एप या बिजली वितरण केन्द्र/ जोन कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण की पूरी व्यवस्था की गई है। यदि उपभोक्ता शरारती तत्वों के बहकावे में आकर मीटर में तोड़फोड़ या उखाड़कर अन्यत्र स्थापित करने या सर्विस लाइन को नुकसान पहुंचाने का कार्य करते हैं तो उनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 136 के तहत कार्रवाई होगी जिसमें 3 वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों सजाओं से दण्डित करने का प्रावधान है।

एलएनसीटी करेगा गाम्बिया के 61वें स्वतंत्रता दिवस की मेजबानी

जागरण, भोपाल। भारत और विशेष रूप से मध्य प्रदेश के लिए यह एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण होने जा रहा है, जब मध्य भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट यूनिवर्सिटी एलएनसीटी यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक बड़े आयोजन की मेजबानी करेगी। आगामी 14 फरवरी 2026 को एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में गाम्बिया देश का 61 वां स्वतंत्रता दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा। यह पहली बार होगा जब गाम्बिया जैसे अफ्रीकी देश का राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस भारत की किसी निजी यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अजी फॉतुमाता जूफ, फर्स्ट सेक्रेटरी गाम्बिया दूतावास, उमर सम्पो सीसे, द्वितीय सेक्रेटरी गाम्बिया दूतावास और इंद्राणी मूले, सलाहकार, अफ्रीकन स्टूडेंट असोसिएशन, गाम्बिया दूतावास भी मौजूद रहेंगी। पश्चिमी अफ्रीका में स्थित गाम्बिया देश के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व के आयोजन के लिए गाम्बिया दूतावास के हाई कमिश्नर अंशु जावर ने स्वयं एलएनसीटी यूनिवर्सिटी का चयन किया है। यह चयन न केवल एलएनसीटी यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक गुणवत्ता और वैश्विक पहचान को दर्शाता है, बल्कि भारत और अफ्रीकी देशों के बीच मजबूत होते शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों का भी प्रतीक है।

मानस भवन में किताबों का मेला 50 रु में मिलेंगी बेस्टसेलर पुस्तकें

जागरण, भोपाल। किताब प्रेमियों के लिए भोपाल में पहली बार आयोजित हो रहे 'न्यू बुक कार्निवल' का आज भव्य आगाज हुआ। देश के तेजी से उभरते बुक फेयर ब्रांड किताब लवर्स द्वारा आयोजित यह पांच दिवसीय पुस्तक मेला 4 से 8 फरवरी तक मानस भवन में आयोजित किया जा रहा है। पहले ही दिन बड़ी संख्या में पाठक, विद्यार्थी और युवा यहां पहुंचे, जिससे परिसर में साहित्यिक उत्सव जैसा माहौल नजर आया। इस बुक फेयर में 10 लाख से अधिक नई किताबें प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें फिक्शन, नॉन-फिक्शन, सेल्फ-हेल्प, रोमांस, क्राइम, थ्रिलर, बच्चों की किताबें और पौराणिक साहित्य शामिल हैं। प्रतिष्ठित हिंदी लेखकों की रचनाओं के साथ राजपाल एंड संस की पुस्तकों की बड़ी रेंज भी आकर्षण का केंद्र है। खास बात यह है कि पाठकों को 80 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जबकि किताबों की कीमतें 50रूपए से शुरू हैं। किताब लवर्स के सह-संस्थापक राहुल पांडे ने कहा कि डिजिटल दौर में पढ़ने की आदत को फिर से बढ़ावा देना ही इस आयोजन का उद्देश्य है।

भोपाल प्रवास पर आएंगे रविकुमार

जागरण, भोपाल। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष केपी त्रिपाठी एवं महासचिव के.रविकुमार रामा प्रसाद रविवार को दो दिवसीय प्रवास पर 7 फरवरी को भोपाल आएंगे। इन पदाधिकारियों द्वारा भोपाल में संगटन को मजबूत बनाने के लिए अधिकारी कर्मचारियों के साथ मंत्रणा की जाएगी।

थ्री टियर सिस्टम आधारित फ्लाईओवर तैयार करने प्रभात चौराहे के पास रायसेन रोड बंद

यातायात के लिए सर्विस रोड खोला, सकरा होने के कारण वाहन चालक हो रहे परेशान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण विभाग ने प्रभात चौराहे का थ्री टियर सिस्टम आधारित फ्लाईओवर तैयार करने का कार्य शुरु कर दिया है। बुधवार को प्रभात चौराहे से रायसेना की तरफ जाने वाली सड़क को बंद कर दिया गया है। यहां से वाहनों की आवाजाही बनाए रखने के लिए सर्विस लाइन को खोल दिया गया है। हालांकि सर्विस लाइन पर लोगों ने चार पहिया वाहन खड़े कर दिए हैं। इससे लोगों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाईओवर को तैयार करने के लिए रायसेन की तरी जाने वाली सड़क पर पियर्स बनाए जा रहे हैं। हालांकि रायसेन रोड की ओर बने अतिक्रमण को पूर्व में ही हटा दिया गया था। वहीं बोगदा पुल की तरफ का एक रोड़ खोल दिया गया है। इससे जिंसी की ओर जाने वाली सड़क पर अब कोई व्यवधान नहीं रहा है। बोगदापुल से भारत टाकीज जाने वाली सड़क अभी भी बंद है। फ्लाईओवर को तैयार करने की योजना अप्रैल 2023 से बन रही है। इसे एक ही एलाइनमेंट में एलिवेटेड डिजाइन तैयार किया जाएगा। फ्लाईओवर से पांच लाख से अधिक आवधि को लाभ मिलेगा। खासकर अशोका गार्डन और पिपालानी क्षेत्र से आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। फ्लाईओवर के सबसे नीचे सुभाष नगर फ्लाईओवर से स्टेशन जाने वाला ट्रैफिक निकलेगा, बीच में पुल बोगदा से रायसेन जाने वाला ट्रैफिक निकलेगा और सबसे ऊपर मेट्रो ट्रेन की लाइन होगी। प्रभात चौराहे पर भारी ट्रैफिक को देखते हुए फ्लाईओवर का निर्माण कराया जा रहा है। यहां से मेट्रो लाइन का रूट नंबर दो भी निकल रहा है।

स्कूल कालेज टाइम पर प्रभावित होता है ट्रैफिक

उक्त फ्लाईओवर प्रभात चौराहे पर अप्सरा टॉकीज से पुल बोगदा तक बनेगा। करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले फ्लाईओवर की लंबाई 750 मीटर और चौडाई 15 मीटर होगी। फ्लाईओवर के तैयार होने से प्रभात चौराहे और रायसेन रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। यहां ट्रैफिक स्कूल कालेज टाइम में सबसे ज्यादा होता है। क्योंकि अधिकतर स्कूल और कालेज की बसें और अन्य वाहन यहीं से गुजरते हैं। यहां से गुजरने वाले लोगों को भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचने में ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा।

शहर का पहला थ्री टियर फ्लाईओवर होगा

प्रभात फ्लाइओवर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की डिजाइन के आधार पर होगा। प्रभात चौराहे पर शहर का पहला थ्री टियर फ्लाईओवर बनाया जा रहा है, जिसमें मेट्रो प्रोजेक्ट की ब्लू लाइन के पियर्स बनाए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी ब्रिज का काम करेगा, जबकि मेट्रो रेल कारपोरेशन की ठेका एजेंसी मेट्रो की लाइन का कार्य करेगी।

फ्लाईओवर की स्थिति

- लागत 35 करोड़ रुपए
- फ्लाईओवर की लंबाई 750 मीटर
- फ्लाईओवर की चौड़ाई 15 मीटर

नौ विषयों के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के आवेदन अब होंगे दस मई से जमा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने उच्च शिक्षा विभाग के कालेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों के आवेदन जमा करने की तिथि में संशोधन जारी किया है। इसके तहत हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, भूगोल, इतिहास, मनोविज्ञान, विधि भूगर्भशास्त्र और योगिक विज्ञान विषय शामिल किए गए हैं। संशोधित तिथि के तहत अब उम्मीदवार 10 मई से 09 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार का कार्य 16 मई से 11 जून तक किया जा सकता है। तीन हजार रुपये के विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन करने की तिथि 10 जून से 16 जून निर्धारित की गई है। विलंब शुल्क के साथ त्रुटि सुधार 17 जून तक किया जा सकेगा। एमपीपीएससी ने स्पष्ट करते हुए कहाकि उम्मीदवार अंतिम तिथि तक आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि के बाद किसी भी तिथि को उक्त अर्हताएं अर्जित करने वाले उम्मीदवार विज्ञापित पदों के लिए विचारित होने की पात्रता नहीं रखेंगे।

बड़वाले महादेव मंदिर में शिवरात्रि महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लगभग 200 वर्ष पूर्व बड़ की जटा से प्रकट हुए स्वयंभू बटेश्वर महादेव के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर से निकाली जाने वाली भव्य शिव बारात की तैयारियों के लिए बैठकों का दौर प्रारंभ हो गया है। मुख्य आयोजन 15 फरवरी महाशिवरात्रि पर होगा। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट के संजय अग्रवाल और प्रमोद नेमा ने बताया कि इस वर्ष भी 21 दिवसिय महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन नौ फरवरी को गणेश पूजन के साथ प्रारंभ होगा। 10 फरवरी को ओम नमः शिवाय भजन मंडल द्वारा कीर्तन किया जाएगा। 11 फरवरी को बाबा बटेश्वर एवं मां भवानी को हल्दी मेहंदी की रस्म अदा की जाएगी। 12 फरवरी को अखंड रामायण पाठ का प्रारंभ। 13 फरवरी को अखंड रामायण पाठ का विश्राम। 14 फरवरी को बाबा बटेश्वर का प्रदोष श्रृंगार दर्शन और महाआरती की जाएगी और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह 10 बजे भव्य शिव बारात के नगर भ्रमण के बाद रात्रि 11 बजे सोमवारा स्थित भवानी मंदिर पर वरमाला का कार्यक्रम होगा। अर्ध रात्रि में पाणी ग्रहण संस्कार व चार प्रहर अभिषेक किया जाएगा। संयोजक संजय अग्रवाल ने बताया 21 फरवरी को महिलाओं के द्वारा बधाई बुलउआ का कार्यक्रम 22 फरवरी को छप्पन भोग दर्शन, श्रृंगार एवं महा प्रसादी वितरित की जाएगी 1 मार्च शिवरात्रि महोत्सव के समापन पर माता पार्वती की विदाई तथा रात्रि 10 बजे शिव प्रदोष होली उत्सव श्रृंगार एवं दर्शन होंगे।

चांदी के नंदी पर दूल्हा स्वरूप में होगी बाबा की रजत प्रतिमा

मंदिर समिति के प्रमोद नेमा ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर निकाली जाने वाली भव्य बारात में ढाई कुंटल वजनी चांदी से बने नंदी पर बाबा बटेश्वर की दूल्हा स्वरूप रजत प्रतिमा विराजित कर चांदी से ही बने हाथों से खींचने वाले रथ पर नगर भ्रमण कराया जाएगा7 विवाह की समस्त पौराणिक रस्मो के साथ शिव बारात में शिव महिमा ,पर्यावरण संरक्षण, भगवान राम, कृष्ण, इंद्र, कुबेर आदि के आकर्षक रथ शामिल होंगे।

51 महिलाओं की टोली होगी मंजीरा पार्टी में शामिल: समिति की अंजली सोनी एवं शिवानी शुक्ला ने बताया कि बारात का विशेष आकर्षण 51 युवतियों के द्वारा एक खास ड्रेस कोड में डमरु व मंजीरो के साथ ओम नमः शिवाय का उद्घोष करते हुए चलने वाला दल होगा, जिन्होंने मंदिर परिसर में अभ्यास प्रारंभ कर दिया है।

अतिक्रमण के खिलाफ शहरभर में चला नगर निगम का हथौड़ा

जागरण, भोपाल। नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को पुराने भोपाल के व्यस्ततम बाजारों सहित शहर के कई इलाकों में कार्रवाई करते हुए निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्तों ने 4 ट्रक सामान जब्त किया। सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाई

गई दुकानें, ठेले, गुमठियां और पान पार्लर हटाए गए। यह कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन, कॉल सेंटर एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के साथ-साथ निगम की नियमित कार्रवाई के अंतर्गत की गई। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दलों ने पुराने शहर के नदीम रोड, मारवाड़ी रोड, आजाद मार्केट, जुमेराती, चौक बाजार, सोमवारा, मंगलवारा, इतवारा, पीरगेट और इमामी गेट जैसे व्यस्ततम क्षेत्रों में दुकानों के बाहर रखा सामान, ठेले, गुमठी, पान पार्लर, टेबल, कुर्सी और बोर्ड हटाए। इस दौरान कुल 04 ट्रक विभिन्न प्रकार का अतिक्रमण सामग्री जब्त की गई। इसके अलावा कोलार डी-मार्ट, ललिता नगर, सर्वधर्म चूना भट्टी, त्रिलंगा ऑरा मॉल, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, जवाहर चौक, टी.टी. नगर, लिंक रोड नंबर-2, एम.पी. नगर जोन-02, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, अवधपुरी, रायसेन रोड, करोंद, बैरागढ़, लालघाटी सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी कार्यवाही की गई। यहां फुटपाथ और सार्वजनिक स्थलों से अवैध छप्पर, फेसिंग, खंभे, शेड, बाउंड्रीवाल, लोहे की जाली, चबूतरे, मेट्रो प्रोजेक्ट में बाधक दुकानें, सब्जी की दुकानें, ठेले, गुमठी और आवागमन में बाधक चार पहिया वाहन हटाए गए। निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात सुगम बनाए रखने और नागरिकों को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराने के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र में चोरों ने उड़ाया लाखों का माल

जागरण,भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों की चोरी को अंजाम दिया। घटना के वक्त परिवार सास-ससुर से मिलने गया था। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 37 वर्षीय प्रीति शर्मा पति दुर्गेश पेवलवे कॉलोनी में रहती है। वह गृहणी है। उसके पति ड्राइवरी का काम करते है। 31 जनवरी को वह घर में ताला लगाकर पति के साथ शाहपुरा में सास-ससुर से मिलने गई थी। दो दिन बाद लौटने पर उन्हें घर के दरवाजे में ताला लगा मिला। लेकिन अंदर जाने पर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात समेत कीमती सामान गायब था। चेक करने पर देखा तो घर के पीछे के कमरे का दरवाजा खुला मिला। कयास लगाने जा रहे है कि चोर ने इसी दरवाजे से घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी किए गए सामान की कीमत लाखों रूपए आंकी जा रही है। पूरे घर में सामान ढूंढने के बाद जब नहीं मिला तो उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर संदेहियों से पूछताछ कर रही है।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित
पर्यटन भवन, भदभदा रोड, भोपाल-462003
फोन : +91-755-4027100, 2774340/42, www.mpstdc.com
क्रमांक 37/यांत्रिकी/पविनि/26 दिनांक : 04.02.2026

NIT/SYSTEM No. 85/2026_STDC_480237_1

Bids are invited from reputed Artist/sculptor for Supply and Installation of Stone and Bronze Statues including construction of Pedestal and Façade lighting of the Statue at Mahakal Corridor, Ujjain 2nd call
Terms and Conditions can be downloaded from website **https://mptenders.gov.in.** For any other information contact Mr. D.S. Parihar, Executive Engineer Mob. No. 9424796819 or E-mail at **dsparihar@mpstdc.com** Last date and Time for Online Tender Purchase is **18.02.2026 Time 05:00 PM**
M.P. Madhyam/124300/2026 **EXECUTIVE ENGINEER**

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन, मेन रोड नं.-1, चिनार पार्क (ईस्ट)
भोपाल- 462011, फोन नं. : 0755-2578801-02
फैक्स : 0755-2550498, वेबसाइट : www.esb.mp.gov.in

प्रेस-विज्ञापन

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 हेतु आवेदन पत्र 18.07.2025 से 25.08.2025 तक आमंत्रित कर, परीक्षा आयोजित की गई थी। उक्त परीक्षा में मान उच्च न्यायालय खण्डपीठ, इंदौर में दायर याचिका क्रमांक 42759/2025 दीपक परमार वि. म.प्र. शासन व अन्य में पारित आदेश दिनांक 15.12.2025 के परिपालन में अभ्यार्थियों को प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के आवेदन पत्र में कण्डिका 7.7 (RCI विशेष शिक्षा संबंधी कॉलम) में संशोधन हेतु पूर्व में दिनांक 26.12.2025 से 10.01.2026 तक एम.पी ऑनलाइन के माध्यम से पोर्टल खोला गया था। लोक शिक्षण संचालनालय के पत्र क्रमांक/यूसीआर/सी/09/2025-26/148 भोपाल दिनांक 29.01.2026 के तारतम्य में उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र में कण्डिका 7.7 (RCI विशेष शिक्षा संबंधी कॉलम) में पुनः निम्नानुसार संशोधन हेतु दिनांक 04.02.2026 से 11.02.2026 तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पोर्टल खोला जा रहा है।

- **अभ्यर्थी जिनके पास कण्डिका 7.7 (D.El.Ed Special education) (RCI विशेष शिक्षा संबंधी) के अंतर्गत दिव्यांग विद्यार्थियों को अध्यापन हेतु प्रारंभिक शिक्षा का डिप्लोमा उपलब्ध है तो इस विकल्प में "हॉ" अंकित करें।**
- **अन्य सभी अभ्यर्थी इस विकल्प में "नहीं" अंकित करें।**

समस्त अभ्यर्थी पोर्टल पर उपरोक्त कंडिका 7.7 अनुसार उक्त अवधि में ही आवश्यक संशोधन कर सकते है। उक्तानुसार किये गये संशोधन को ही अंतिम मानते हुए परीक्षा संबंधी आगामी कार्यवाही की जाएगी।
म.प्र. माध्यम/124320/2026 नियंत्रक

24 घंटे में 3 जिलों में लूट की वारदातों का पर्दाफाश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस ने तीन अलग-अलग जिलों में हुईं लूट की घटनाओं को सुलझाते हुए 70 लाख रुपए से अधिक का चोरी गया माल रिकवर कर लिया है। इसमें लाखों रूपए की नकदी के साथ लाखों की कीमत के चांदी के जेवर भी शामिल हैं। पुलिस ने मंगलवार अलसुबह नरसिंहपुर के कुसुम वैली होटल में हुई लगभग 1 करोड़ रुपए की सनसनीखेज लूट का चंद घंटों में ही खुलासा कर दिया। टीम ने इतनी बड़ी लूट के बाद तत्काल सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश शुरू की। इस दौरान जब होटल के ही मैनेजर की भूमिका संदिग्ध पाते हुए उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने स्वीकार किया कि इतनी बड़ी नकद राशि देखकर उसने ही अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रची। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 60 लाख रुपए की नकदी बरामद की है। हालांकि इस गिरोहव के बाकी सदस्य अभी फरार है, जिनके पास से लूटी गई रकम की रिकवरी होनी है।

पीएचक्यू से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा में एक सर्राफा कारोबारी के साथ हुई लूट की गुत्थी भी सुलझा ली गई है। साप्ताहिक बाजार कर गांगीवाड़ा से छिंदवाड़ा लौट रहे इस कारोबारी के पास से लाखों के जेवर छीन लिए गए थे। इसके बाद देहात पुलिस ने घेराबंदी करते हुए एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके पास से 9 लाख कीमत के चांदी के लगभग 2 किलो 300 ग्राम जेवर और दो बाइक बरामद की हैं। इसके अलावा वहीं राजगढ़ जिले में नेशनल हाईवे पर सक्रिय मिच्री गिरोह को भी पुलिस ने दबोच लिया है। यह गिरोह वाहन चालकों की आंखों में मिर्ची झोंककर उसे बंधक बना लूट लेता था।

हिस्ट्रीशीटर को हथौड़े से पीटकर अधमरा करने वाले दोनों आरोपियों को भेजा जेल

पुलिस ने घटना का रीक्रिएशन कर आने-जाने का रूट पूछा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार रोड इलाके में हिस्ट्रीशीटर को हथौड़े से मारकर अधमरा करने के मामले में रीवा से गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। रिमांड अवधि खत्म होने पर बुधवार को दोनों को जिला अदालत में पेश किया था। रिमांड के दौरान पुलिस ने घटना का रीक्रिएशन किया। भोपाल आने और यहां से जाने के रूट पूछा। वारदात करने वाले 11 लोग पिपलानी स्थित डे-नाइट होटल में ठहरे थे, पुलिस ने यहां से उनके फुटेज हासिल किए। आरोपियों ने बताया कि घटना का मास्टर खनन माफिया सचिन कुशवाहा है, उसने कुलदीप के सिर्फ हाथ-पैर तोड़कर मोहताज बनाने के लिए बोला था। उसका कहना था कि जान से नहीं मारना है। उसके सिर पर वार नहीं करना है। पुलिस ने आरोपी अनित से हथौड़ा जब्त किया है। पुलिस अन्य आरोपी सचिन कुशवाहा समेत पवन कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, प्रवीण कुशवाहा, कुलदीप कुशवाहा, प्रांजल पाठक, सूरज और साकेत की तलाश में जुटी है। कोलार पुलिस ने कोलार पुलिस ने रविवार रात रीवा से दो आरोपी अनित कुशवाहा और अखिलेश पांडे को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी दो दिन के लिए पुलिस की रिमांड पर थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह घटना के एक दिन पहले 24 जनवरी 2025 को पिपलानी स्थित होटल डे-नाइट में ठहरे थे। यहां 11 लोग रुके थे। अगले दिन वह सीसीटीवी कैमरों से बचते हुए आईएसबीटी, बावड़िया ब्रिज, शाहपुरा, दानिश कुंज चौराहा, सीआई चौराहा होते हुए नेताजी हिल्स चौराहा पहुंचे थे। 25 जनवरी को वारदात करने के बाद इसी रास्ते से लौटे। बावड़िया ब्रिज से बर्रई, भोजपुर होते हुए गौहरगंज से रीवा भाग निकले थे। पुलिस के पास होटल के फुटेज के अलावा रास्ते में एक जगह पेट्रोल पंप के फुटेज भी थे, जहां दोनों गाड़ियों स्कॉर्पियो और बोलेरो में पेट्रोल भरवाया गया था। पुलिस ने लगभग 500 सीसीटीवी कैमरे खंगाले थे। फिलहाल दोनों आरोपियों की शिनाख्ती नहीं हुई है। इधर, पीड़ित हिस्ट्रीशीटर कुलदीप अस्पताल में भर्ती है। जहां उसका इलाज जारी है।

वर्चस्व का था मामला

चोरहटा थाना क्षेत्र निवासी कुलदीप सिंह 10 सितंबर को हत्या के मामले में जमानत पर छूटा था। जेल से आते ही उनसे अपना वर्चस्व दिखाया। खनन माफिया सचिन पर अड़ीबाजी कर मारपीट की। दोनों पक्षों पर काउंटर केस दर्ज हुआ। बदला लेने के लिए सचिन ने कुलदीप के हाथ-पैर तोड़ने की योजना बनाई। चूंकि कुलदीप रीवा में भीड़ में रहता था इसलिए उसे वहां मारना आसान नहीं था। इस बीच आरोपियों को खबर लगी कि कुलदीप इन दिनों अपनी मंगेतर के पास भोपाल आना-जाना कर रहा है। आरोपी प्रांजल ने उसकी रैकी की। 25 जनवरी की सुबह आरोपियों ने कुलदीप को घेरकर अधमरा होने तक मारा था।

ईरानियों की हिस्ट्रीशीट पुलिस ने खोली एक राजू की, दूसरी में काला शामिल

दोनों गैंग में 10-10 से अधिक अपराधी, संगठित अपराध के दायरे में लाई पुलिस

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी पुलिस ने ईरानियों की दो गैंग हिस्ट्री शीट खोली है। एक कुख्यात बदमाश राजू ईरानी की है और दूसरी गैंग काला ईरानी की है। दोनों गैंग में 10-10 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जो लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय हैं। गैंग हिस्ट्री शीट खोलकर पुलिस इनको संगठित अपराध के दायरे में लाई है। अब इनके खिलाफ संगठित अपराध की धारा लगाने में पुलिस को आसानी होगी। गुंडे-बदमाशों की तरह इनकी मॉनीटरिंग होगी। उसी तरह इन्हें ट्रीट किया जाएगा। अभी तक पुलिस के पास ईरानी डेरा यानी अमन कालोनी में रहने वाले बदमाशों की कुंडली नहीं पता थी। पिछले महीने राजू की सूरत से

गिरफ्तारी के बाद एक-एक गुंडे-बदमाशों के बारे में पूछताछ की गई। उनका काम, धंधा, अपराध आदि की जानकारी ली गई। इसके बाद पुलिस ने कुख्यात राजू ईरानी और काला ईरानी की गैंग हिस्ट्री शीट खोली।

राजू महाराष्ट्र की रिमांड पर, काला फरार : कुख्यात राजू की गैंग में हैदर, मामू, मुस्लिम के अलावा उसका भाई व भतीजे शामिल हैं। फिलहाल राजू ईरानी महाराष्ट्र पुलिस की हिरासत में है। लूट के मामले में ठाणे, मुंबई पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई थी। मकोका के तहत भी उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। इधर काला ईरानी की गैंग रिजवान, तालिब, तरू, साजिद, भूरा, शब्बीर, निसम आदि शामिल हैं। भोपाल पुलिस काला ईरानी की तलाश में जुटी है। दो बार निशातपुरा पुलिस ने काला ईरानी की तलाश में सीमावर्ती जिलों में दबिश दी थी, लेकिन वह भाग निकला था। इसमें मुखबिरी का खेल हुआ था। सूत्रों की मानें तो शातिर काला ईरानी एक मोबाइल तीन दिन से ज्यादा अपने पास नहीं रखता है। मोबाइल किसी का, सिम किसी के नाम पर और उसकी लोकेशन कहीं और की आती है।

MADHYA PRADESH POWER GENERATING COMPANY LTD.
OFFICE OF THE Addl. C.E. (P&W), SHREE SINGAJI THERMAL POWER PROJECT
Dongalia Distt. Khandwa (M.P.), E-mail ID: sepnw.sstpp1@gmail.com, Website : www.mppgcl.mp.gov.in
No. 515-1700/SSTPP/MPPGCL/P&W/9494 Date : 04.02.2026

NOTICE INVITING E-TENDER

Tender Particulars/Tender Number	Estimated Cost (Rs.) Including GST	EMD & Tender Cost in Rs.	Due Date & Time for Closing Online Submission
Tender for supply of 60 Kg and 52 Kg Rail Gule joints for MPPGCLs railway siding from Surgaon Banjari to Bir railway station (60 Kg rail) and from Bir railway station to Plant SSTPP (52 Kg rail) of MPPGCL, Dongaliya Distt. Khandwa. (T-2025_MPPGC_408425_2)	Rs. 10,03,000/- Inclusive of GST	20,100/- & 1000/-	27.02.2026 Up to 15:30 hrs.
Procurement of Bolts/Stud and Nuts with washer used at BMD-II and BMD-OS-II at 2x660 MW, Units at SSTPP, Dongalia. (T-2026_MPPGC_475892_1)	Rs. 16,65,000/- (Inclusive of GST)	33,300/- & 1000/-	23.02.2026 Up to 15:30 hrs.
"Work contract for Residual Life Assessment of Boiler Pressure Parts and Corrosion Mapping of Boiler tubes of Unit#1, 2x600 MW SSTPP, MPPGCL, Dongalia." (T-2025_MPPGC_469469_1)	Rs. 23,53,049/- (including G.S.T.)	47,100/- & 1000/-	23.02.2026 Up to 15:30 hrs.
"Work contract for assistance in construction store related office work and maintaining store related records and other work of mandatory/ O&M materials at O&M Store-II, SSTPP, PH-II, MPPGCL, Dongalia, Distt: Khandwa (M.P.) for a period of 12 months" (T-2025_MPPGC_467810_1)	Rs. 15,77,221/- (Including G.S.T.)	31,600/- & 1000/-	23.02.2026 Up to 15:30 hrs.

For extension & other details, the bidders are requested to please visit e-portal of GoMP at **www.mptenders.gov.in**
M.P.Madhyam/124307/2026 // SAVE ELECTRICITY // SE (P&W)

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

लोकतंत्र की सेहत के लिए मजबूत आरटीआई जरूरी

सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून ने देश में न सिर्फ लोकतंत्र की नींव को और अधिक मजबूत किया है बल्कि यह नागरिक के तौर पर आम आदमी को के ऐसा अधिकार मुहैया कराया जिससे वह शासन-प्रशासन को और उत्तरदायी बनाने में सक्षम हो सका। इस कानून का मुख्य उद्देश्य शासन के कामकाज में पारदर्शिता लाना और जवाबदेही तय करना है। यह देश के नागरिकों को अधिकार देता है कि वे सरकारी तंत्र और उसके कार्यों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। यानी यह कानून सरकार और जनता के बीच सूचना के सेतु के रूप में काम करता है और परस्पर भरोसे का निर्माण करता है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और दोषियों को कानून के कठघरे में लाने की प्रक्रिया में भी इसकी महती भूमिका है। स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी इन विशेषताओं में अगर कमी या कटौती की जाती है, तो निश्चित तौर पर यह कानून कमजोर होगा। यह मसला इसलिए चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि संसद में हाल में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में आरटीआइ कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है। तर्क दिए गए हैं कि इस कानून में कुछ ऐसे प्रावधान किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि गोपनीय रपट और मसविदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त की जा सके।

गौरतलब है कि लंबे समय से सूचना के अधिकार की मांग के मद्देनजर वर्ष 2005 में महमोहन सिंह के के कार्यकाल में इससे संबंधित कानून को लागू किया गया था। इसके तहत देश का हर नागरिक सरकारी विभाग और संस्थाओं से उनके कामकाज, योजनाओं एवं उनके प्रभाव, वित्तीय स्थिति तथा नियमों आदि की जानकारी मांग सकता है। संबंधित अधिकारी तय समय के भीतर यह सूचना उपलब्ध कराने के लिए बाध्य होते हैं। मगर समय के साथ सरकारी तंत्र की उदासीनता, लापरवाही और निहित स्वार्थों के कारण जानकारी छिपाने के प्रयासों से इस कानून की प्रभावशीलता में कमी देखी गई है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में आर्थिक समीक्षा रपट में सूचना के अधिकारों का फिर से अध्ययन करने और कुछ मामलों में छूट हासिल करने की वकालत ने चिंता के स्तर को और बढ़ा दिया है।

एक तरफ सरकार जब अपने कामकाज में 'पारदर्शिता लाने' और भ्रष्टाचार को लेकर 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाने पर जोर देती हो और दूसरी तरफ सूचना के अधिकारों को सीमित करने का प्रयास किया जाए, तो यह नीति और नीयत के बीच विरोधाभास पैदा करता है। आर्थिक समीक्षा में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरटीआइ अधिनियम का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका उद्देश्य बाहर बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना या उसे नियंत्रित करना था। यह बात सही है कि बिना कारण या सरकार के कामकाज में किसी सुनियोजित तरीके से बाधा उत्पन्न करने के लिए इस कानून का सहारा लेना उचित नहीं है। मगर सवाल यह है कि इस तरह आरटीआइ कानून का दुरुपयोग करने वालों की तादाद कितनी होगी? जाहिर है, इसमें कुछ खास वर्ग के चंद लोग ही शामिल होंगे, पर क्या उन पर अंकुश लगाने के लिए सभी नागरिकों के सूचना के अधिकार को सीमित किया जाना चाहिए?

इस कानून में पहले से ही ऐसे कई प्रावधान हैं, जिनके तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुताऔर व्यक्तिगत गोपनीयता समेत अन्य संवेदनशील मसलों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती। अब अगर स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी इन विशेषताओं में अगर कमी या कटौती की जाती है, तो निश्चित तौर पर यह कानून कमजोर होगा। नागरिकों से संबंधित सूचना को रोकने के और प्रावधान किए जाते हैं, तो इससे यह कानून वास्तव में कमजोर होगा और इसका मकसद भी अधूरा ही रह जाएगा।

समाज और न्याय

न्यायालयों ने बार-बार घर-परिवार में गृहणी के योगदान को रेखांकित किया है

परिवार में एक महिला की भूमिका अनमोल

डॉ. रितु सारस्वत

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में मोटर दुर्घटना में मृतक गृहिणी के परिवार को दिए जाने वाले मुआवजे को 58.22 लाख से बढ़ाकर 1.18 करोड़ कर दिया है। न्यायमूर्ति सुदीप्ति शर्मा ने फैसला सुनाते हुए कहा कि गृहिणी का काम अमूल्य है और इसे कम करके नहीं आंका जा सकता। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि यदि गृहिणी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को खुले बाजार में आउटसोर्स किया जाता, तो उन्हें काफी अच्छा वेतन मिलता।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि न्यायालय को गृहिणी के श्रम के अवमूल्यन को लेकर कठोर टिप्पणी करनी पड़ी हो। 27 अप्रैल, 2009 को 'नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बनाम नाबालिग दीपिका' के मामले में, मद्रास उच्च न्यायालय ने 2000 के यूनिसेफ के उद्धरण को दिया। यूनिसेफ ने कहा था कि 'अवैतनिक देखभाल कार्य मानवीय अनुभव का आधार है'। देखभाल कार्य वह है जो एक महिला मां के रूप में करती है और निश्चित रूप से भारत में, मां की भूमिका की सामाजिक अवधारणा को देखते हुए, महिला स्वयं इस भूमिका को आर्थिक मूल्य देने वाली अंतिम व्यक्ति होगी। लेकिन जब हम किसी दुर्घटना में मां की मृत्यु के कारण बच्चे को हुए नुकसान का आकलन कर रहे होते हैं, तो हम देखभालकर्ता के कार्य को मौद्रिक मूल्य देना आवश्यक समझते हैं, क्योंकि अंततः, घर ही वह मूलभूत इकाई है जिस पर हमारा सभ्य समाज टिका हुआ है।'

ठीक इसी तरह 2010 में 'अरुण कुमार अग्रवाल बनाम नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड', मामले में देश के सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा था 'पत्नी द्वारा घर के लिए दिया गया योगदान अमूल्य है और उसे धन के रूप में मापा नहीं जा सकता। पत्नी द्वारा अपने बच्चों और पति के प्रति सच्चे प्रेम और स्नेह के साथ घरेलू मामलों के प्रबंधन में जो निःशुल्क सेवाएं प्रदान की जाती हैं, उनकी तुलना अन्य व्यक्तियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से नहीं की जा सकती।' न्यायालय ने यह भी कहा 'पत्नी/माता द्वारा परिवार—अर्थात पति और बच्चों—को दी गई सेवाओं के एवज में किसी भी राशि का परिमाण निर्धारित करना संभव नहीं है। तथापि, आश्रितों को प्रतिकर प्रदान करने के उद्देश्य से, गृहिणी/माता की सेवाओं का कुछ आर्थिक आकलन किया जाना आवश्यक है।

इस संदर्भ में 'सेवाएं' शब्द को व्यापक अर्थ दिया जाना चाहिए और इसका निर्माण इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए कि मृतका द्वारा एक माता के रूप में अपने बच्चों को तथा एक पत्नी के रूप में अपने पति को दी गयी व्यक्तिगत

देखभाल और ध्यान अब उपलब्ध नहीं रहा। आश्रित, मृतका द्वारा प्रदान की गई निःशुल्क सेवाओं की हानि के बदले पर्याप्त प्रतिकर पाने के हकदार हैं। देय राशि इस आधार पर कम नहीं की जा सकती कि कोई निकट संबंधी, जैसे दादी, स्वेच्छा से परिवार को कुछ सेवाएं प्रदान करने के लिए आगे आ सकता/सकती है, जो पहले मृतका द्वारा दी जाती थीं।' न्यायालय के इस मामले में केम्प एंड केम्प द क्वांटम ऑफ़ डैमेज़ेज़ का उल्लेख किया गया था।

उल्लेखनीय है कि केम्प एंड केम्प द क्वांटम ऑफ़ डैमेज़ेज़ टॉर्ट लॉ (नुकसान की भरपाई का कानून) पर आधारित एक विधिक ग्रंथ है, जिसे विशेष रूप से मुआवज़े की गणना के लिए मानक संदर्भ माना जाता है। इसमें प्रतिपादित किया गया है कि क्षतिपूर्ति का निर्धारण केवल आय की प्रत्यक्ष हानि तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उस वास्तविक, व्यावहारिक तथा संभावित क्षति का भी समुचित आकलन किया जाना चाहिए, जो मृतक द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के अभाव में उसके आश्रितों को सहन करनी पड़ती है। यदि मृतक एक गृहिणी थी, तो यह कहना कि वह परिवार के लिए कोई आर्थिक योगदान नहीं देती थी, न तो तर्कसंगत है और न ही न्यायसंगत, क्योंकि गृहिणी द्वारा प्रदान की जाने वाली घरेलू सेवाएं—जैसे भोजन तैयार करना, बच्चों का पालन-पोषण, घरेलू प्रबंधन, पारिवारिक सदस्यों की देखभाल तथा नैतिक और बौद्धिक मार्गदर्शन—स्वभावतः अत्यंत मूल्यवान होती हैं, भले ही उनके लिए कोई प्रत्यक्ष पारिश्रमिक प्राप्त न होता हो।

ग्रंथ यह स्पष्ट करता है कि ऐसी सेवाओं का मूल्यांकन बाज़ार में उपलब्ध समकक्ष सेवाओं की लागत के आधार पर किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी स्वीकार करता है कि कोई बाहरी व्यक्ति इन सेवाओं की भावनात्मक, नैतिक और निरंतर गुणवत्ता की पूर्ण भरपाई नहीं कर सकता। अतः न्यायालयों को गृहिणी की सेवाओं के मूल्यांकन में यथार्थवादी, व्यापक एवं न्यायोचित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

वर्ष 1934 में, अमेरिकी अर्थशास्त्री मार्गरेट रीड ने एक अलग दृष्टिकोण सुझाते हुए तर्क दिया कि यदि गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक कार्यों के लिए किसी तीसरे व्यक्ति को भुगतान किया जा सकता है, तो ऐसे कार्यों को उत्पादन के हिस्से के रूप में गिना जाना चाहिए। दुनिया भर की अदालतें यह मानती हैं कि गृहिणियों के योगदान को नकारा जाता रहा है। इस संदर्भ में 'मेहमत बनाम पेरी (1977) 2 ऑल ईआर 529' में इंग्लैंड की अपीलीय अदालत की टिप्पणी गौरतलब है कि 'पत्नी द्वारा परिवार को दी जाने वाली सेवाएं केवल घरेलू कार्य तक सीमित नहीं हैं।' न्यायालय ने बच्चों के प्रति मातृत्व-देखभाल तथा पति के प्रति व्यक्तिगत ध्यान और संगति की हानि को स्वतंत्र क्षतिपूर्ति योग्य शीर्ष माना। यह निर्णय स्थापित करता है कि पत्नी/माता की निःशुल्क सेवाओं का वास्तविक आर्थिक मूल्य है और उसे साधारण घरेलू कर्मचारी की सेवाओं के समकक्ष नहीं आंका जा सकता। अरुण कुमार अग्रवाल बनाम नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड', मामले में सर्वोच्च न्यायालय नेसेडॉ (सीईडीएडब्ल्यू) सम्मेलन की सामान्य सिफारिश संख्या 17 का उल्लेख किया था।

उक्त सामान्य सिफारिश महिलाओं की अवैतनिक घरेलू गतिविधियों के मापन और मात्रा निर्धारण तथा सकल राष्ट्रीय उत्पाद में उनकी मान्यता से संबंधित है। प्रासंगिक सिफारिशें 'महिलाओं की अवैतनिक घरेलू गतिविधियों को मापने और उनका मूल्यांकन करने के लिए अनुसंधान और प्रयोगात्मक अध्ययनों को प्रोत्साहित और समर्थन करती है। उदाहरण के लिए, अपने राष्ट्रीय घरेलू सर्वेक्षण कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में समय-उपयोग सर्वेक्षण आयोजित करके और घरेलू और श्रम बाजार दोनों में गतिविधियों पर बिताए गए समय पर लिंग के आधार पर अलग-अलग आंकड़े एकत्र करके; महिलाओं की उन्नति के लिए रणनीतियों की तलाश करने, महिलाओं की अवैतनिक घरेलू गतिविधियों को सकल राष्ट्रीय उत्पाद में शामिल करने और उनका मात्रात्मक मूल्यांकन करने की बात करती है। साथ ही अनुच्छेद 18 अपारिश्रमिक घरेलू गतिविधियों को मापने और उनका मूल्यांकन करने के लिए किए गए अनुसंधान और प्रयोगात्मक अध्ययनों के साथ-साथ राष्ट्रीय खातों में महिलाओं की अपारिश्रमिक घरेलू गतिविधियों को शामिल करने में हुई प्रगति के बारे में जानकारी शामिल करने की वकालत करता है। भारत उक्त सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्ता है और उसने 9 जुलाई, 1993 को सीईडी सम्मेलन की पुष्टि की। लेकिन तब भी उचित व्यवस्था के लिए कोई कानून नहीं बनाया गया है, जिससे महिलाओं द्वारा घरेलू कार्यों का मूल्यांकन हो सके।

लेखिका समाजशास्त्री हैं।

खुला मंच

आओ पीछे लौटने का मना लें जश्न

सुरेश सेठ

पहले लोग त्यौहारों का जश्न मनाते थे, महंगाई ने रिकार्ड तोड़े तो यह जश्न दम तोड़ गए। लोग सफलता का जश्न मनाते थे, लेकिन सफलता अब मिथ्या आंकड़ों की बांदी हो गई, और उपलब्धियों के इश्तिहार का रूप धारण करने लगीं, इसलिए आम आदमी ने 'जैसे हो, वैसे रहो' की नियति का वरण करके, जयघोष की मुद्रा को प्रगति मान लिया। देश चौथी से तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर जा रहा है, विकास दर के आंकड़े मंचों से उछलते हैं, लेकिन फिर टूटी सड़कों और अधूरे पुलों की वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, लेकिन हमें जश्न तो मनाना ही है। उत्सवधर्मी लोगों का देश है यह। रैलियां निकाली, नारे लगे, उपलब्धि पताकाएं लहराईं। इनके पीछे-पीछे चल रहा था, झुके कंधों वाला ढीला-ढाला हुजूम। हमें छक्कन इस हुजूम की आखिरी पांत में मिले। क्या इसलिए कि वह उस कतार के आखिरी आदमी थे, जिनसे देश के मसीहाओं ने कभी वायदा किया था, कि देश में अच्छे दिन आएंगे। लेकिन तोहफों की यह रोशनी आखिरी कतार में खड़े छक्कन तो क्या, पहली कतार में खड़े धक्कमपेल लोगों तक भी नहीं आ सकी।

अब बाकी रह गई हमारी जेब का मर्सिया बढ़ती महंगाई । ट्रम्प महोदय के डॉलर के मुकाबले में गिरता हुआ हमारा रुपया आयातों का हुलिया और बिगाड़ने लगा, नतीजा क्या हुआ? हां, महंगाई बढ़ी। तूने तो इस महंगाई को सह लिया। हम कैसे इसे सहन करते? क्या तीन सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त हो जाने की घोषणा के साथ। लेकिन वह भी तो हमारी देहरी तक नहीं आई। जी नहीं, तनिक उन लोगों के भाग्य की सुध भी ले लें, जिन्होंने तरक्की के नाम पर उज्जवला योजना से सिलेंडरों से गैस के चूल्हों से नित्य भोजन पकाने की कभी सीख ली थी। छक्कन हमें बताने लगे, अरे उज्जवला में रियायतों की तलाश छोड़ो, यहां तो नए आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों लोगों ने पिछले वर्ष एक भी गैस का सिलेंडर नहीं भरवाया।

उत्सव ही मनाना है तो आओ क्यों न आगे बढ़ने के स्थान पर पीछे लौटने का उत्सव मना लें? न जाने कितनी हजार पिछड़ी बस्तियां हैं, जहां वही बाबा आदम का चूल्हा चौका, और लकड़ी का ईंधन लौट आया है। कोयला मिल जाता तो अंगीठियां भी लौट आतीं। लेकिन यहां कोयला थर्मल प्लांट चलाने के लिए नहीं मिलता। हमें पावर कट सहने की आदत हो गई है। सरकार का वायदा है किसी को भूख से मरने नहीं देंगे, और एक सबसे युवा देश को काम के बदले लंगर संस्कृति भेंट कर दी जाएगी। अनुकम्पा घोषणाएं, मुफ्त अनाज की कतारें और लंगर संस्कृति में दया धर्म और पुण्य कमाने का ऐसा ओज निकला कि अब देश के बेकार कामगारों की ताकत में से आधों ने काम की तलाश ही बंद कर दी है।

प्रसंगवश

'स्वच्छता' को मूल अधिकार बनाना ऐतिहासिक कदम

पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने गहरी समझ-बूझ वाले एक फैसले में माहवारी से जुड़े स्वास्थ्य और स्वच्छता को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा के मूल अधिकार के भीतर शामिल किया। इंद्र के वज्र की ताकत वाली, ठीक इसी किस्म के हस्तक्षेप की जरूरत थी। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला इस समस्या पर एक दुर्लभ, अधिकार-आधारित चौतरफा नजरिया अपनाता है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने अपने उम्दा फैसले में लिखा- स्वायत्तता का सार्थक ढंग से तभी इस्तेमाल किया जा सकता है जब बालिकाओं को चालू शौचालयों, पर्याप्त माहवारी उत्पादों, पानी की उपलब्धता, और इस्तेमाल उत्पादों के निपटारे के लिए स्वच्छ (हाइजिनिक) प्रणालियों तक पहुंच हासिल हो। राज्य पर जिम्मेदारी डालते हुए, न्यायाधीशों ने आह्वान किया कि वह सभी लड़कियों के लिए माहवारी संबंधी स्वास्थ्य को सुलभ बनाए तथा जिन लड़कियों की इन सुविधाओं तक पहुंच नहीं है उनके द्वारा नियमित रूप से झेले जाने वाले कलंक, रूढ़धारणा (स्टीरियोटाइपिंग) और शर्मिंदगी की तिकड़ी को खत्म करे। न्यायाधीशों ने कहा कि यह माहवारी से गुजर रही बालिकाओं की शारीरिक स्वायत्तता का उल्लंघन है। इसे 'माहवारी संबंधी गरीबी' करार देते हुए, पीठ ने कहा कि यह माहवारी से गुजर रही लड़कियों को, अपने साथ के लड़कों या सैनिटरी उत्पादों का खर्च उठा सकने वाली छात्राओं जितनी ही गरिमा के साथ, अपने शिक्षा-के-अधिकार का इस्तेमाल करने से रोकता है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि हर स्कूल में चालू हाल में, लिंग के आधार पर अलग-अलग शौचालय हों, और अनुपालन न होने पर दंडात्मक कार्रवाई के लिए कहा। अगर सरकार-संचालित स्कूल अनुपालन नहीं करते हैं तो सरकार को जवाबदेह ठहराया जायेगा और निजी स्कूलों की मान्यता छीनी जा सकती है।

माहवारी के दौरान स्वास्थ्य-देखभाल उत्पादों, यहां तक कि साफ पानी और शौचालयों तक पहुंच का अभाव, साफ तौर पर समता के लिंग-आधारित (जेंडर्ड) अभाव से उपजा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 के आंकड़े दावा करते हैं कि माहवारी के दौरान स्वच्छ तरीकों का इस्तेमाल करने वाली 15 से 24 साल की महिलाओं का प्रतिशत एनएफएचएस-4 में 57.6 फीसदी था, जो बढ़कर एनएफएचएस-5 में 77.3 फीसदी हो गया है, लेकिन अब भी पात्र आयु की लगभग एक चौथाई महिलाएं देश में बिना किसी मदद के, बेसहारा हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय ने कहा है कि उसने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर दिशा-निर्देश तैयार किये हैं, मगर क्रियान्वयन हमेशा अनियमित रहा है और ऊर्जा परियोजना आधारित रही है, निरंतर नहीं।

वर्षों से ज्यादातर हस्तक्षेप गैर-सरकारी संगठनों ने अपने विखंडित, हालांकि नेक-नीयत, प्रयासों के जरिए किया है, लेकिन कलंक मिटाने की क्षमता के लिए एक ज्यादा बड़ी ताकत के काम करने की जरूरत है। इस फैसले के साथ आखिरकार ऐसा होने की एक संभावना बनी है। नीतिगत और वित्तीय दृष्टि से प्रतिबद्धता ही सभी किशोरियों और महिलाओं के लिए माहवारी स्वच्छता सुनिश्चित कर सकती है और उन्हें उनकी समस्त क्षमताओं को हासिल करने में सक्षम बना सकती है। 'द पैड प्रोजेक्ट' के ध्येयवाक्य से प्रेरित होकर, जैसा कि न्यायाधीशों ने कहा, पीरियड [जिसका एक अर्थ पूर्ण विराम भी है] से एक वाक्य समाप्त होना चाहिए, न कि किसी लड़की की शिक्षा।

संवैधानिक व्यवस्था

अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तो क्या विरोध खत्म हो जाएगा?

फिर सामने आया राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव

प्रमोद जोशी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुतः समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, राजनीतिक संस्कृति में है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक विधानसभाओं में राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच टकराव की खबरें इस साल भी आई हैं। ऐसा किसी न किसी रूप में पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्तमान टकराव राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए अभिभाषणों के पढ़ने से जुड़ा है। प्रत्यक्षतः ऐसा अनजाने में नहीं हो रहा है। इन मामलों से जुड़े सभी पक्ष संवैधानिक व्यवस्थाओं और उनसे जुड़ी मर्यादा-रेखाओं से भली भांति परिचित हैं। राज्यपाल जानते-समझते हैं और राज्य सरकारें भी। तब ऐसा क्यों होता है?

इन राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपालों के रिश्ते काफी समय से तनावपूर्ण रहे हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई बार स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर होने वाले राज्यपालों के 'एट होम' कार्यक्रमों का बहिष्कार कर चुके हैं। मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों के बीच सीधा संवाद बहुत कम है। इस वक्त तो चुनाव करीब हैं, इसलिए माहौल में वैसे ही गर्मी भरी है।

दक्षिण के जिन तीन राज्यों में विवाद खड़े हुए हैं, उनमें इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही पार्टियों की सरकारें हैं, जो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार के विरोध में हैं। ऐसे विवाद होते ही तभी हैं, जब केंद्र और राज्य की सरकारों का आपसी विरोध हो। बंगाल और पंजाब में भी इससे मिलते-जुलते प्रकरण हुए हैं। राज्यपालों या राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित सरकारों द्वारा तैयार किए गए भाषणों या विशेष संबोधनों को हूबहू पढ़ना एक संवैधानिक परंपरा है। यह ब्रिटिश परंपरा है, जिस पर आधारित

भारत की संसदीय प्रणाली में भी उन्हीं परंपराओं के पालन की उम्मीद की जाती है। ऐसा कभी नहीं हुआ, जब ब्रिटिश राजा या रानी ने आधिकारिक भाषण को लेकर ना-नुकुर की हो।

देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच बहुत से मामलों में मतभेद थे, पर उन्होंने ऐसा कभी कुछ नहीं किया, जिससे संसदीय मर्यादा भंग हो। पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने 1998 के गणतंत्र दिवस संबोधन में कुछ बदलाव किया था। कुछ दूसरे मौकों पर भी उन्होंने प्रस्तावित मसौदों में संशोधन किए थे, ताकि भाषण का स्वर और संदेश उनके विचारों के अनुरूप हो। ऐसे मौके संसद से बाहर के वक्तव्यों में ज्यादा देखे गए।

उनके दृष्टिकोण और अब हो रहे टकराव में फर्क है। अब इसने राजनीतिक टकराव की शक्ल ले ली है। मसलन कर्नाटक के प्रसंग को देखें, जहां राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गत 22 जनवरी को विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए सरकार के तैयार भाषण की केवल तीन लाइन ही पढ़ीं और सदन से बाहर चले गए। गहलोत के इस कार्य को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने असंवैधानिक बताते हुए कहा, संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 के तहत राज्यपाल को मंत्रिमंडल की ओर से तैयार पूरा भाषण पढ़ना चाहिए।

उधर राज्यपाल गहलोत सरकार के तैयार भाषण पर नाराज थे। वस्तुतः यह केंद्र-राज्य संबंधों का महत्त्वपूर्ण पहलू है। सवाल है कि राज्य सरकारों के पास असहमति व्यक्त करने का क्या यही रास्ता बचा है? और क्या राज्यपालों के पास अपने विवेक का इस्तेमाल करने का अधिकार है?

सवाल यह भी है कि क्या राज्य सरकारों को संवैधानिक रूप से सीधे राज्यपाल के माध्यम से केंद्र की आलोचना करनी चाहिए? तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के साथ लगातार टकराव चलने के कारण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानमंडल के पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने का समर्थन किया है। देश के आठवें राष्ट्रपति (1987-1992) आर वेंकटरमण ने राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधायिका के समक्ष पारंपरिक अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने की सिफारिश कई बार की थी। वे इस औपनिवेशिक प्रथा को अनावश्यक और असंवैधानिक मानते थे।

इस व्यवस्था को समाप्त करने से कोई नुकसान नहीं होने वाला है, क्योंकि अनुच्छेद 86 और 175 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपालों के पास विधायिका को संबोधित करने का अधिकार तब भी बना रहेगा। अतीत में कई राजनेताओं ने राज्यपाल का पद ही खत्म करने का सुझाव दिया है। थोड़ी देर के लिए मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुतः समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, हमारी राजनीतिक-संस्कृति में है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अंतिम भाषण के दौरान यह ऐतिहासिक चेतावनी दी, 'संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर उसे लागू करने वाले लोग बुरे साबित हुए, तो संविधान भी बुरा साबित होगा।' मूल मुद्दा राज्यपाल पद का राजनीतिकरण है। इसका समाधान क्या है? एक काम फिर भी किया जा सकता है वह है सरकारिया और पंछी आयोग की सिफारिशें। सरकारिया (1983-88) और पंछी आयोग (2007-10) ने राज्यपाल की नियुक्ति में निष्पक्षता, मुख्यमंत्री से परामर्श, और सक्रिय राजनीति से दूर रहने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों के चयन की सिफारिश की थी। दोनों आयोगों का मुख्य उद्देश्य राज्यपाल पद को केंद्र के राजनीतिक एजेंट के बजाय एक तटस्थ संवैधानिक पद बनाना और राज्य के बाहर के व्यक्ति को नियुक्त करना है। इसके अनुसार, संविधान में यह प्रावधान करने के लिए संशोधन किया जा सकता है कि राज्यपालों की नियुक्ति से पहले राज्यों के मुख्यमंत्रियों से परामर्श किया जाएगा। ऐसा करने से राज्यपालों और निर्वाचित सरकारों के बीच सभी मुद्दों का समाधान नहीं हो जाएगा। अलबत्ता महत्वपूर्ण विधायी मुद्दों पर मतभेद को कम करने और वार्षिक संबोधन जैसी पारंपरिक प्रथाओं पर टकराव से बचने के लिए यह अच्छा प्रस्थान-बिंदु हो सकता है।

जीवन दर्शन

शब्दों से सफल-असफल बनता है इंसान

शब्द जीवन की सबसे बड़ी चीज होती है क्योंकि इन्हीं शब्दों से इंसान सफल बनता है और इनसे ही असफल बनता है। किस तरह इंसान शब्दों का जाल बुनता है और अपने कार्यों को पूरा करता है। ओशो ने शब्दों को लेकर कई तरह की बातें बताई हैं और यह भी बताया है कि बेईमान शब्दों से इंसान हर वक्त कार्य करता है।

वैराग्य का अर्थ, जहां न राग रह गया, न विराग रह गया। जहां न किसी चीज का आकर्षण है, न विकर्षण है। न किसी चीज के प्रति खिंचाव है, न विपरीत भागना है। जहां न किसी चीज का बुलावा है, न विरोध है। जहां व्यक्ति थिर हुआ, सम हुआ, जहां पक्ष और विपक्ष एक से हो गए, वहां वैराग्य फलित होता है। लेकिन इसे विराग या वैराग्य क्यों कहते हैं? जहां वैराग्य भी नहीं है, वहां वैराग्य क्यों कहते हैं? क्योंकि कोई उपाय नहीं है। शब्द की मजबूरी है, और कोई बात नहीं है। आदमी के पास सभी शब्द द्वंद्वात्मक हैं, डायलेक्टिकल हैं। आदमी की भाषा में ऐसा शब्द नहीं है जो नॉन-डायलेक्टिकल हो, द्वंद्वात्मक न हो। मनुष्य ने जो भाषा बनाई है, वह मन से बनाई है। मन द्वंद्व है। इसलिए मनुष्य जो भी भाषा बनाता है, उसमें विपरीत शब्दों में भाषा को निर्मित करता है।

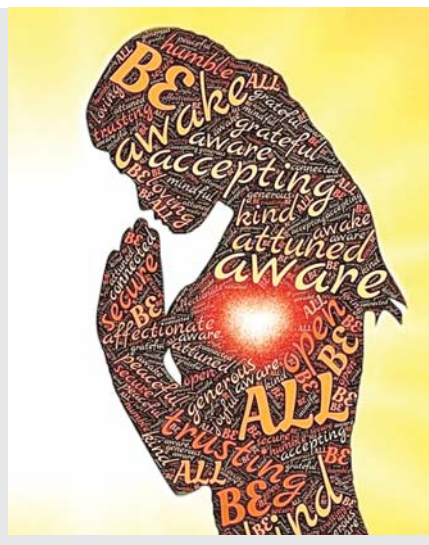

मजे की बात है कि हमारी भाषा बन ही नहीं सकती विपरीत के बिना। क्योंकि बिना विपरीत के हम परिभाषा नहीं कर सकते। अगर कोई आपसे पूछे कि अंधेरा यानी क्या? तो आप कहते हैं, जो प्रकाश नहीं है। कोई पूछे, प्रकाश क्या? तो आप कहते हैं, जो अंधेरा नहीं है। न आपको अंधेरे का पता है कि क्या है, न प्रकाश का पता है कि क्या है? अंधेरे को जब पूछते हैं, तो कह देते हैं, प्रकाश नहीं है। जब पूछते हैं, प्रकाश क्या है? तो कह देते है, अंधेरा नहीं है। यह कोई परिभाषा हुई? परिभाषा तो तभी हो सकती है, जब कम से कम एक का तो पता हो!

आदमी को कुछ भी पता नहीं है, लेकिन काम तो चलाना पड़ेगा। इसलिए आदमी बेईमान शब्दों को रखकर काम चलाता है। उसके सब शब्द डिसेप्टिव हैं। उसके किसी शब्द में कोई भी अर्थ नहीं है। क्योंकि अपने शब्द में वह जिस शब्द से अर्थ बताता है, उस शब्द में भी उसको कोई अर्थ पता नहीं है। उसकी सब परिभाषाएं सर्कुलर हैं, वर्तुलाकार हैं। वह कहता है, बाएं यानी क्या? वह कहता है, जो दाएं नहीं है। और दाएं? वह कहता है, जो बाएं नहीं है। इससे भ्रम पैदा होता है कि सब पता है। पता कुछ भी नहीं है, सिर्फ शब्द पता हैं। लेकिन बिना शब्दों के काम नहीं चल सकता। राग है तो विराग है। लेकिन तीसरा शब्द कहां से लाएं? और तीसरा शब्द ही सत्य है। वह कहां से लाएं

- ओशो

गीता ज्ञान

श्लोक

योगस्थः कुरु कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनञ्जय।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते॥

भावार्थ

हे अर्जुन! योग में स्थित होकर कर्म करो, आसक्ति को त्याग कर। सफलता और असफलता में समान रहना ही योग कहलाता है।

कपड़ा कारोबारियों के लिए बड़ी समस्या बन रही लम्बी उधारी

दर्जनों दुकानें हुई बंद, छोटे व्यापारी बर्बादी की कगार पर

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर की गिनती कपड़ा कारोबार में प्रदेश ही नहीं देश के अग्रणी बाजारों में की जाती है, जहां भारत विभाजन के बाद 1948 में पश्चिमी पाकिस्तान से आए सिंधी विस्थापितों ने 1952 में केवल दो दुकानों से व्यापार की शुरूआत की थी, और देखते ही देखते वर्तमान में इनकी संख्या बढ़कर 600 दुकानों तक पहुंच चुकी है, जिसमें अब 5 प्रतिशत अग्रवाल एवं जैन समाज के लोग भी शामिल हो गए हैं, जहां कारोबार ने पिछले 5 दशकों में नए नए कीर्तिमान स्थापित किए, वहीं अधिक से अधिक ग्राहक आएं, इस प्रतिस्पर्धा में व्यापार का स्वरूप बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो रहा है। लम्बी उधारी अनेक मध्यम एवं छोटे व्यापारियों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है, यही कारण है कि अनेक कारोबारियों ने अपनी दुकानों पर ताले लगा दिए हैं, और वे बड़े बड़े व्यापारियों के यहां नौकरी करने लगे हैं। इधर कतिपय कपड़ा कारोबारियों ने व्यापार को बढ़ाने के लिए न केवल बाहरी फुटकर व्यापारियों को अधिक राशि का माल उधार देना प्रारंभ किया बल्कि ढाई माह के स्थान पर बाहरी व्यापारी अब उधारी 3 से 4 माह में चुकाने लगे और यह आदत इस कदर बिगड़ती गई कि अब माल उठाने के 10 एवं 12 माह बाद भी उधारी नहीं आ पा रही है अगर किसी बाहरी कारोबारी ने एक लाख का माल उधारी पर उठाया है, और उससे राशि मांगने जाओ तो वह 5 या 10 हजार टिका देता है, बाद में फिर आकर 20 या 25 हजार का माल उधारी परे ले जाता है।

यहां बता दें कि प्रदेश के लगभग 36 जिले ऐसे में जिसमें देवास से लेकर छिंदवाड़ा, ग्वालियर एवं जबलपुर तक शामिल हैं, के फुटकर कपड़ा व्यापारी संत हिरदाराम नगर के थोक बारोबारियों से उधारी पर कपड़ा ले जाते हैं, लेकिन उधारी चुकाने में 12 महीने का समय लगने से बड़े कारोबारियों पर तो कोई खास असर नहीं होता परन्तु सूरत, इरोड, अहमदाबाद, बड़ोदा, कानपुर, खानपुर, मुम्बई एवं दिल्ली से थोक में माल उठाने वाले कारोबारियों द्वारा समय पर उधारी नहीं चुकाने के कारण उन्हें इन शहरों से माल मिलना बंद हो गया है, इधर फुटकर कारोबारी समय पर उधारी दे नहीं दे रहे हैं, जबकि बड़े शहरों पर उधारी पर माल मिल नहीं रहा है, यही कारण है कि पिछले 5 साल में संत हिरदाराम नगर में तीन दर्जन से अधिक दुकानों पर ताले ल गए हैं।

संत हिरदाराम नगर का कपड़ा बाजार

किराए के लिए जगह-जगह उपलब्ध दुकानें

ढाई माह थी समय सीमा

अगर यहां के कपड़ा व्यापार पर एक नजर डाली जाए, तो पता चलता है कि 20 साल पूर्व तक बाहरी फुटकर व्यापारी द्वारा माल उधार पर उठाने के बाद अगर उसने अधिकतम ढाई माह के भीतर उधारी नहीं चुकाई तो, उस पर एक प्रतिशत ब्याज अधिरोपित हो जाता था। इसके लिए उस समय के कपड़ा एसोसियेशन के पदाधिकारियों ने उधार लेकर लम्बा समय लगाने वालों पर नकेल कसी थी, यही कारण है कि कारोबार दिन दुनी रात चैगनी फलता फूलता गया।

नौकर से मालिक फिर नौकर

फैलते कपड़ा कारोबार को देखते हुए अनेक बड़े दुकानों पर 20 से 25 साल से नौकरी कर रहे कर्मचारियों ने बैंक से लोन या बाजार से ब्याज पर पैसा लेकर किराए पर दुकाने लेकर उसके मालिक तो बन गए लेकिन लम्बी उधारी ने ऐसे नौकर से मालिक बने व्यापारियों की कमर ही तोड़ दी है, यही वजह है कि अनेक जगहों पर दुकान किराए पर दी जाना है, की सूचनाएं लगी हैं और जो कर्मचारी नौकरी छोड़कर कपड़े की दुकान के मालिक बने थे, वे वापस नौकरी करने लगे हैं।

हां यह बिलकुल सच है कि उधारी 10 से 12 माह की लम्बी होती जा रही है, ऐसे में छोटी कारोबारियों की कमर टूट गई है और लगातार दुकाने बंद रहो रही है।

- नरेन्द्र लालवानी, थोक वस्त्र व्यवसाई

लम्बे समय की उधारी ने कपड़ा कारोबार को चैपट कर दिया है, एक तो मुनाफा कम, उस पर जबरदस्त प्रतिस्पर्धा ऐसे में उधारी बारह बारह महीने में वापस नहीं आने से मुश्किले बढ़ रही हैं।

- त्रिलोक दीपानी, पूर्व अध्यक्ष कपड़ा एसोसियेशन

सख्ती जरूरी

इधर अनेक कारोबारियों का कहना है कि उधारी पर माल लेकर 10 से 12 माह तक पैसा नहीं चुकाने वाले बाहर के फुटकर कारोबारियों पर सख्ती जरूरी है, इसके लिए जिस दुकान से एक बार माल उठाया गया है, उसकी उधारी चुकाए बिना दूसरे दुकान पर जाता है, तो उसे माल नहीं देना चाहिए, इस तरह के अगर सख्त नियम लागू कर दिए जाएं तो, पटरी से उतर रहा कारोबार फिर से सामान्य किया जा सकता है।

नेत्र चिकित्सालय कर रहा सेवाओं का लगातार विस्तार

बाग सेवनिया में सेवा सदन के सिटी सेंटर का शुभारंभ

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी के आशीर्वाद से संचालित अग्रणी चिकित्सा सेवा संस्था सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अपनी सेवाओं का लगातार विस्तार कर रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ भोपाल जिले सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा और मेडिकल डायरेक्टर डॉ प्रेरणा उपाध्याय ने गुरूवार को राजधानी के बागसेवनिया क्षेत्र में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सिटी सेंटर का षुभारंभ किया। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद श्री जीतेन्द्र षुक्ला, सेसनेचि के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी, ट्रस्टीगण महेश दयारामानी, एसी साधवानी, तुलसी आडवानी, राजकुमार मूलचंदानी, डॉ. समता पटेल और डॉ. भारती सोनी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर संत सिद्ध भाऊ ने कहा कि स्वामी हिरदाराम साहिब जी ने समाज को नियंत्रण योग्य अंधत्व से मुक्त करने का संकल्प लिया था। संतजी के महानिर्वाण के बाद उनके अनुयायी इस कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संत हिरदाराम साहिब जी दृष्टिदोष और नेत्र रोगों से पीड़ित मरीजों की सेवा और सहायता करने वाले सेवादारों का आध्यात्मिक उत्थान होता है। स्थानीय पार्षद जीतेन्द्र शुक्ला ने कहा कि सेवा सदन अपने सेवा और सहायता कार्यों के लिए केवल राजधानी भोपाल ही नहीं बल्कि आस पास के क्षेत्रों में भी प्रसिद्ध है। सीएमएचओ डॉ मनीष षर्मा ने कहा कि यह अस्पताल विगत 39 साल से दृष्टि बाधित लोगों की सेवा में लगा हुआ है इस नए केंद्र के खुल जाने से आस पास के क्षेत्र के लोगों को आंखो का इलाज करवाने में आसानी होगी। डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना संतजी की इच्छा के अनुरूप किया गया है।

कलारा में विमुक्त-घुमंतु जातियों का सर्वे शुरू, किसान रथ से दी जानकारी

जागरण, बैरसिया। विमुक्त घुमंतू एवं अर्धघुमंतू कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत बुधवार को बैरसिया विधानसभा के ग्राम कलारा में सर्वेक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर किसान कल्याण तथा कृषि विभाग विकास द्वारा किसान रथ के माध्यम से ग्राम के किसानों को शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कलारा के सरपंच देवकरण कुशवाह, कृषि विभाग से आर.ई.ओ. अनुजा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से परामर्शदाता जितेंद्र कुमार कुशवाह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सर्वेक्षण कार्य के दौरान ग्राम के कृषक जन एवं जनगणना हेतु शहरिया, भील, गोंड सहित अन्य समुदायों के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नजीराबाद में सीईओ तिवारी का औचक निरीक्षण

नजीराबाद। भोपाल जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) इला तिवारी ने नजीराबाद क्षेत्र का औचक दौरा कर विभिन्न शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया और अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुटना पड़ा। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने नल-जल योजना स्वच्छता व्यवस्था और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा कर स्वच्छता पर जोर देते हुए नियमित साफ सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहाकि नल-जल योजना को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाए ताकि ग्रामीणों को नियमित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने आवश्यकतानुसार नए कूप खुदवाने पानी के भंडारण के लिए कुओं के निर्माण तथा जल स्टॉक की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश पीएचई विभाग को दिए। सीईओ ने हिदायत देते हुए कहाकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मीडिया द्वारा स्वच्छता अभियान और नल जल योजना की नाली निर्माण में भ्रष्टाचार के सवाल पर सीईओ ने कहाकि मैं आज आई हूं, अब सभी पंचायतो का निरीक्षण करूंगी। जहां कहीं भी लापरवाही या भ्रष्टाचार मिलेगा, वहां दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

नियमित सफाई के निर्देश

नाम परिवर्तन सूचना

मैं प्रियंका विजयभाई राठौड़, पुत्री श्री विजय भाई राठौड़ आयु 25 वर्ष,निवासी एम 67,तृतीय तल,ब्लॉक ई,गिरनार वैली, अयोध्या बाईपास रोड, भोपाल यह कि मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों जैसे 12वीं अंकसूची में मेरा नाम राठौड़ प्रियंका विजयभाई **(Rathod Priyanka Vijay bhai)** अंकित है जबकि मेरे सभी शासकीय दस्तावेजों जैसे आधार व अन्य में मेरा नाम प्रियंका राठौड़ **(Priyanka Rathod)** अंकित है। राठौड़ प्रियंका विजयभाई व प्रियंका राठौड़ नाम एक ही व्यक्ति यानि की मेरे स्वयं के है अतः मुझे मेरे सही नाम प्रियंका राठौड़ नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

भागवत कथा में उद्धव प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भाव विभोर

जागरण, ओबेदुल्लागंज। श्याम बाबा मित्र मंडल महावीर कालोनी द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन झूलेलाल मंदिर के पीछे जारी है। बुधवार को कथावाचक पंडित मनोज शास्त्री ने उद्धव प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान भाव के ही भूखे हैं। तभी भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा जैसे निर्धन को पलक पावड़े बिछाकर स्नेह दिया और उनका अन्न ग्रहण किया। सामाजिक कार्यकर्ता हरपाल सिंह राजपूत, प्रीतम राजपूत, पंकज शर्मा ने कथावाचक मनोज शास्त्री का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। गुरूवार को कथा के समापन पर पूर्णाहुति के साथ भंडारे का आयोजन होगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई0 डी0 नं. 2502060045 आवेदन क्रमांक- 10896 आवेदन दिनांक-28/01/2026
क्रमांक/1122/राजस्व/ भोविप्रा / 26 भोपाल दिनांक : 02/02/2026

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की मनीषा मार्केट शाहपुरा सेक्टर बी योजना में स्थित प्रकोष्ट क्रमांक एम 8/ए, श्री मदन लाल शिवहरे के नाम पर अंकित है। आवंटी श्री मदन लाल शिवहरे का स्वर्गवास दिनांक 29/09/2025 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस गण 1. श्रीमती चंपा देवी शिवहरे पत्नी स्व. श्री मदन लाल शिवहरे, 2. अजय शिवहरे, 3. हरी वल्लभ शिवहरे, 4. नरसिंह शिवहरे पुत्रगण स्व. श्री मदन लाल शिवहरे द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र आधार कार्ड शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त प्रकोष्ठ अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये दस्तावेजो के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी को कोई आपति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्येवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

जाहिर सूचना

भूमि स्थित ग्राम सुकलिया, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल

मेरे पक्षकार ने श्रीमती हिरिया बाई पत्नी श्री जगन्नाथ सिंह निवासी ग्राम रतुआ रतनपुर, तहसील बैरसिया जिला भोपाल से उनके मालिकी, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सुकलिया, पटवारी हल्का नम्बर 106, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल जिसका खसरा क्रमांक 186 (एस) रकबा 0.1000 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 187 (एस) रकबा 0.7500 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 188 (एस) रकबा 0.0600 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 189 (एस) रकबा 0.0700 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 326 (एस) रकबा 0.2200 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 397 (एस) रकबा 0.4100 हेक्टेयर एवं खसरा क्रमांक 398 (एस) रकबा 0.3300 हेक्टेयर इस प्रकार कुल रकबा 1.94 हेक्टेयर अर्थात 4.7918 एकड़ भूमि है, को क्रय करने का निश्चय करते हुए टोकन राशि अदा कर दी गई है व उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी, या किसी अन्य को कोई आपत्ति हो या सम्पत्ति पर किसी प्रकार का दावा, झगड़ा, मांग, मतालबा या कोई अन्य विलेख निष्पादित किया गया हो, तो विज्ञप्ति दिनांक से 07 दिवस के अन्दर मेरे समक्ष सप्रमाण लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के बाद किसी आपत्ति पर विचार न किया जाकर मेरा पक्षकार उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

मो. अनस अहमद सिद्दीकी, अधिवक्ता
कार्यालय : फ्लेट नम्बर 2, प्रथमतल, दीपनिशा इनक्लेव, डी - 110, फिरदौस नगर, बैरसिया रोड, भोपाल मो- 9981802782

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, एक किता आवासीय भूखण्ड क्रमांक 239, जो कि खसरा क्रमांक 13, 18, 16, 924/16/2 रकबा 20.45 एकड़ का अंश भाग होकर गोपाल नगर, (गोपाल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित) ग्राम खजूरी कलां, भोपाल नगर निगम वार्ड क्रमांक 61, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. में मुख्य मार्ग से अन्दर स्थित है। उक्त भूखण्ड का क्षेत्रफल 35 फिट गुणित 60 फिट बराबर से 2100 वर्गफिट अर्थात 195.16 वर्गमीटर है। जिनकी चतुर्थ सीमाएँ निम्नानुसार है:-दिशा पूरब में भूखण्ड क्रमांक- 244, दिशा पश्चिम में-30 फिट चौड़ा रोड, दिशा उत्तर में-भूखण्ड क्रमांक-238, दिशा दक्षिण में-भूखण्ड क्रमांक-240 है। यह कि मेरे द्वारा उक्त भूखण्ड को क्रय करने हेतु **श्रीमती शशी श्रीवास्तव पत्नी श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव** निवासी मकान नम्बर 790, एन-2, ए सेक्टर, पिपलानी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म0प्र0 (वर्तमान पता- 339, कल्पना नगर, रायसेन रोड, भोपाल) को बयाना राशि का भुगतान कर दिया गया है तथा विक्रय पत्र का पंजीयन होना शेष है। अतः उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था, फर्म, सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो या उक्त संपत्ति कहीं दान, बंधक, गिरवी, हस्तांतरण, अनुबंधित इत्यादि हो या किसी व्यक्ति हित हो तो वह व्यक्ति, संस्था इत्यादि मय दस्तावेज के सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में मुझसे संपर्क करे अथवा पंजीयन डाक से आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा मेरे द्वारा उक्त भूखण्ड का पंजीयन 7 दिवस के उपरांत करा लिया जावेगा। समयावधि निकल जाने के पश्चात कोई भी आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी।

भवदीय **श्री मुकेश चौटेले**
निवासी- 58, कांता श्रवण ज्योति, एक्सटेंशन, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल मो.नं.- 9713406709

आम सूचना

भूमि खसरा क्रं.-1/9/3/4/3/1, 1/9/3/4/3/2, ग्राम बगोनिया, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में :-

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि श्रीमत हुस्ना बानो पत्नी श्री सैय्यद इसरार अली के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा क्रं.-1/9/3/4/3/1 एवं खसरा क्रं.-1/9/3/4/3/2 में से रकबा 0.405 हैक्टेयर अर्थात् 1.00 एकड़ भूमि जो कि ग्राम बगोनिया, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है, उक्त संपत्ति को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने बयाना राशि अदा कर सौदा पक्का किया है, उक्त संपत्ति पर यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय / अशासकीय विभाग का हित व अधिकार, गिरवी या बंधक हो तो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वयं या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करवाने हेतु स्वतंत्र रहेगा व समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, इति ।

भवदीय **सुनील कुमार जैन,** अधिवक्ता
कार्यालय- 'आर. के. जैन लॉ चेम्बर' 67, आदर्श हॉस्पिटल के पास, थाना रोड, शाहजहानाबाद, भोपाल
मो. 9131859720

SUDOKU 138

				7	3	2		
				2	8	4		1
	2							7
4	3	6						5
	1						8	
9						3	7	4
6							4	
8		7	3	5				
		3	4	1				

SOLUTIONS 137

1	2	7	9	5	4	3	8	6
5	8	6	2	7	3	1	4	9
9	4	3	1	6	8	5	7	2
3	1	2	7	9	6	8	5	4
4	9	8	5	3	2	7	6	1
7	6	5	8	4	1	9	2	3
8	3	4	6	1	5	2	9	7
6	5	9	3	2	7	4	1	8
2	7	1	4	8	9	6	3	5

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम की अधिकता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। विदेश यात्रा के अवसर मिलेंगे।

वृषभ : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी। कामकाज को लेकर छोटा प्रवास हो सकता है। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यवसाय-धंधा मध्यम रहेगा। कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें।

कर्क : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में प्रगति होगी। धनलाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।

सिंह : आर्थिक दृष्टि से स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक समस्याएं आएंगी। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कन्या : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

तुला : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। धन लाभ की स्थिति रहेगी। पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : व्यवसाय में लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

धनु : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधे में लाभ और नौकरी में आय में वृद्धि के योग रहेंगे। बाहर जाने की योजना टल सकती है।

मकर : कार्यक्षेत्र में स्थितियां चुनौतीपूर्ण रह सकती हैं। काम के प्रति सक्रिय रहें और सावधानी बरतें। दाम्पत्य जीवन भी खुशहाल रहेगा।

कुंभ : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक धनलाभ होगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी। नए लोगों से मुलाकात होगी, जो लाभदायक रहेगी। सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे।

आज का पंचांग: 05 फरवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** गणेश चतुर्थी व्रत विशेष : शुक्र कुंभ राशि में। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 24 घंटे 23 मिनट तक तत्पश्चात पंचमी उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र तत्पश्चात हस्त नक्षत्र सुकर्मा योग 24 घंटे 05 मिनट तक, तत्पश्चात धृति योग कन्या में चंद्रमा।

JAIPRAKASH
POWER VENTURES LIMITED

Regd. Office : Complex of Jaypee Nigrie Super Thermal Power Plant, Nigrie, Tehsil Sarai, District Singrauli - 486 669, (Madhya Pradesh)
Corporate Office: 'JA House' 63, Basant Lok, Vasant Vihar, New Delhi - 110057 (India)
Website: www.jppowerventures.com **Email:** jpvl.investor@jalindia.co.in **CIN :** L40101MP1994PLC042920

STATEMENT OF STANDALONE & CONSOLIDATED UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER/NINE MONTHS ENDED 31st DECEMBER, 2025

(Rs. in Lakhs except Earning Per Share)

Sr. No.	Particulars	Standalone						Consolidated					
		Quarter Ended			Nine Months Ended		Year Ended	Quarter Ended			Nine Months Ended		Year Ended
		31.12.2025	30.09.2025	31.12.2024	31.12.2025	31.12.2024	31.03.2025	31.12.2025	30.09.2025	31.12.2024	31.12.2025	31.12.2024	31.03.2025
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from Operations (net)	121,140	147,843	125,635	432,014	433,996	570,630	121,145	147,849	125,663	432,082	434,088	570,755
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax and exceptional items)	1,983	29,173	19,232	74,615	101,387	121,456	1,862	29,201	19,251	74,544	101,469	121,561
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after exceptional items)	1,983	29,173	19,232	74,615	101,387	121,456	1,862	29,201	19,251	74,544	101,469	121,561
4	Net Profit / (Loss) for the period (after tax and exceptional items)	489	18,203	12,465	46,487	65,524	81,073	377	18,210	12,668	46,400	65,788	81,355
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	464	18,203	12,469	46,463	65,535	81,075	352	18,210	12,672	46,376	65,799	81,357
6	Equity Share Capital	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346
7	Other Equity						161,978						162,221
8	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (in Rs.)												
	Basic :	0.0048	0.20	0.14	0.51	0.73	0.89	0.0036	0.20	0.14	0.51	0.74	0.89
	Diluted :	0.0048	0.20	0.14	0.51	0.73	0.89	0.0036	0.20	0.14	0.51	0.74	0.89

Note : The above is an extract of the detailed statement of Quarter/Nine Months ended financial results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full Quarter/Nine Months ended financial results are available on the Stock Exchange websites i.e. **www.bseindia.com** & **www.nseindia.com** and also on the Company's website i.e. **www.jppowerventures.com.**

JAYPEE GROUP

For and on behalf of the Board
Suren Jain
Managing Director & CEO
DIN 00011026

Place : New Delhi
Dated : 4th February, 2026

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

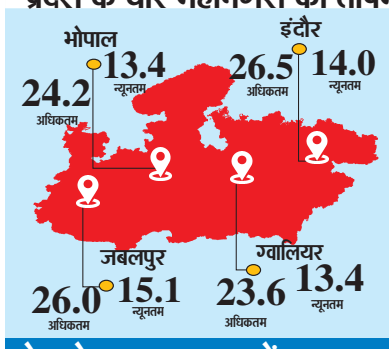

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
22.5 अधिकतम	9.4 न्यूनतम	32.7 अधिकतम	20.0 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
34.6 अधिकतम	17.5 न्यूनतम	27.4 अधिकतम	15.3 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:09 PM
सूर्योदय 7:00 AM
चन्द्रोदय 7:42 AM
चन्द्रास्त 7:56 PM

ड्यूटी पर तैनात नर्स की अस्पताल से बाहर निकलते ही गोली मारकर हत्या

सागर के शाहगढ़ सामुदायिक केंद्र की सनसनीखेज वारदात, आरोपी की तलाश

जागरण, सागर। जिले में सरकारी अस्पताल के बाहर एक नर्स की गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया है। वारदात जिले के शाहगढ़ थाना क्षेत्र की है। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटनाक्रम बुधवार रात करीब 8.30 बजे का बताया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ठीक सामने ड्यूटी पर तैनात 25 साल की नर्स दीपशिखा को आरोपी ने गोली मार दी। गोली लगते ही नर्स की मौके पर ही मौत हो गई। एकाएक हुई वारदात के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

परिचित युवक पर संदेह जता रही पुलिस

पुलिस के अनुसार, आरोपी अज्ञात है, लेकिन प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्यारा जबलपुर के कटंगी पाटन का रहने वाला है। आरोपी शाहगढ़ में अपने दोस्त के साथ रहता था। नर्स दीपशिखा भी इसी क्षेत्र में बीते करीब दो साल से रह रही थी। युवक और दीपशिखा दोनों एक दूसरे से परिचित थे। जानकारी है कि गोली चलाने वाला आरोपी युवक नर्स पर शादी को लेकर दबाव डाल रहा था। युवती ने उसकी बात मानने से इंकार किया होगा। माना जा रहा है कि इसके चलते युवक ने वारदात को अंजाम दिया गया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने तीन गोलियां चलाईं हैं जिनमें से एक नर्स दीपशिखा की पीठ में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

थाने से 200 मीटर की दूरी पर वारदात

जानकारी के मुताबिक वारदात स्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर शाहगढ़ पुलिस थाना है। अस्पताल के पास ही मुख्य बस स्टैंड है। भीड़भाड़ वाला इलाका होने के बावजूद आरोपी वारदात कर जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस टीमें आरोपी को पकड़ने देर रात तक उसका पीछा करती रहीं। जंगल में सर्चिंग जारी है। इसके अलावा शाहगढ़ नगर की नाकाबंदी की गई है। पास में ही छतरपुर जिले की बॉर्डर है, इसलिए छतरपुर जिले की पुलिस को भी अलर्ट किया है। एएसपी डॉ. संजीव उइके आरोपी को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस आरोपी की पहचान और उसके भागने के रास्ते का पता लगाने में जुटी है।

तीन गोलियां चलने से मची दहशत

घटना के समय नर्स ड्यूटी पर थीं। अस्पताल परिसर के बाहर जैसे ही वह पहुंचीं, तभी हमलावर ने फायरिंग कर दी। आरोपी ने एक के बाद एक तीन गोलियां चलाईं जिनमें से एक गोली सीधे नर्स की पीठ में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोलियां चलते ही आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए। स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू की। घटना के बाद बंडा एसडीओपी प्रदीप वाल्मिकी, सागर एएसपी डॉ. संजीव उइके घटना स्थल पहुंचे। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजा मर्डर केस : बिल्डिंग का मालिक और गार्ड बरी

हत्या से संबंध नहीं जोड़ सकी शिलांग पुलिस

जागरण, इंदौर। प्रदेश के इंदौर ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में कोर्ट ने दो आरोपियों को बरी कर दिया है। गार्ड बलवीर सिंह अहिरवार और किराये पर बिल्डिंग देने वाले मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को सबूतों के अभाव में छोड़ा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने इन्हें सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया था, लेकिन डिटेल्ड जांच के बाद हत्या से उनका कोई सीधा संबंध सामने नहीं आया। पुलिस के मुताबिक, राजा की हत्या के बाद आरोपियों द्वारा सबूत छिपाने की आशंका के आधार पर शुरुआती कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सोनम और विशाल चौहान लसूड़िया स्थित एक बिल्डिंग में रुके थे। यह बिल्डिंग शिलाम जेम्स की बताई गई थी, जिसे ब्रोकर के जरिए लिया गया था। रूम का एग्रीमेंट विशाल के नाम पर हुआ था। बिजली बिल और अन्य तकनीकी तथ्यों की जांच के बाद पुलिस को

आरोपियों की संलिप्तता के ठोस सबूत नहीं मिले। शिलॉन्ग की ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने बताया कि शुरुआती परिस्थितियों और मिली जानकारियों के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में जांच और वेरिफिकेशन में उनकी भूमिका साबित नहीं हो सकी। इसी कारण दोनों को दोषमुक्त कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह सहित अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

कांग्रेस नेता कादरी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

जागरण, इंदौर। हाईकोर्ट इंदौर से कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी को जमानत मिल गई है। जिला कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। अनवर पर लव जिहाद और धर्म परिवर्तन के मामले में केस दर्ज हुआ था। अनवर पर 26 से ज्यादा अपराध दर्ज हैं। मालूम हो कि इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने नगर निगम इंदौर के वार्ड क्रमांक 58 के पार्षद अनवर कादरी को पार्षद पद से हटा दिया था। साथ ही धारा-23 के अंतर्गत पांच साल के लिए अयोग्य भी घोषित किया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने संभागायुक्त से पार्षद अनवर कादरी को हटाये जाने की मांग की थी।

बागदेव घाटी पर हादसे में बाइक सवार भाइयों की मौत

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले के हर्रई थाना क्षेत्र में जुंगावानी टोल प्लाजा के पास बागदेव घाटी में बाइक को अज्ञात चारपहिया वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। टक्कर मारकर वाहन चालक फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक सुरलाखापा निवासी विक्रम गोस्वामी अपने रिश्ते के भाई आकाश गोस्वामी के साथ अमरवाड़ा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को अमरवाड़ा सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों युवकों ने दम तोड़ दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

इंदौर-बैतूल एनएच पर हो रहे लगातार हादसे, तीन की मौत

जागरण, खातेगांव। खातेगांव विधानसभा से होकर गुजर रहे इंदौर-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले कई दिनों से कछुआ गति से चल रहे निर्माण कार्य के कारण कई बार हादसों में लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बीती रात एक दर्दनाक हादसा इसी हाईवे पर हुआ, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। नेमावर रोड पर गुराड़िया फाटे के पास भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खातेगांव पहुंचाया गया, जहां पर महिला की भी मौत हो गई थी। बाइक सवार खूबगांव व खंडवा जिले के छनेरा गांव के बताए जा रहे है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म

बीना जागरण। आगासौद थाना अंतर्गत आने वाले एक गांव में सात वर्ष की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस उक्त नाबालिग आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक शाम को सात वर्षीय बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी तभी पड़ोस में ही रहने वाला एक 15 वर्षीय नाबालिग युवक उसके अपने साथ बहला फुसलाकर घर ले गया और उसने उक्त मासूम के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद जब बच्ची रोते हुए घर पहुंची, तब उसने परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों ने बच्ची के साथ आगासौद थाने में शिकायत दर्ज कराई। आगासौद थाना प्रभारी नितिन पाल ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है और इसमें एक नाबालिग लड़का शामिल है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अलाव से वृद्धा की साड़ी में लगी आग बचने भागी तो झुग्गी में ही जिंदा जली

जागरण, गुना। ठंड से बचाव के लिए अलावा जलाकर बैठी वृद्ध महिला अपनी झुग्गी में ही जिंदा जल गई। हादसे के समय महिला घर में अकेली थी, परिवारजन गांव में ही भंडारे में गए थे। मकान में निर्माणकार्य चलने के कारण 91 वर्षीय नारानी बाईमहिला पास में ही झुग्गी बनाकर रह रही थी। शाम को अलाव तापते समय उड़ी चिंगारी से साड़ी में आग लग गई। चलने-फिरने में असहाय वृद्ध जैसे-तैसे आग बुझाने अपनी झुग्गी में घुसी तो झुग्गी में ही आग लग गई। पड़ोसियों ने धुआं उठता देखा तो मौके पर पहुंचे। आग बुझाने के बाद लोगों ने वृद्धा को गंभीर हालत में बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान वृद्धा ने दम तोड़ दिया। यह हादसा मधुसूदनगढ़ के सिंगरामपुर गांव में मंगलवार रात को हुआ। आग लगने से कच्ची झोपड़ी और सामान भी पूरा जल गया। मधुसूदन गढ़ के डॉक्टरों ने रात करीब 12 बजे वृद्धा को गुना जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

खराब फसलें देखने खेतों में पहुंचे देवड़ा, अफसरों को चेताया

जागरण, मंदसौर। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद हुईं किसानों का जायजा लेने उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा बुधवार को खेतों में पहुंचे। उन्हें खेतों में लेटी और ओलों से खराब फसलें मिलीं। उपमुख्यमंत्री ने बारिश से ओला पीड़ित किसानों को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ है। वहीं मैदानी अफसरों को चेताया कि नुकसान के आकलन में कोताही न बरतें और निष्पक्ष आकलन किया जाए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा बुधवार को मल्हारगढ़ पहुंचे। ओलावृष्टि से अफीम की फसल को भी काफी

नुकसान हुआ है। किसानों ने खेत में खड़ी फसल को दिखाते हुए अपनी समस्या बताई। ओलावृष्टि से बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने भी माना कि निश्चित रूप से एक प्राकृतिक प्रकोप है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टर से चर्चा की है। उपमुख्यमंत्री ने भी सीएम को किसानों के नुकसान से अवगत कराया। सीएम ने प्रशासनिक अमले को हर खेत पर जाकर स्थिति का आंकलन करने और विस्तृत सर्वे कर नुकसान की रिपोर्ट प्रदेश स्तर पर भेजने के निर्देश दिए। किसानों को उपमुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार इस संकट की घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है, जो भी नुकसान हुआ है, उसकी पूरी जानकारी एकत्र कर आगे की कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसानों को राहत मिल सके। ओलावृष्टि से अफीम की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है, जिससे अफीम किसान खासे चिंतित हैं।

3 करोड़ का टीए घोटाला, सैलरी से 200 गुना ज्यादा हड़प चुके हैं बाबू और सिपाही

मृत आरक्षक सहित 15 पर एफआईआर, जांच में एक करोड़ बढ़ी राशि

जागरण, जबलपुर। स्पेशल आर्म्स फोर्स (एसएएफ) की छठी बटालियन से जुड़ा यात्रा भत्ता (टीए) घोटाले की राशि फाइलें खुलने के साथ ही बढ़ती जा रही है। शुरूआत में दो करोड़ रुपए का बताया जा रहा घोटाले की राशि 3 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस घोटाले में लगे बाबू फर्जी टीएल बिल लगाकर लंबे समय से राशि हड़प रहे थे। आश्चर्य जनक रूप से यह आरोपी बाबू और सिपाही अब तक अपनी सैलरी से 200 गुना ज्यादा राशि इन फर्जी बिलों के जरिए डकार चुके हैं। प्रारंभिक जांच के बाद मृत आरक्षक सहित 15 बाबू और आरक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह मामला तीन माह पहले सामने आया था। लंबे समय से चल रही इस अनियमितता की वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई थी। बताया जाता है कि आरोपी बाबू और आरक्षकों द्वारा करीब छह साल पहले 2018-19 से यह गोरखधंधा किया जा रहा था। इसमें मुख्य भूमिका टीए शाखा में पदस्थ निम्न श्रेणी लिपिक सत्यम शर्मा और आरक्षक अभिषेक झारिया की मिली है। घोटाला पकड़ में आते ही बाबू सत्यम फरार चल रहा है। जबकि आरक्षक अभिषेक झारिया ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर चुका है। बताया जाता है कि यह दोनों आरोपी जिले में पदस्थ आरक्षकों की तैनाती बाहर दिखाकर यात्रा भत्ता के बिल बनाकर लगा देते थे। बिलों का पेमेंट होने से पहले आने वाला वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) भी बाबू अपने पास ही रखता था। बिल की कुल राशि में अधिकांश हिस्सा बाबू अपने पास रखता था और बाकि राशि सहयोगियों में बांट देता था। जांच में सामने आया है कि बाबू सत्यम शर्मा अब तक करीब 600 से ज्यादा फर्जी बिल लगाकर राशि हड़प चुका है। जबकि आरक्षक अभिषेक झारिया के बैंक खातों में 582 टीए बिलों के 55 लाख रुपए भेजे गए। सबकी राशि मिलाकर यह घोटाला 3 करोड़ तक पहुंच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर के रांझी थाना में एसएएफ में पदस्थ एएसआई, मृत आरक्षक समेत कुल 15 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्रग्स फैक्टरी पकड़ी, 4 करोड़ के माल सहित चार गिरफ्तार

जागरण, ब्यावरा। राजस्थान में चेकिंग के दौरान मध्यप्रदेश के आगर ले जाए जा रहे ड्रग्स पकड़े जाने के बाद आरोपियों की निशानदेही पर राजगढ़ और राजस्थान की पुलिस ने राजगढ़ जिले के माचलपुर क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही ड्रग्स फैक्टरी पर दबिश देकर अवैध रूप से बनाए जा रहे ड्रग्स के कारोबार का भांडाफोड़ किया है। पुलिस ने फैक्टरी से 43 किलो कैमिकल पॉउडर जब्त किया है। वहीं इस मामले में राजस्थान पुलिस 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। राजगढ़ से जब्त कैमिकल की कीमत चार लाख बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजस्थान के झालावाड़ जिले में पुलिस की विशेष टीम को वाहनों की चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन को पकड़ा था। यह वाहन मध्यप्रदेश के आगर जा रहा था। पकड़े गए पिकअप वाहन में ड्रग निर्माण में उपयोग होने वाला करीब 320 किलोग्राम संदिग्ध केमिकल जब्त किया गया था। पुलिस ने वाहन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार किए थे, उनसे पूछताछ के बाद पता चला कि केमिकल आगर की ओर ले जाया जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह गिरोह लंबे समय से ड्रग निर्माण के लिए केमिकल की आपूर्ति और प्रसंस्करण से जुड़ा हुआ था।

खण्ड-1
ई-आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन
कार्यालय वनमण्डल अधिकारी हरदा (सामान्य) वनमण्डल (मध्य प्रदेश) 461331
ई- निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 803/ई-टेंडरिंग/2025-26 दिनांक 29/01/2026
2- वनमण्डल अधिकारी हरदा (सामान्य) वनमण्डल द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित 2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि (भौतिक)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
01	वृक्षारोपण कार्य हेतु गड्ढों में डालने हेतु उपजाऊ काली मिट्टी	15000.00 (एम.एस.एम.ई. एवं स्टार्टअप इंडिया का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने वाली फर्म को छोड़कर)	राशि 1000.00 समस्त के लिये
02	लोहे का गेट (डबल पल्ला वाला)		
03	लोहे का बोर्ड (साईज़ 3×6)		

* निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।
* इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/केश कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरेंट पोर्टल पर (दिनांक 02 फरवरी, 2026 से 12 फरवरी, 2026 तक दोपहर 2.00 बजे तक केवल ऑन लाईन खरीद सकते हैं।
* ई-प्रोक्योरेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
* निविदा पूर्व बैठक 10 फरवरी 2026 को दोपहर 12.30 बजे से 1.00 बजे तक वनमण्डल कार्यालय हरदा (सामान्य) में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं भाग ले सकते हैं। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होंगें जिन्होंने ई-टेंडर फार्म खरीदे हैं ।
* ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धि पत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
* ई-प्रोक्योरेंट पोर्टल https://www.mptender.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

जी-25325/25
(ज्योति मुडिया)
वनमण्डल अधिकारी
हरदा (सामान्य) वनमण्डल
बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

बिजनेस प्लस

डीडीए और एनबीसीसी ने भारत वंदना पार्क के लिए किया साझेदारी का विस्तार

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने मूल करार का विस्तार करने के लिए बीती 30 जनवरी को पूरक समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत एनबीसीसी भारत वंदना पार्क, सेक्टर-20, द्वारका के विकास के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में कार्य करना जारी रखेगा। विस्तारित करार के तहत, एनबीसीसी को अंतरिम प्रचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम) की जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं, जिसमें एक समर्पित ओएंडएम एजेंसी का चयन और उसे ऑनबोर्ड करना शामिल है ताकि जनता के लिए पार्क के चरणबद्ध उद्घाटन के दौरान पार्क का सुचारू और प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके। एनबीसीसी, ऑनबोर्डिंग के बाद आरंभिक दो वर्षों के लिए व्यापक कार्यान्वयन सहायता प्रदान करेगा, जिसमें एक वर्ष की दोष दायित्व अवधि शामिल होगी, जिससे परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और संधारणीयता सुनिश्चित होगी। पूरक समझौता ज्ञापन उन्नत आगंतुक सुविधाएं, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और प्रभावी प्रचालन प्रबंधन सहित उत्कृष्ट शहरी हरित क्षेत्र का निर्माण करने के डीडीए और एनबीसीसी के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। यह निरंतर सहयोग शेष विकास कार्यों को समय पर पूरा करने और सार्वजनिक अवसंरचना के उच्च मानकों को बनाए रखने के प्रति मजबूत संस्थागत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत वंदना पार्क को एक अद्वितीय मनोरंजन और सांस्कृतिक स्थल के रूप में परिकल्पित किया है, जो भारत की विविधता को दर्शाते हुए नागरिकों और आगंतुकों दोनों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेगा। डीडीए और एनबीसीसी के बीच नवीकृत साझेदारी इस परिकल्पना को साकार करने और पार्क के दीर्घकालिक संचालन उत्कृष्टता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

औली स्कीइंग विंटर कार्निवल 13 से 16 फरवरी तक

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में प्रदेश को विश्व स्तर पर प्रमुख शीतकालीन पर्यटन और विंटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 'औली स्कीइंग विंटर कार्निवल एवं राष्ट्रीय शीतकालीन खेल प्रतियोगिता/चैंपियनशिप 2026' का आयोजन 13 से 16 फरवरी 2026 तक चमोली जिले के प्रसिद्ध स्की स्थल औली में किया जाएगा। यह आयोजन अल्पाइन स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और स्की माउंटेनियरिंग (स्किमो) जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और साहसिक गतिविधियों का अनूठा संगम होगा। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में इस आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीराज सिंह गर्बयाल ने की। इसमें खेल व्यवस्थाओं, सुरक्षा मानकों, प्रतिभागियों की सुविधाओं और अंतर-विभागीय समन्वय पर गहन चर्चा हुई। गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) आयोजन की मुख्य जिम्मेदारी संभालेगा, जबकि इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) तकनीकी सहयोग, प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन सेवाएं प्रदान करेगी।

विश्व कैंसर दिवस पर चिरायु अस्पताल में जागरुकता एवं सम्मान समारोह

भोपाल। विश्व कैंसर दिवस पर चिरायु कैंसर अस्पताल में जागरुकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरुकता बढ़ाना, इलाज में हुई आधुनिक प्रगति की जानकारी देना तथा कैंसर से जंग जीत चुके मरीजों के साहस, संघर्ष और सफलता को समाज के सामने प्रस्तुत करना रहा। इस अवसर पर चिरायु कैंसर अस्पताल द्वारा भोपाल में कैंसर देखभाल के 10 सफल वर्ष पूरे होने का उत्सव भी मनाया। शुरुआत कैंसर जागरुकता के संदेश के साथ की गई, जिसमें यह बताया कि समय पर जांच, सही इलाज और सकारात्मक सोच के साथ कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को भी हराया जा सकता है। अस्पताल के चेयरमैन एवं संस्थापक डॉ. अजय गोयंका ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 10 वर्षों में चिरायु कैंसर अस्पताल ने भोपाल और आसपास के क्षेत्रों के हजारों मरीजों को आधुनिक, सुलभ और भरोसेमंद कैंसर उपचार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों की टीम और मानवीय दृष्टिकोण के कारण आज चिरायु कैंसर अस्पताल कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम बन चुका है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने दर्ज किया 31,326 करोड़ का नया बिजनेस प्रीमियम

भोपाल। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 31,326 करोड़ रुपए का नया बिड़नेस प्रीमियम दर्ज किया, जो 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि में 26,256 करोड़ रुपए था। नियमित प्रीमियम में 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। गौरतलब है कि एसबीआई लाइफ का सुरक्षा संबंधी नया बिड़नेस प्रीमियम 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,411 करोड़ रुपए रहा। सुरक्षा संबंधी व्यक्तिगत नया बिड़नेस प्रीमियम 31 दिसंबर 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 651 करोड़ रहा। व्यक्तिगत नया बिड़नेस प्रीमियम 22,545 करोड़ रुपए रहा, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि के मुकाबले 14प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एसबीआई लाइफ का कर पश्चात मुनाफा, 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 1,666 करोड़ रुपए रहा, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि के मुकाबले 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 31 दिसंबर, 2025 तक 1.91 पर मजबूत बना हुआ है, जबकि नियामकीय अनिवार्यता 1.50 है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
केन्द्रीय कर्मशाला (मैके. शाखा)
क्र. 459/के.कर्म./2026 — **चतुर्थ निविदा सूचना** — भोपाल, दिनांक 4/2/2026
नगर निगम भोपाल केन्द्रीय कर्मशाला के द्वारा टेलिस्कोपिक रिवॉल्विंग क्रेन किराये पर लिये जाने हेतु ऑनलाइन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा क्र.	सामान का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा फार्म का मूल्य	प्रदाय अवधि
1.	2025_UAD_443385_4	HIRING OF TELESCOPIC REVOLVING CRANE AT CENTRAL WORK-SHOP MUNICIPAL CORPORATION BHOPAL (FOURTH CALL)	9225000/-	69188/-	10000/-	माँग अनुसार

BID SUBMISSION END DATE- 04/03/2026 TIME-05:30 PM
BID OPENING DATE- 05/03/2026 TIME-05:30 PM
निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट mptenders.gov.in पर देखी एवं केन्द्रीय कर्मशाला (मैकेनिकल) से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
अपर आयुक्त
परिवहन शाखा
नगर निगम भोपाल
नि.क्र. 3090/025/026

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, नई दिल्ली-110 029
परीक्षा अनुभाग
विज्ञापन संख्या 377/2025
आईसीएमआर मुख्यालय और उसके संस्थानों/केंद्रों के लिए साइंटिस्ट-बी (नॉन-मेडिकल) के लिए भर्ती परीक्षा
आईसीएमआर हेडक्वार्टर और उसके इंस्टीट्यूट/सेंटर में अलग-अलग ग्रुप-बी (नॉन-मेडिकल) पदों पर भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। पदों की डिटेल और एलिजिबिलिटी एम्स की वेबसाइट www.aiimsexams.ac.in पर उपलब्ध विज्ञापन में देखी जा सकती है। परीक्षा सिर्फ ऑनलाइन (सीबीटी) मोड में होगी, जिसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होगा।

आवेदन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण	
खुलता है	बंद होता है
2 फरवरी, 2026 (सोमवार)	01 मार्च, 2026 को शाम 5:00 बजे (रविवार)

भर्ती परीक्षा की तारीख	
परीक्षा की तारीख	राज्य में परीक्षा केंद्र
संभावित रूप से अप्रैल, 2026 के महीने में	केवल दिल्ली/एनसीआर

महत्वपूर्ण : सभी आवेदकों को एम्स की वेबसाइट यानी www.aiimsexams.ac.in पर रेगुलर विजिट करना होगा, क्योंकि सभी बाद के सुधार/जोड़/अपडेट सिर्फ वेबसाइट पर ही अपलोड किए जाएँगे।
हस्ता/-
सहायक नियंत्रक (परीक्षाएं)
CBC 17112/12/0069/2526

अमेरिकी टैरिफ में कटौती के कारण भारतीय झींगा इंडस्ट्री को बड़ी राहत

सालाना 1 अरब डॉलर के निर्यात के नुकसान का करना पड़ सकता था सामना

मुंबई, जेएनएन। पिछले तीन माह में अमेरिका को झींगा निर्यात में 60 प्रतिशत तक गिरावट और पिछले छह महीनों से कीमतों को लेकर अनिश्चितता झेल रहे भारतीय झींगा उद्योग को अमेरिकी टैरिफ में कटौती से बड़ी राहत मिली। यह राहत ऐसे समय आई है, जब उद्योग को अमेरिकी टैरिफ से सालाना 1 अरब डॉलर के निर्यात नुकसान का सामना करना पड़ सकता था। अगस्त पिछले साल से 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क, काउंटरवेलिंग ड्यूटी (सीवीडी), और एंटी-डंपिंग ड्यूटी से

अमेरिकी बाजार में भारतीय झींगा पर टैक्स 58 प्रतिशत तक पहुंच गया था। अब झींगा पर कुल टैक्स 26 प्रतिशत रहने की संभावना है।

प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले स्थिति बेहतर

सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय समिति सदस्य जगदीश थोता ने कहा कि हमारे प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर पर टैक्स 18.78 प्रतिशत है, जिसमें सीवीडी शामिल है। वहीं इंडोनेशिया पर 24 और वियतनाम पर 49 प्रतिशत टैक्स लगता है। पहले के 58 प्रतिशत टैक्स के मुकाबले यह हमारे लिए बड़ी राहत है। हालांकि, पिछले तीन महीनों में कुछ उत्पादकों को 60 प्रतिशत तक ऑर्डर का नुकसान हुआ है और 2026 के लिए अग्रिम ऑर्डर पहले ही दिए जा चुके हैं।

सोना 1.60 लाख और 2.74 लाख प्रति किलो पर चांदी

निवेशकों की वापसी से हुई कीमतों में वृद्धि

मुंबई, जेएनएन। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, बुधवार को सर्राफा बाजार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,60,680 पर पहुंच गया। बीते दो कारोबारी दिनों में सोना कुल 9,412 महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी की कीमत 2,73,538 रुपए प्रति किलो हो गई, जो दो दिन में 14,038 रुपए की बढ़त को दर्शाती है। बुधवार को जारी आंकड़ों में यह तेजी दर्ज की गई। इससे पहले सोना 1,51,529 और चांदी 2,63,965 प्रति किलो के स्तर पर थी।

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले सप्ताह तीन कारोबारी सत्रों में आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों ने सस्ते स्तरों पर दोबारा खरीदारी शुरू की है। इससे पहले मुनाफावसूली से सोना 15 फीसदी तक टूट गया था। कीमतों में स्थिरता आते ही मांग लौटी, जिसने दामों को सहारा दिया। सर्राफा बाजार में घरेलू मांग के साथ-साथ सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर सोने-चांदी की ओर रुझान बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और सीमित विकल्पों के बीच निवेशक फिर से बुलियन की ओर लौटते दिखे हैं।

29 जनवरी को छुआ था उच्चतम स्तर : गौरतलब है कि 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था। इसके बाद आई गिरावट को बाजार ने सुधारात्मक चरण माना। अब मौजूदा तेजी को उसी सुधार के बाद की वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि मौजूदा तेजी के बावजूद एकमुश्त निवेश से बचना चाहिए।

खरीदारी से पहले सावधानी जरूरी

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय बीआईएस हॉलमार्क वाला सर्टिफाइड गोल्ड ही लेना चाहिए। साथ ही, खरीद के दिन का भाव आईबीजेए जैसी विश्वसनीय वेबसाइट से क्रॉस-चेक करना जरूरी है, क्योंकि 24, 22 और 18 कैरेट सोने की कीमतों में अंतर होता है। अगर मांग इसी तरह बनी रहती है, तो आने वाले दिनों में सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती देखने को मिल सकती है। हालांकि, निवेशकों को बाजार के संकेतों पर सतर्क नजर रखने की सलाह दी जा रही है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव से क्रूड आईल में तेजी

मुंबई, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से क्रूड कीमतों में मजबूती देखने को मिली। ब्रेंट 67 डॉलर के पार निकल गया है। अमेरिका ने ईरानी ड्रोन मार गिराया। अरब सागर में एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर के पास एक ईरानी ड्रोन को यूएस द्वारा मार गिराने के बाद जियोपॉलिटिकल टेंशन फिर से शुरू होने से तेल की कीमतें लगातार दूसरे दिन बढ़ीं। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 1.7 फीसदी बढ़कर 64 प्रति बैरल हो गया। ब्रेंट 67 के ऊपर बंद हुआ।

अमेरिका और ईरान के बीच इस झड़प से तेल बाज़ार डर गए, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोहराया कि दोनों पक्ष डिप्लोमैटिक बातचीत जारी रखे हुए हैं और व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कन्फर्म किया कि यूएस-ईरान बातचीत शुक्रवार को भी तय है। इस बीच, अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के मुताबिक, पिछले हफ्ते यूएस क्रूड इन्वेंट्री में 11.1 मिलियन बैरल की गिरावट आई। अगर ऑफिशियल डेटा से इसकी पुष्टि होती है, तो यह जून के बाद सबसे बड़ी गिरावट होगी।

सुस्ती के बाद फिर बढ़ी सीमेंट सेक्टर में मांग

हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में तेजी बनी प्रमुख वजह

मुंबई, जेएनएन। कई महीनों की सुस्ती के बाद अब सीमेंट सेक्टर में हलचल तेज हो गई है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट बताती है कि जनवरी 2026 में मांग ने जोरदार वापसी की और इसकी वजह इंफ्रास्ट्रक्चर और हाउसिंग प्रोजेक्ट्स का दोबारा तेज होना। रिपोर्ट के मुताबिक यह रफ्तार वित्त वर्ष-2026 के तिमाही तक जारी रहने की उम्मीद है। यानी आने वाले महीनों में सीमेंट कंपनियों के लिए माहौल और मजबूत हो सकता है।

सीमेंट सेक्टर को बड़ा सहारा : नुवामा का मानना है कि वित्त वर्ष 27 के बजट में बढ़े कैपेक्स खर्च ने सीमेंट सेक्टर को मजबूत आधार दिया है। आगे शेयरों की चाल इस बात पर टिकी होगी कि कितनी बिक्री होती है और कीमतें कहां तक टिकती हैं।

ब्रोकरेज ने साफ कहा है कि जेके सीमेंट उनकी पहली पसंद बना हुआ है और उन्होंने बाय की सलाह दी है।

राज्य दर राज्य कहानी अलग : पूर्वी भारत में बिहार ने वापसी की है। जनवरी में मांग बढ़ी और ट्रेड सेगमेंट में 20 रुपए प्रति बोरी की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल अब भी सुस्त है और फरवरी में कीमतें थोड़ी गिर सकती हैं। दक्षिण भारत में हाउसिंग सेक्टर की गर्मी ने मांग को हवा दी।

दो महीने में कीमतों में आया बड़ा उछाल

जनवरी 2026 में देश के कई हिस्सों में सीमेंट की कीमतें 10 से 15 रुपए प्रति बोरी तक बढ़ गईं। फरवरी में भी राहत नहीं मिली। दक्षिण और मध्य भारत में कीमतें 5 से 10 रुपए प्रति बोरी और बढ़ गईं। हालांकि, पश्चिम बंगाल में कमजोर मांग की वजह से हल्की गिरावट संभव है। वहीं उत्तर भारत में मांग बनी रही तो 5 रुपए प्रति बोरी की और बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस"
कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय मकरोनिया बुजुर्ग, सागर
Off. 07582-262900, E-Mail - hegemaksag@mp.gov.in, Website : https://govtcollegemakronivabujurg.com

क्र./. 2062 /2026 मकरोनिया, दिनांक :– 04/02/2026

ई– निविदा सूचना

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए आदर्श प्रयोगशाला उन्नयन हेतु आवंटित राशि से https://mptenders.gov.in के माध्यम से प्रयोगशाला उपकरणों के क्रय हेतु ई–निविदा बिड संख्या 2026_HED_479095_1 द्वारा दिनांक 05/02/2026 से 25/02/2026 के सांय 17.30 बजे तक ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सामग्री विनिर्देश बिड में उल्लेखित है।

प्राचार्य

शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी (म.प्र.)

पत्र क्र. /182/स्था./2026 इटारसी, दिनांक 04/02/2026

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

महाविद्यालय में सामग्री क्रय किये जाने हेतु जैम पोर्टल निविदा जारी की गई है निविदा में भाग लेने हेतु पोर्टल पर दर्शित प्रक्रिया अनुसार निविदा में भाग लिया जा सकता है।

1	Bid Start Date	02/02/2026
2	Bid End Date	23/02/2026

(डॉ. राकेश मेहता)
प्राचार्य
शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी (म.प्र.)

कार्यालय अपर संचालक / प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरोंजा, सागर
अनुसूचित जाति पोस्टमैट्रिक बालक छात्रावास के सामने सागर संभाग - सागर
ईमेल-principalpetcsgr@gmail.com

क्रमाक / 28/ प्राचार्य / पी.ई.टी.सी / 2025 - 26 सागर दिनॉक - 04/02/ 2026

सिविल जज, कनिष्ठ श्रेणी (प्रवेश स्तर की) प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु "Capacity Building Programme" हेतु निःशुल्क विज्ञापन।

कार्यालय आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास 35 - राजीव गाँधी भवन, श्यामला हिल्स भोपाल के संदर्भित पत्र अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अधिवक्ताओं एवं महत्वाकांक्षी छात्र जो सिविल जज, कनिष्ठ श्रेणी (प्रवेश स्तर की) प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं, के लिए मध्य जनवरी 2026 से "Capacity Building Programme" के संचालन संबंधी जानकारी दी गई है। उक्त हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाकर अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित किया जाना है।

इस हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किए जाने हेतु निम्नानुसार गूगल लिंक से जूड़कर अथवा MPSJA के web Page पर जाकर सीधे उक्त कार्यक्रम का लाभ उठा सकते हैं। यह कार्यक्रम Online सोमवार से शुक्रवार आयोजित किया जावेगा।

Google Link : - https://forms.gle/U29G7AzzPHyAPSH68

जी-25303/25 पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

प्राचार्य
शास. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा, सागर (म.प्र.)

उ०प्र० आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा
Uttar Pradesh University of Medical Sciences, Saifai Etawah-206130
E-mail:-jdmm@upums.ac.in, upumsmmdsurgicals@gmail.com

Ref: 780/UPUMS/2295-CD/MM/E-Tender Notice/2025-2026 Dated: 03 Feb,2026

OPEN E-TENDER NOTICE

Uttar Pradesh University of Medical Sciences, Saifai, Etawah-206130 hereby invites open E-Tender bid for Rate Contract for following Department from Genuine Manufacturers/Direct Importers only. Documents for Open E-Tender will be available on E-Tender Portal :http://etender.up.nic.in. E-bid shall be submitted online mode only.

TENDER DETAILS

S.N.	Particulars	Tender No:
1	Dialysis Consumables	UPUMS/MM/Dialysis Consumables/07/2025-26
2	CSSD Consumables	UPUMS/MM/CSSD Consumables/08/2025-26
3	Neurosurgery Consumables	UPUMS/MM/Neurosurgery Consumables/09/2025-26
4	Urology Consumables	UPUMS/MM/Urology Consumables/10/2025-26
5	Cardiology Implants & Consumables	UPUMS/MM/Cardiology Implants & Consumables /11/2025-26
6	CVTS Implants & Consumables	UPUMS/MM/CVTS Implants & Consumables/ 12/2025-26
7	ENT Consumables	UPUMS/MM/ENT Consumables/13/2025-26

TENDER SCHEDULE

S.N.	Particulars	Date	Time
1	Publishing Date & Time	04-02-2026	12:00 Noon
2	Bid Submission Start Date	05-02-2026	12:00 Noon Onward
3	Bid Submission Last Date & Time	25-02-2026	17:00 PM
4	Technical Bid Opening Date & Time	26-02-2026	12:00 Noon

Incharge Procurement (Surgical Consumables)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0: 2026-जनवरी-05 दिनांक 29.01.26

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ''खुली निविदा'' ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र सं: 1	निविदा सं.:2026-जनवरी-05-01	अनुमानित लागत ₹: ₹ 4969030.37

कार्य का विवरण: आगरा छावनी स्टेशन ऐरिया. मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर, मं.रे.प्र. बंगला, अधिकारी कॉलोनी बंगला, यमुना-सृजन अधिकारी विश्राम गृह, मंडल रेलवे अस्पताल और गोवर्धन स्टेडियम में लॉन, हेज, पेड़, झाड़ियों और फूलों आदि का (16 महीने के लिए) रखरखाव कार्य।

क्र सं: 2	निविदा सं.:2026-जनवरी-05-02	अनुमानित लागत ₹: ₹ 13915811

कार्य का विवरण: सहायक मंडल इंजीनियर (मुख्या0)/आगरा के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न स्टेशनों जैसे आगरा कैंट एप्रोच, आगरा फोर्ट, राजा की मंडी, ईदगाह और अन्य स्टेशनों पर मौजूदा नर्सरियों एवं ग्रीन पैचों का रख-रखाव, सफाई और मरम्मत का कार्य।

क्र सं: 3	निविदा सं.:2026-जनवरी-05-03	अनुमानित लागत ₹: ₹ 12500249.2

कार्य का विवरण: सहायक मंडल इंजीनियर (मुख्यालय) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आर.यू.बी 1349/13, 1349/15, 167 और 162 पर मानक ऊँचाई गेज का प्रावधान साथ ही ग्राउटिंग द्वारा एल.एच.एस 1ए. 17ए और विभिन्न एल.एच.एस में सुधार कार्य।

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेवपोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 23.02.26 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 236/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

जन शिक्षण संस्थान रायसेन (म.प्र.) Skill India

योजना : कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित
कार्यालय : गोल्डन सिटी के सामने, रॉयल मैरिज गार्डन के पास, सांची रोड रायसेन (म.प्र.)-464551
07482-298460, 9243733668, 9131562933 ईमेल jssraisen 2011@gmail.com

// निदेशक की आवश्यकता //

जन शिक्षण संस्थान रायसेन का उद्देश्य सम्पूर्ण रायसेन जिले में कौशल विकास प्रशिक्षण देना है योजना को मूर्तरूप देने के लिए उल्लेखित शर्तों के आधार एक अनुभवी निदेशक की आवश्यकता है।

शैक्षणिक योग्यता और अनुभव आवश्यक :

01. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष डिग्री/डिप्लोमा।
02. पर्यवेक्षकीय क्षमता में 07 साल का अनुभव अधिमान्यता परन्तु शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में आवश्यक नहीं।
03. स्थानीय भाषा में लिखने एवं बोलने का कार्यकारी ज्ञान।
04. प्रशासन/प्रबंधन/लेखा/टीम का नेतृत्व करने के साथ संगठन का नेतृत्व करने का अनुभव। अनुसंधान व शिक्षा का मार्गदर्शन/संचालन करने का अनुभव। (कम्प्यूटर का ज्ञान हिन्दी/इंग्लिश टाईपिंग का ज्ञान)
05. आवेदन की अंतिम तिथि तक अधिकतम आयु 55 वर्ष।

नियम व शर्तें

01. निदेशक का पद एक अनुबंध के आधार एक वर्ष के लिए किया जावेगा जो परिवीक्षा अवधि होगी।
02. परिवीक्षा अवधि मूल्यांकन उपरांत पुन: एक वर्ष के लिए अनुबंध किया जा सकता है।
03. निदेशक की सेवा निवृत्ति आयु 60 वर्ष होगी।
04. परिलब्धियां सीमा रु. 30,000/- से 40,000/- के मध्य।
05. न्यायालय में किसी प्रकरण आर्थिक अनिमियता प्रकरण के विचाराधीन आवेदन नही कर सकते है।

आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि :

समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित होने की तारीख से एक महीने के अंतर्गत 30 दिवस तक आवेदन स्वीकार किए जावेंगे। इच्छुक आवेदन करें।

अध्यक्ष
जन शिक्षण संस्थान रायसेन (म.प्र.)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

ई- नीलामी विक्रय सूचना

SCAN HERE For detailed terms & conditions.

परिशिष्ट - IV क [नियम 8 (6) का परन्तुक देखें]

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ जो बैंक ऑफ बड़ौदा प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **कब्जा** बैंक ऑफ बड़ौदा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर निम्न वर्णित ऋणियों से बैंक ऑफ बड़ौदा प्रतिभूत लेनदार की निम्न वर्णित बकाया राशि की वसूली हेतु ई-नीलामी द्वारा बेची जाएगी।

शाखा/ऋणी/ जमानतदार/ बंधककर्ता का नाम	चल एवं अचल संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि	ई-नीलामी की दिनांक एवं समय	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि
क्षेत्रीय तनावग्रस्त अस्ति वसूली शाखा (आर.ओ.एस.ए.आर.बी) ग्वालियर , सिटी सेंटर, प्रथम तल, बीएसएनएल बिल्डिंग, ग्वालियर, म.प्र.474001 मो.7880153116				
ऋणी- 1. **मेसर्स विजय कुमार नंदकिशोर** प्रोपराइटर- नंद किशोर अग्रवाल 2. श्री नंद किशोर अग्रवाल पुत्र कन्हैयालाल अग्रवाल (प्रोपराइटर) 3. श्री विजय कुमार अग्रवाल पुत्र कन्हैयालाल अग्रवाल (जमानतदार) 4. श्री घनश्यामदास अग्रवाल पुत्र श्री कन्हैयालाल अग्रवाल (जमानतदार)	संपत्ति का समस्त भू भाग (प्लाट) स्थित वार्ड क्रमांक 27 (पुराना), 20 (नया), गणेशगंज मार्ग, गल्ला मंडी के पीछे, विदिशा, म.प्र. क्षेत्रफल- 3932 वर्गफुट संपत्ति मालिक- श्री विजय कुमार पुत्र कन्हैयालाल अग्रवाल, श्री नंद किशोर अग्रवाल पुत्र कन्हैयालाल अग्रवाल और श्री घनश्याम दास अग्रवाल पुत्र कन्हैयालाल अग्रवाल चर्तुसीमाएं:- उत्तर: नाई का घर और श्री शकरिया की खुली भूमि, दक्षिण: भूरी कछान का घर, पूर्व: श्री शकरिया का घर और खुली भूमि, पश्चिम: गाडी अड्डा की सड़क **भौतिक कब्जा**	₹ 38,00,000/- ₹ 3,80,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	06.04.2021 30.09.2021 ₹ 63,01,202.78 +ब्याज एवं अन्य खर्च
ऋणी- **मेसर्स लखमीचंद पवन कुमार** प्रोपराइटर-**श्री पवन कुमार जैन** जमानतदार-**श्रीमती प्रीति जैन** पत्नि पवन कुमार जैन	संपत्ति का समस्त भू भाग बंधक संपत्ति स्थित रिहायशी मकान वार्ड नं. 22, गणेश गंज मार्ग, राजेन्द्र गिरी गली नं. 01, विदिशा (म.प्र.) 464001 क्षेत्रफल- 900 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्रीमती प्रीति जैन पत्नि पवन कुमार जैन चर्तुसीमाएं- पूर्व- सीमेंटेड गली, पश्चिमः कंदार एवं जैन साहब का खुला क्षेत्र, उत्तरः सीमेंटेड गली पश्चात पीसी जैन का मकान, दक्षिणः जगदीश नेमा का मकान एवं केवल सिंह का मकान। **भौतिक कब्जा**	₹ 56,00,000/- ₹ 5,60,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	28-08-2024 15.07.2025 ₹ 98,98,316.96 + ब्याज एवं अन्य खर्च
ऋणी- **नीलम सिंह राजपूत पत्नि हेमन्त सिंह राजपूत** जमानतदार- **श्री राहुल डांगी पुत्र श्री राम डांगी**	संपत्ति का समस्त भू भाग संपत्ति स्थित सर्वे नं. 457/4, प.ह.नं. 51, ग्राम- लश्करपुर क्षेत्रफल-7320 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्रीमती नीलम सिंह राजपूत चर्तुसीमाएं- पूर्व- यशपाल की भूमि, पश्चिम- रघुवीर सिंह की भूमि, उत्तर- बृजेन्द्र सिंह की भूमि एवं मंदिर, दक्षिण- भवानी सिंह की भूमि **भौतिक कब्जा**	₹ 3,27,000/- ₹ 32,700/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	05.02.2019 03.05.2019 ₹ 6,65,557.00/- + ब्याज एवं अन्य खर्च
ऋणी-**मेसर्स जादूगर ट्रेडर्स** प्रोपराइटर- श्री प्रदीप जैन पुत्र श्री पन्नालाल जैन जमानतदार-श्री पन्नालाल जैन पुत्र श्री गणेशराम जैन एवं श्रीमती नेहा जैन पत्नि श्री प्रदीप कुमार जैन	संपत्ति का समस्त भू भाग संपत्ति स्थित ग्राम- औलिंजा, पी.एच. संख्या 18, सर्वे संख्या 88/1, एनएच-86 के पास, विदिशा, मध्य प्रदेश। क्षेत्रफल 21528 वर्गफुट, संपत्ति मालिक- श्रीमती नेहा जैन पत्नी प्रदीप जैन चर्तुसीमाएं- पूर्वः श्री सैनी की भूमि, पश्चिमः श्री मनोज जैन की भूमि, उत्तरः सड़क, दक्षिणः श्री मनोज जैन की भूमि। **भौतिक कब्जा**	₹ 9,89,000/- ₹ 99,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	05.09.2016 13.12.2016 ₹ 46,52,759.93/- + ब्याज एवं अन्य खर्च
ऋणी- **श्री शकील अहमद** पुत्र यासीन खान जमानतदारः **श्रीमती फातिमा बी** पत्नि यासीन खान	संपत्ति का समस्त भू भाग भूमि एवं भवन स्थित वार्ड क्रमांक 5, मागंज वार्ड, पीसी नंबर 16/40, खसरा नंबर 499/1, 513/1, 526/1, रेलवे कॉलोनी, पुराना लोको, दमोह म.प्र. -470661 क्षेत्रफल-2000 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्रीमती फातिमा बी पत्नि यासीन खान चर्तुसीमाएं- उत्तरः सड़क, दक्षिणः विक्रेता की भूमि, पूर्वः विक्रेता की भूमि, पश्चिमः सड़क **भौतिक कब्जा**	₹ 48,00,000/- ₹ 4,80,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	07.01.2025 26-03-2025 ₹ 43,25,677.14 +ब्याज एवं खर्च
ऋणी- **श्री रामदास चड़ार पुत्र गोरेलाल चड़ार** सहऋणी- **सविता चड़ार पत्नि रामदास चड़ार**	संपत्ति का समस्त भू भाग (मकान) स्थित सर्वे नं. खसरा नंबर 195/4 का भाग, वर्तमान खसरा नंबर 195/4/2, ग्राम कांसखेड़ा, बजरंग कॉलोनी, पीएच नंबर 31, देवरी तहसील देवरी जिला सागर म.प्र. 470226, निर्मित क्षेत्रफल-1000 वर्गफीट, कारपेट क्षेत्रफल- 920 वर्गफीट, संपत्ति मालिक- श्री रामदास चडार पुत्र गोरेलाल चड़ार चर्तुसीमाएः पूर्व - जमना साहू का घर, पश्चिम - विमल विश्वकर्मा का घर, उत्तर - कालू यादव का घर, दक्षिण - कॉलोनी की सड़क। **भौतिक कब्जा**	₹ 26,25,000/- ₹ 2,62,500/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	10.04.2024 04.07.2024 ₹ 23,60,098/- +ब्याज एवं अन्य खर्च
ऋणी- **श्रीमती प्रीतिसिंह पत्नि बृजेन्द्र सिंह डांगी** जमानतदार : श्रीमती सावित्री सिंह पत्नि श्री प्रहलाद सिंह	(1) संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित ग्राम- बहेरिया कलां, प.ह.नं. 10, खसरा नं. 312/3, आरएनएम-गौर झमार तहसील-देवरी जिला-सागर (म.प्र.) क्षेत्रफल- 0.40 हेक्टेयर (4000 वर्गमीटर) संपत्ति मालिक- श्रीमती सावित्री बाई पत्नि प्रहलाद सिंह डांगी चर्तुसीमाएं- पूर्व- पीएम रोड, पश्चिम- राजेन्द्र सिंह, उत्तर- सुरेन्द्र सिंह, दक्षिण- अभिषेक सिंह **सांकेतिक कब्जा**	₹ 8,90,000/- ₹ 89,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	10.01.2019 21.05.2019 ₹ 56,32,069.52 +ब्याज एवं खर्च
	(2) संपत्ति का समस्त भू भाग प्लांट एवं मशीनरी (फ्लाय एश ब्रिक मेन्युफैक्चरिंग) स्थित ग्राम- बहेरिया कलां, पोस्ट-गौरीझमार, तहसील-देवरी जिला-सागर (म.प्र.) संपत्ति मालिक- श्रीमती प्रीति सिंह पत्नि बृजेन्द्र सिंह डांगी	₹ 12,85,000/- ₹ 1,28,500/- ₹ 10,000/-		
ऋणी- **श्रीमती रेन मंजूषा पत्नि अरविन्द कुमार जैन**	संपत्ति का समस्त भू भाग रिहायशी संपत्ति स्थित मौजा देवरी, नं. 478, प.ह.नं. 71, खसरा नं. 226/37, खांडेराव वार्ड नं. 05, नगर पालिका, देवरी तहसील देवरी जिला-सागर (म.प्र.) क्षेत्रफल लगभग 656 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्रीमती रेन मंजूषा पत्नि श्री अरविन्द कुमार जैन चर्तुसीमाएं- पूर्व- शशि पाठक का प्लाट, पश्चिम- पुक्कन जैन का प्लाट, उत्तर- डीपी शुक्ला का मकान, दक्षिण- रोड **सांकेतिक कब्जा**	₹ 9,90,000/- ₹ 99,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	13.06.2019 10.12.2019 ₹ 6,27,079.40/- +ब्याज एवं अन्य खर्च
ऋणी- **श्रीमती निर्मला प्रजापति पत्नि दिनेश प्रजापति**	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित रिहायशी फ्लैट स्थित फ्लैट नं. 01, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक-1, प्लाट नं. 10 का भाग, सेक्टर-डी, इण्डस्ट्रियल एरिया, वार्ड नं. 13, मंडीदीप, तहसील गौहरगंज जिला-रायसेन (म.प्र.) क्षेत्रफल- 600 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- श्रीमती निर्मला प्रजापति पत्नि श्री दिनेश प्रजापति चर्तुसीमाएं- पूर्व- क्षिप्रा ब्लॉक 1 चर्तुथ तल फ्लैट नं. 02, पश्चिम- खुला, उत्तर- खुला, दक्षिण- कॉरिडोर **भौतिक कब्जा**	₹ 5,00,000/- ₹ 50,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	24.10.2019 24-08-2020 12,28,884/- +ब्याज एवं खर्च
ऋणी- **श्रीमती निर्मला प्रजापति पत्नि दिनेश प्रजापति**	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित रिहायशी फ्लैट स्थित फ्लैट नं. 02, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक-1, प्लाट नं. 10 का भाग, सेक्टर-डी, इण्डस्ट्रियल एरिया, वार्ड नं. 13, मंडीदीप, तहसील गौहरगंज जिला-रायसेन (म.प्र.) क्षेत्रफल- 600 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- श्रीमती निर्मला प्रजापति पत्नि श्री दिनेश प्रजापति चर्तुसीमाएं- पूर्व- क्षिप्रा ब्लॉक 1 चर्तुथ तल फ्लैट नं. 03, पश्चिम- क्षिप्रा ब्लॉक 1 चर्तुथ तल फ्लैट नं. 01, उत्तर- खुला, दक्षिण- कॉरिडोर **भौतिक कब्जा**	₹ 5,00,000/- ₹ 50,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	24.10.2019 24-08-2020 12,29,182/- +ब्याज एवं खर्च
ऋणी- **श्रीमती कविता शिवनानी पुत्री श्री नाथूराम शिवनानी**	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित रिहायशी फ्लैट स्थित फ्लैट नं. 05, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक-1, प्लाट नं. 10 का भाग, सेक्टर-डी, इण्डस्ट्रियल एरिया, वार्ड नं. 13, मंडीदीप, तहसील गौहरगंज जिला-रायसेन (म.प्र.) क्षेत्रफल- 600 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- श्रीमती कविता शिवनानी पुत्री श्री नाथूराम शिवनानी चर्तुसीमाएं- पूर्व- क्षिप्रा ब्लॉक 1, फ्लैट नं. 04, पश्चिम- क्षिप्रा ब्लॉक 1 चर्तुथ तल फ्लैट नं. 06, उत्तर- कॉरिडोर, दक्षिण- क्षिप्रा ब्लॉक 1 चर्तुथ तल फ्लैट नं. 02, **भौतिक कब्जा**	₹ 5,85,000/- ₹ 58,500/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	03.02.2020 24-08-2020 ₹12,36,928/- +ब्याज एवं खर्च
ऋणी- **श्रीमती कविता शिवनानी पुत्री श्री नाथूराम शिवनानी**	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित रिहायशी फ्लैट स्थित फ्लैट नं. 06, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक-1, प्लाट नं. 10 का भाग, सेक्टर-डी, इण्डस्ट्रियल एरिया, वार्ड नं. 13, मंडीदीप, तहसील गौहरगंज जिला-रायसेन (म.प्र.) क्षेत्रफल- 600 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- श्रीमती कविता शिवनानी पुत्री श्री नाथूराम शिवनानी चर्तुसीमाएं- पूर्व- क्षिप्रा ब्लॉक 1 फ्लैट नं. 05, पश्चिम- खुला, उत्तर- कॉरिडोर, दक्षिण- क्षिप्रा ब्लॉक 2 चर्तुथ तल फ्लैट नं. 01, **भौतिक कब्जा**	₹ 5,00,000/- ₹ 50,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	03.02.2020 24-08-2020 ₹12,24,450/- +ब्याज एवं खर्च
ऋणी- **श्रीमती प्रियंका खरे** पत्नि श्री अखिलेश खरे जमानतदार- **श्रीमती कल्पना खरे** पत्नि राजाराम खरे, **श्रीमती शशि प्रभा खरे** पत्नि वीरेन्द्र खरे	संपत्ति का समस्त भू भाग रिहायशी डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नंबर 735/2, ग्राम करगुवन पीएच नंबर 51, खसरा नंबर 649, राजीव गांधी वार्ड नंबर 15, आरएनएम और तहसील पृथ्वीपुर, जिला टीकमगढ़ क्षेत्रफल 93/1172 अर्थात 0.093 हेक्टेयर/10020 वर्गफीट संपत्ति मालिक- श्रीमती शशि प्रभा खरे पत्नि वीरेंद्र खरे चर्तुसीमाएं: पूर्वः विक्रेता की भूमि, पश्चिमः पगडंडी रास्ता, उत्तरः 20 फीट जेरोन रोड, दक्षिणः विक्रेता की भूमि **सांकेतिक कब्जा**	₹ 27,00,000/- ₹ 2,70,000/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	16.03.2022 07.01.2023 ₹ 22,11,114.50/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे
ऋणी- **श्री जमीर खान पुत्र श्री बसीम खान**	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित खसरा नंबर 163, मौजा मुवासी, पी.एच. नंबर 56, नौगांव रोड, प्लॉट नंबर 274, वार्ड नंबर 02, जवाहर मार्ग, प्रेप्टेक टाउन के पीछे, नौगांव रोड, छतरपुर, तहसील और जिला छतरपुर, म.प्र. क्षेत्रफल 2000 वर्गफीट संपत्ति मालिक- श्री जमीर खान पुत्र श्री बसीम खान चर्तुसीमाएं: पूर्वः प्रस्तावित सड़क 25 फीट, पश्चिमः विक्रेता की भूमि, उत्तरः विक्रेता की भूमि, दक्षिणः प्रस्तावित सड़क 25 फीट **सांकेतिक कब्जा**	₹ 16,38,000/- ₹ 1,63,800/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	20.10.2018 31.01.2019 ₹ 21,09,173/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे
ऋणी- **श्री ताहिर खान पुत्र दिलदार खान** सहऋणी- **श्रीमती साहिना फिरदौस जहाँ पत्नि ताहिर खान**	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित मौजा खास छतरपुर खसरा नंबर 2442/5, पी.एच. नंबर 51, आरएनएम छतरपुर, (नगर पालिका रिकॉर्ड के अनुसार मकान नंबर 81, वार्ड नंबर 27, नया मोहल्ला मार्ग, तहसील और जिला छतरपुर, म.प्र.- 471001, क्षेत्रफल 2401 वर्गफीट) संपत्ति मालिक- श्री ताहिर खान पुत्र दिलदार खान चर्तुसीमाएं- पूर्व-15 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिमः शान मोहम्मद का घर, उत्तरः इंशा अल्लाह खान का घर, दक्षिणः खुली जमीन **भौतिक कब्जा**	₹ 20,28,000/- 2,02,800/- ₹ 10,000/-	24.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से 6.00बजे तक	07-09-2019 30.12.2020 ₹ 32,57,895/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए बैंक ऑफ बड़ौदा प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट https:// www.bankofbaroda.bank.in / e-auction एवं https://BAANKNET.com देखें। इच्छुक निविदाकर्ता प्राधिकृत अधिकारी उपरोक्त तालिका में वर्णित दूरभाष क्रमांक पर सम्पर्क कर सकते हैं।
कृपया ध्यान दें - किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए बैंक की वेबसाइट http://BAANKNET.com पर दर्ज विवरण ही मान्य होगा।

तारीख : 04.02.2026 प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

अंडर-19 विश्व कप: टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया, खिताबी मुकाबला 6 को इंग्लैंड से

रिकॉर्ड चेज कर भारत फाइनल में

जेएनएन, हरारे

भारत ने आरोन जॉर्ज (115 रन) के शानदार शतक की मदद से बुधवार को अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। भारत अब शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। यह अंडर-19 टूर्नामेंट में भारत का 10वां फाइनल होगा। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (101) के शतकों की मदद से 310 रन बनाए। लेकिन भारत ने यह लक्ष्य 41.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस तरह अंडर-19 विश्व कप में भारत ने अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। आरोन (104 गेंद) ने बेहतरीन शॉट्स की मदद से शतक जड़ा। उन्हें आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और आयुष म्हात्रे (62 रन) का पूरा साथ मिला, जिससे भारत का रन-रेट पूरे समय सात से ऊपर ही रहा। सूर्यवंशी ने अपने चिर परिचित अंदाज में बाउंड्री की झड़ी लगाकर पारी को शानदार शुरुआत दी, जिसमें ऑफ-स्पिनर वाहिदुल्लाह जादरान के खिलाफ उन्होंने कई बेहतरीन शॉट्स लगाए। इसमें किस्मत ने भी उनका साथ दिया क्योंकि नियाजई ने अब्दुल अजीज की गेंद पर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया, तब वह 22 रन पर थे। लेकिन इसके बावजूद सूर्यवंशी ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गेंदबाज नूरिस्तानी उमरजई की गेंद पर एक शानदार हेलीकॉप्टर शॉट से छक्का भी लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी पारी में बार बार पुल शॉट खेलने की कोशिश की जो आखिरकार उनके आउट होने का कारण बना। उमरजई की गेंद पर वह सर्कल के अंदर उस्मान सादात के हाथों कैच आउट हुए। इस तरह पहले विकेट की साझेदारी 93 रन पर खत्म हुई। लेकिन आरोन ने फिर म्हात्रे के साथ मिलकर 102 गेंद में 114 रन की साझेदारी की और 27वें ओवर में भारत को 200 के पार पहुंचाया। म्हात्रे इस टूर्नामेंट में अपनी लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और उन्होंने सही समय पर अर्धशतक जड़ा।

■ **सफल चेज:** भारत ने अंडर-19 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य (311 रन) चेज किया, जो पहले कभी नहीं हुआ था।

प्लेयर ऑफ द मैच
आरोन जॉर्ज
115 रन
104 गेंद
15 चौके
02 छक्के

■ फैसल शिनोजादा ने अपना 6वां यूथ वनडे शतक बनाया, जो पाकिस्तान के सामी असलम के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक है (22 मैचों में)। उन्होंने टूर्नामेंट में 400+ रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज भी बने। अफगानिस्तान की पारी में शिनोजादा (110) और नियाजाई (नाबाद 101 रन) दो शतक लगे, जो टूर्नामेंट में बड़ी उपलब्धि है।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान: 310/4 (50 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
उस्मान का. देवेंद्रन बो. कनिष्क	39	70	3	0
अहमजाई का. कुंडु बो. देवेंद्रन	31	39	4	1
फैसल शिनोजादा बो. देवेंद्रन	110	93	15	0
उजैरुल्लाह नियाजाई नाबाद	101	86	12	2
मियाखिल का. खिलन बो. कनिष्क	12	9	1	0
अब्दुल अजीज नाबाद	7	3	1	0

अतिरिक्त: 10, **कुल:** 50 ओवर में 4 विकेट पर 310 रन, **विकेट पतन:** 1-53, 2-117, 3-265, 4-293, **गेंदबाजी:** अमब्रिश 9-0-65-0, पटेल 10-0-56-0, देवेंद्रन 10-0-64-2, खिलन 10-0-49-0, कनिष्क 9-0-55-2, म्हात्रे 2-0-14-0.

भारत: 311/3 (41.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
ऐरन जॉर्ज का. अमीरी बो. जादरान	115	104	15	2
सूर्यवंशी का. सादत बो. ओमरजाई	68	33	9	4
म्हात्रे का. सादत बो. ओमरजाई	62	59	5	4
विहान मल्होत्रा नाबाद	38	47	3	0
वेदांत त्रिवेदी नाबाद	5	6	0	0

अतिरिक्त: 23, **कुल:** 41.1 ओवर में 3 विकेट पर 311 रन, **विकेट पतन:** 1-90, 2-204, 3-300, **गेंदबाजी:** अब्दुल अजीज 10-0-70-0, जादरान 7.1-0-67-1, ओमरजाई 10-0-64-2, स्तानिकजाई 9-0-52-0, रुहुल्लाह अरब 4-0-35-0, नियाजाई 1-0-8-0.

02 दिन शेष: टी-20 विश्व कप 2026

अभिषेक शर्मा के छक्के, वरुण चक्रवर्ती की फिरकी, ये खिलाड़ी मचा सकते हैं धमाल

7 फरवरी से शुरू हो रहे पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का मंच तैयार है, जिसमें कुल 20 टीमें ट्रॉफी के लिए दो-दो हाथ करेंगी। भारत और श्रीलंका में खेले जाने वाले इस बड़े टूर्नामेंट से पहले उन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर डालते हैं, जिन्होंने पिछले विश्व कप से लेकर अब तक टी-20 आई में प्रभावित किया है और वे इस टूर्नामेंट में भी धमाल मचा सकते हैं। इन खिलाड़ियों में भारत के अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शामिल है।

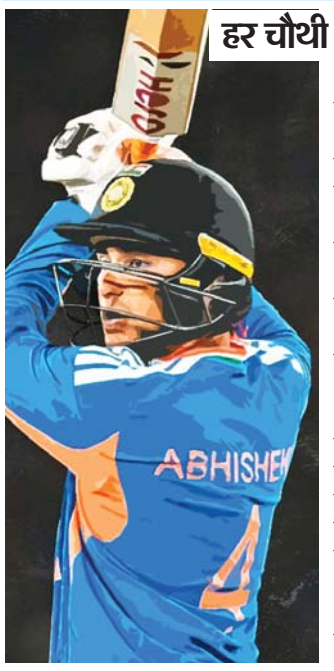

हर चौथी पारी में 50 या इससे अधिक रन

अभिषेक शर्मा का टी-20आई डेब्यू पिछले विश्व कप के बाद ही हुआ था और दो विश्व कप के बीच अभिषेक टी-20 में पूर्ण सदस्य देशों में जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट के बाद पारी की शुरुआत करते हुए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 35 पारियों में 38.57 की औसत और 197.05 के स्ट्राइक रेट से 1273 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और आठ अर्धशतक शामिल हैं। यानी लगभग हर चौथी पारी में अभिषेक के बल्ले से 50 या उससे अधिक का स्कोर आता है। इस अवधि में कम से कम 25 टी-20 खेलने वाले सभी बल्लेबाजों में उनका 194.74 का स्ट्राइक रेट सर्वाधिक है। अभिषेक की आक्रामक शैली की गवाही उनकी लगातार छक्के लगाने की क्षमता भी देती है। वह दो विश्व कप के बीच पूर्ण सदस्य देशों में सर्वाधिक 88 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी हैं। अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में दो अर्धशतक की बदौलत 249.31 के स्ट्राइक रेट से 182 रन बनाए। अभिषेक इस समय टी-20आई रैंकिंग में शीर्ष पर भी हैं और उनके पहले टी-20 विश्व कप में उनसे ऐसी ही दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मध्य क्रम में रजा के सबसे ज्यादा रन

दो विश्व कप के बीच में टी-20आई में मध्य क्रम (नंबर तीन से छह) में बल्लेबाजी करते हुए किसी भी अन्य बल्लेबाज ने सिकंदर रजा से अधिक रन नहीं बनाए हैं। रजा ने पिछले टी-20 विश्व कप के बाद खेले अब तक कुल 40 मुकाबलों में 137.24 के स्ट्राइक रेट और 26.74 की औसत से 936 रन बनाए हैं। इस दौरान रजा ने दो अर्धशतक और एक शतक भी लगाया है। पूर्ण सदस्य देशों में उनके बाद सर्वाधिक रन पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा और फिर तिलक वर्मा ने बनाए हैं। जिम्बाब्वे के पास आगामी विश्व कप के लिए दल में अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। रजा के अलावा जिम्बाब्वे के पास बेनेट, ग्रेम क्रीमर और ब्रेंडन टेलर का अनुभव भी है। हालांकि बतौर कप्तान रजा के ऊपर कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ ही बल्लेबाजी और गेंदबाजी में भी जिम्मेदारी होगी।

रॉवमन पॉवेल बेस्ट फिनिशर

टी-20 विश्व कप 2024 के बाद अब तक रॉवमेन पॉवेल ने मात्र 15 टी-20 मुकाबले ही खेले हैं, लेकिन वह इस अवधि में नंबर छह से नंबर आठ के बीच बल्लेबाजी करते हुए दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ उनके हमवतन रोमारियो शेफर्ड हैं, जिन्होंने उनसे नौ पारियां ज्यादा खेलते हुए 10 रन अधिक बनाए हैं। पॉवेल ने इस अवधि में खेली 14 पारियों में 145.05 के स्ट्राइक रेट और 36 की औसत से 396 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने सर्वश्रेष्ठ नाबाद 79 रन की पारी भी खेली है। पिछली बार भारत में जब टी-20 विश्व कप खेला गया था, तब उस संस्करण का विजेता वेस्टइंडीज ही बना था। हालांकि अगर वेस्टइंडीज को इस बार भारत में वैसे ही कारनामा अगर करना है, तो इसके लिए पॉवेल को अपनी लय को भुनाना होगा।

शीर्ष पांच में इकलौते तेज गेंदबाज

जैकब डफी दो विश्व कप के बीच में सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने इस अवधि में खेले कुल 28 टी-20 मुकाबलों में 7.79 की इकॉनमी से 48 विकेट हासिल किए हैं। इस दौरान डफी ने चार बार एक पारी में चार या उससे अधिक विकेट हासिल किए हैं। डफी भारत के खिलाफ हालिया टी-20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड दल का हिस्सा थे। एक ऐसी सीरीज, जिसमें गेंदबाज बेअसर नजर आए, उसमें डफी दोनों टीमों में अर्शदीप सिंह (8 विकेट) के बाद सबसे ज्यादा छह विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। विश्व कप में न्यूजीलैंड का गेंदबाजी आक्रमण डफी पर बहुत हद तक निर्भर करेगा। लंबे कद के डफी इस समय पुरुष टी-20 की गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच गेंदबाजों में इकलौते तेज गेंदबाज हैं। वह इस समय रैंकिंग में चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

वरुण : हर 11वीं गेंद पर एक विकेट

टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं। वरुण दोनों विश्व कप के बीच में सर्वाधिक 57 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने ये विकेट 7.42 की इकॉनमी से लिए हैं और इस दौरान उनका गेंदबाजी स्ट्राइक रेट 11.2 का रहा है। यानी वरुण ने इस अवधि में लगभग हर 11वीं गेंद पर एक विकेट हासिल किया है, जो कि किसी भी टीम के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। वरुण 2021 के टी-20 विश्व कप में भी भारतीय दल का हिस्सा थे, लेकिन वह उस विश्व कप में प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे। हालांकि इस बार उनके पास घरेलू सरजमीं पर छाप छोड़ने का मौका है और विशेषकर भारतीय परिस्थितियों में वरुण की फिरकी से पार पाना इतना आसान नहीं रहने वाला है।

खेल एक नजर

चेल्सी को 1-0 से हराकर आर्सेनल इंग्लिश लीग कप के फाइनल में

लंदन, जेएनएन। आर्सेनल ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। काई हावर्ट्ज ने सेमीफाइनल के दूसरे चरण में अपने पूर्व क्लब के खिलाफ स्टॉपेज टाइम में गोल किया, जिससे आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हराया। इस तरह से उसने कुल मिलाकर 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आर्सेनल की टीम ने 2020 से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है, लेकिन इस सत्र में उसने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम प्रीमियर लीग में छह अंकों की बढ़त के साथ 2004 के बाद पहली बार इंग्लिश चैंपियन बनने की दौड़ में है और लगातार आठ जीत के बाद चैंपियंस लीग तालिका में भी शीर्ष पर है। इंग्लिश लीग कप के फाइनल में आर्सेनल का मुकाबला 22 मार्च को मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल से होगा। मैनचेस्टर सिटी की टीम सेमीफाइनल के पहले चरण के बाद 2-0 से आगे है।

अल्बासेटे को बार्सिलोना ने लगातार चौथी बार कोपा के सेमीफाइनल में

मैड्रिड, जेएनएन। लामिन यामल और रोनाल्ड अराैजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप: भारत ने म्यांमार को 5-0 से हराया

किंगदाओ (चीन), जेएनएन। मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला टीम ने बुधवार को ग्रुप वाई के अपने पहले मुकाबले में म्यांमार को 5-0 से हराकर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। तन्वी शर्मा ने सबसे पहले कोर्ट में उतरकर थेट हटर थुजार को केवल 32 मिनट में 21-13, 21-16 से हराया। इसके बाद रक्षिता श्री संतोष रामराज ने दूसरे एकल में ऐंट चिट फू को 21-12, 21-6 से हराकर भारत को 2-0 से बढ़त दिला दी। मालविका बंसोड ने तीसरे एकल मुकाबले में लिन लिन हेट को 21-19, 21-12 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। भारत ने इसके बाद युगल मुकाबलों में भी दबदबा बरकरार रखा और दोनों मैच सीधे गेम में जीते। प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी ने सु लैट और थेट हटर थुजार को 21-15, 21-16 से हराया। इसके बाद त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को हेट और फू की जोड़ी को 21-8, 21-6 से हराने में कोई खास मशक्कत नहीं करनी पड़ी। भारत गुरुवार को अपने दूसरे ग्रुप मैच में पिछली बार के उपविजेता थाईलैंड से भिड़ेगा।

फुटबॉल: भारत ने भूटान को हराया, फाइनल मुकाबला बांग्लादेश से

पोखरा (नेपाल), जेएनएन। भारत की अंडर-17 महिला टीम ने बुधवार को सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में भूटान को 8-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना बांग्लादेश से होगा। भारत के लिए पर्ल फर्नांडिस (16, 39, 41वें मिनट) ने पहले हाफ में हैट्रिक लगाई, जबकि प्लेयर ऑफ द मैच प्रीतिका बर्मन (25, 90वें मिनट) ने भारत के लिए दोनों हाफ में एक-एक गोल किया। अलीशा लिंगदोह (छठे), अभिस्ता बसनेट (10वें) और दिव्यानी लिंडा (17वें) ने एक-एक गोल किया। वहीं बांग्लादेश ने दिन के दूसरे मैच में मेजबान नेपाल को 4-0 से हराया। भारत तालिका में तीन मैच में छह अंक के साथ बांग्लादेश से तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहा। मेजबान टीम तीन अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही, जबकि भूटान बिना किसी अंक के सबसे नीचे रहा। तालिका में शीर्ष दो टीम भारत और बांग्लादेश अब शनिवार को फाइनल में आमने-सामने होंगी।

डब्ल्यूपीएल: खिताबी मुकाबला आज शाम 7:30 बजे से, प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स व जियो हॉट स्टार पर

आरसीबी की निगाह दूसरे खिताब पर हार का सिलसिला तोड़ने उतरेगी दिल्ली

जेएनएन, वडोदरा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेगी, जबकि पिछले तीन बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स खिताबी मुकाबले में हार के मिथक को तोड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन दोनों टीम के हाल के प्रदर्शन को देखते हुए यह निश्चित है कि फाइनल में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उसने लगातार पांच जीत के साथ अभियान की शुरुआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी दूसरा खिताब जीतकर मुंबई की बराबरी करना चाहेगी। दिल्ली के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में बाद में वापसी की और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहते हुए एलिमिनेटर में प्रवेश किया, जहां उन्होंने गुजरात को हराते हुए फाइनल में जगह सुनिश्चित की।

दिल्ली कैपिटल्स: जेमिमा रोड्रिग्स (कप्तान), तानिया भाटिया, (विकेटकीपर), लुसी हैमिल्टन, चिनेले हेनरी, मारिजान काप, अलाना किंग, लिजेल ली, मिन्नू मणि, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, शैफाली वर्मा, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, प्रगति सिंह, एडडला स्रूजाना, लौरा वोलवार्ट।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: स्मृति मंधाना (कप्तान), लॉरेन बेल, नादिन डी क्लर्क, रिचा घोष (विकेटकीपर), ग्रेस हैरिस, दयालन हेमलता, गौतमी नाइक, श्रेयांका पाटिल, कुमार प्रत्योशा, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, सयाली सतघरे, लिन्से स्मिथ, पूजा वस्त्राकर, जॉर्जिया वोल, राधा यादव।

पिच रिपोर्ट : यह पता नहीं चल सका कि यह पिच नई थी या नहीं लेकिन पिच पर काफी घास मौजूद थी। फाइनल से पहले कप्तानों के फोटोशूट के दौरान दोनों टीमों के सपोर्ट स्टाफ ने करीब से पिच को देखा। मंगलवार को उतनी ओस नहीं थी, जितने टूर्नामेंट में वड़ोदरा में शुरू में दर्ज की गई थी। ऐसे में स्पिनर इस मुकाबले में खेल में आ सकते हैं।

टी-20 विश्व कप अभ्यास मैच

इशान-तिलक ने किया प्रभावित, भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 30 रन से हराया

नवी मुंबई, जेएनएन। इशान किशन और तिलक वर्मा की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के अभ्यास मैच में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका को 30 रन से हरा दिया। भारत के 241 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 45), रियान रिकेल्टन (44), एडेन मारक्रम (38), जेसन स्मिथ (35) और मार्को यानसेन (31) की पारियों के बावजूद सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए। इशान ने 20 गेंद में सात छक्कों और दो चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक शर्मा (24) के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 240 रन बनाए। चोट के बाद वापसी कर रहे तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में तीन छक्कों और इतने ही चौकों से 45 रन की पारी खेली। अक्षर पटेल (नाबाद 35), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) और हार्दिक पंड्या (30) ने भी उपयोगी योगदान दिया। उम्मीद है कि इशान सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले टी-20 विश्व कप मैच में अभिषेक के साथ पारी का आगाज करेंगे। लक्ष्य का पीछा करने उतरे दक्षिण अफ्रीका ने पहले ओवर में ही जॉर्ज लिंडे (00) का विकेट गंवा दिया।

जाधवानी-अकील के अर्धशतक से भोपाल की मजबूत शुरुआत

भोपाल, खेप्र। गौरांग जाधवानी (64) और अरहम अकील (62) के अर्धशतक की मदद से भोपाल डिवीजन ने एमवाय मेमोरियल ट्रॉफी सीनियर बॉयज इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट में नर्मदापुरम के खिलाफ मजबूत शुरुआत की। एमपीसीए मैदान पर नर्मदापुरम डिवीजन कल के स्कोर 5/312 रन से आगे खेलते हुए 108.5 ओवरों में 394 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के राहुल चंद्रोल (115) ने शतक जड़ा, जबकि आर्यन देशमुख (60) अर्धशतक बनाकर आउट हुए। भोपाल डिवीजन के सार्थक सोनी ने 4 विकेट झटके। जवाब में भोपाल डिवीजन ने दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट खोकर 229 रन बना लिए। कनिष्क दुबे ने 34 रन बनाए। प्रारब्ध मिश्रा 24 रनों पर नाबाद खेल रहे हैं। टीम अभी 165 रन से पीछे है। नर्मदापुरम के रित्विक दीवान ने तीन और प्रशांत ने 2 विकेट लिए।

भारतीय पुलिस ने जीते पांच गोल्ड, मेजबान मप्र के खाते में आए एक स्वर्ण व दो कांस्य

भोपाल, खेप्र। भारतीय पुलिस के खिलाड़ियों ने 36वीं राष्ट्रीय केनो प्रिंट सीनियर महिला-पुरुष प्रतियोगिता के तीसरे दिन पांच किमी रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते। मेजबान मप्र ने एक स्वर्ण व दो कांस्य पदक अर्जित किए। शहर के छोटे तालाब पर आयोजित प्रतियोगिता में बुधवार को महिला वर्ग में चारों स्वर्ण पदक भारतीय पुलिस ने जीते। मप्र कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ के सचिव मंयक ठाकुर ने बताया कि पुरुष वर्ग के के1 इवेंट में मप्र के वंश शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। इसी स्पर्धा में एसएससीबी के एचए सिंह ने रजत और भारतीय पुलिस के सोनू साहू ने कांस्य पदक जीता। के2 में मप्र के पवन वर्मा व शिवोम यादव की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। एसएससीबी ने स्वर्ण व भारतीय पुलिस ने रजत जीता। सी1 में एसएससीबी के अजीत कुमार ने स्वर्ण, पुलिस के गणेश यदु ने रजत व उप्र के सुधांशु भारतीय ने कांस्य पदक जीता। सी2 में एसएससीबी के अमित व अखिल ने स्वर्ण पदक जीता। महिला सी1 में भारतीय पुलिस की ओवाय देवी ने स्वर्ण, मणीपुर की के सरोज देवी ने रजत व चंडीगढ़ की शिवानी ने कांस्य पदक जीता।

हमीदिया कॉलेज से बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू

भोपाल, खेप्र। हमीदिया प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में दो दिवसीय राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन महिला व पुरुष प्रतियोगिता का बुधवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में सागर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, भोपाल संभाग और छिन्दवाड़ा विवि ने भाग लिया। खेल अधिकारी डॉ. वंदना श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतियोगिता में सात संभागों की 12 टीमों ने भाग ले रही हैं। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ भोपाल एवं नर्मदापुरम के अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद, प्राचार्य डॉ. अनिल शिवानी और प्रो. शरद तिवानी ने किया।

अमेरिकी मीडिया की नजर में भारत-अमेरिका ट्रेड डील: किसे मिला ज्यादा फायदा और क्यों?

विश्लेषकों का मत: भारत पर अमेरिका का 18 प्रतिशत टैरिफ भी बहुत 'ऊंचा'

नई दिल्ली/ वॉशिंगटन, जेएनएन। भारत और अमेरिका के बीच घोषित नई ट्रेड डील को लेकर अमेरिकी मीडिया में तीखी बहस छिड़ी हुई है। सवाल यही है कि यह समझौता किसके पक्ष में ज्यादा झुका हुआ है- भारत या अमेरिका? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित इस डील में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन अमेरिकी और भारतीय विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग 18 प्रतिशत टैरिफ को भी 'ऊंचा' मान रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लेविट ने इसे अमेरिकी कारोबारियों, कामगारों और उपभोक्ताओं की जीत बताया है। वहीं अमेरिकी मीडिया के कई बड़े संस्थानों का कहना है कि डील की शर्तें अभी भी अस्पष्ट हैं और इसके दीर्घकालिक असर पर सवाल बने हुए हैं।

टैरिफ कटौती, क्या वाकई राहत है: ट्रंप ने पहले भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे अब 18 प्रतिशत कर दिया गया है। पहली नजर में यह बड़ी राहत दिखती है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पूर्व संचार सलाहकार पंकज पचौरी ने याद दिलाया कि 2004 तक भारत पर औसत अमेरिकी टैरिफ महज 3.31 प्रतिशत था और 2014 तक यह घटकर 2.93 प्रतिशत रह गया था। ऐसे में 18 प्रतिशत टैरिफ को 'जश्न' का कारण बताना कई विश्लेषकों को खटक रहा है।

कृषि और डेयरी पर अड़चन: ब्लूमबर्ग के अनुसार, भारत का कृषि क्षेत्र काफी हद तक संरक्षित है। अमेरिका आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों और अपने डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलने पर जोर देता रहा है, लेकिन भारत में धार्मिक-सांस्कृतिक कारणों और 7 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका के चलते यह बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है।

भारत को किन क्षेत्रों में लाभ

एबरडीन इन्वेस्टमेंट्स के एशियाई इक्विटीज के वरिष्ठ निवेश निदेशक जेम्स थॉम के मुताबिक, इस डील के बाद अमेरिकी बाजार में भारत के श्रम-प्रधान निर्यात- जैसे कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, खिलौने और फर्नीचर को बढ़त मिल सकती है। 18 प्रतिशत टैरिफ पाकिस्तान (19 फीसदी) से कम है और वियतनाम व बांग्लादेश (20 फीसदी) से भी नीचे है, जिससे भारतीय छोटे-मध्यम उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक फायदा मिलने की उम्मीद है।

अमेरिकी मीडिया की शंकाएं

- न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि डील की घोषणा तो हो गई है, लेकिन कई अहम शर्तें अब भी साफ नहीं हैं। खासतौर पर ट्रंप का यह दावा कि भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर के उत्पाद खरीदेगा, इस पर भारतीय पक्ष की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं आई।
- यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनैंस कॉर्पोरेशन में काम कर चुकीं निशा बिस्वाल के मुताबिक, यह समझौता अमेरिका-भारत संबंधों में एक बड़ी अड़चन को दूर करता है और आगे सहयोग का रास्ता खोल सकता है, लेकिन अमल आसान नहीं होगा।
- ट्रंप का कहना है कि इस डील के तहत भारत रूस से तेल आयात बंद करेगा और उसकी जगह अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक यह रूस-भारत रिश्तों के लिए मुश्किल भरा हो सकता है। क्रेमलिन ने कहा है कि उसे भारत की ओर से रूसी तेल आयात रोकने की कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है।
- सीएनएन की रिपोर्ट बताती है कि वेनेजुएला का तेल तंत्र जर्जर है और रूसी तेल की जगह उसे पूरी तरह लेने में समय व भारी निवेश लगेगा। रूसी तेल आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से लगभग 16 डॉलर प्रति बैरल सस्ता रहा है, जिसे छोड़ना भारत के लिए आर्थिक रूप से आसान नहीं।

एक्सप्रेसवे के जाम में आठ घंटे फंसे उद्योगपति, हेलिकॉप्टर से पहुंचे पुणे

सोशल मीडिया पर साझा कीं जाम की तस्वीरें, बेहतर आपात योजना की मांग

मुंबई/पुणे, जेएनएन। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भीषण ट्रैफिक जाम के बीच एक उद्योगपति को करीब आठ घंटे तक फंसे रहने के बाद हेलिकॉप्टर का सहारा लेना पड़ा। डॉ. सुधीर मेहता जो एका मोबिलिटी और पिनाकले इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जाम की हवाई तस्वीरें साझा कीं और बेहतर आपात योजना की मांग की।

डॉ. मेहता ने लिखा कि एक गैस टैंकर हादसे के कारण लाखों लोग घंटों तक एक्सप्रेसवे पर फंसे रहे। उन्होंने सुझाव दिया कि हाई-स्पीड कॉरिडोर पर अलग-अलग बिंदुओं पर आपातकालीन एग्जिट बनाए जाएं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर खोला जा सके ताकि वाहन वापस लौट सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि आपात निकासी के लिए हेलिपैड बनाना महंगा नहीं है करीब 10 लाख रुपये से कम लागत में और एक एकड़ से कम जगह में इन्हें एक्सप्रेसवे के पास अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने सिविल एविएशन के हेलिकॉप्टर सलाहकार नितिन वेल्डे का धन्यवाद भी किया, जिनकी मदद से वे पुणे पहुंच सके।

प्रोपलीन गैस टैंकर पलटने से लगा था जाम

अधिकारियों के अनुसार मंगलवार शाम करीब 5 बजे रायगढ़ जिले के अदोशी टनल के पास अत्यधिक ज्वलनशील प्रोपलीन गैस ले जा रहा एक टैंकर ढलान पर तेज रफ्तार के कारण पलट गया। इसके बाद गैस रिसाव की आशंका पर मुंबई की ओर यातायात तुरंत रोक दिया गया। इससे मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और पुराने मुंबई-पुणे हाईवे दोनों पर आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई ।जाम 15 घंटे से ज्यादा चला। सैकड़ों वाहन रातभर कतारों में खड़े रहे। महिलाओं और बच्चों सहित यात्रियों को भोजन, पीने के पानी और शौचालय की सुविधाओं की कमी झेलनी पड़ी। प्रशासन ने यात्रियों को लोणावला-खंडाला घाट सेक्शन से बचने और ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार यात्रा करने की सलाह दी है।

तुर्किश एयरलाइंस की फ्लाइट में आग की आशंका

कोलकाता: इमरजेंसी लैंडिंग 236 यात्री थे फ्लाइट में सवार

नई दिल्ली, जेएनएन। तुर्की की विमानन कंपनी तुर्किश एयरलाइन्स की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान को बुधवार को तकनीकी आपात स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद विमान के दाहिने इंजन में आग लगने की आशंका जताई गई। फ्लाइट में कुल 236 लोग सवार थे, जिनमें 11 क्रू मेंबर शामिल थे। एहतियात के तौर पर विमान को सुरक्षित रूप से कोलकाता में आपात लैंडिंग कराई गई। सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक, तुर्किश एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या टीएचवाई-727 ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से दोपहर 1.28 बजे उड़ान भरी थी। टेकऑफ के महज चार मिनट बाद पायलट को दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला।

तिरुपति लड्डू मिलावट मामला

मास्टरमाइंड के लिए बनेगी कमेटी

अमरावती, जेएनएन। तिरुपति मंदिर के पवित्र लड्डू में कथित मिलावट के मामले में आंध्र प्रदेश सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय समीक्षा और असली साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) की पहचान के लिए एक विशेष अल्पकालिक प्रशासनिक समिति गठित करने का फैसला किया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। कैबिनेट ने एसआईटी की रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की।

मणिपुर: वाई खेमचंद सिंह ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

इंफाल, जेएनएन। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर को बुधवार को नई सरकार मिल गई। एक दिन पहले बीजेपी और एनडीए का नेता चुने जाने के बाद वाई खेमचंद सिंह ने लोकभवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। लोकभवन में शपथ समारोह छह बजे रखा गया। मणिपुर में पिछले साल 9 फरवरी को तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। मणिपुर में कुल 356 दिनों तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह के साथ दो डिप्टी सीएम और दूसरे मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष को लेकर पूरे देश की सुर्खियों में रहे मणिपुर में नई सरकार के गठन को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

जेन जी का ऑनलाइन से हो रहा मोह भंग

बढ़ते स्क्रीन टाइम और मानसिक तनाव के बीच जेन जी अब डिजिटल डिटॉक्स की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

स्क्रीन टाइम कम करने का ट्रेंड तेज

टॉकर रिसर्च के 2,000 अमेरिकियों पर हुए सर्वे में 50 फीसदी लोगों ने स्क्रीन टाइम घटाने की बात कही, जिसमें जेन जी सबसे आगे है।

किस पीढ़ी ने कितना स्क्रीन टाइम घटाया

जेन जी: **63%** डिजिटल डिटॉक्स कर रहे हैं

57% मिलेनियल्स

42% जेन एक्स

29% बेबी बूमर्स

डूमस्क्रॉलिंग से दूरी ऑफलाइन लाइफ की ओर रुझान

जेन जी अब सोशल मीडिया कम कर प्राथमिकता दे रहे

- दोस्तों से आमने-सामने बातचीत
- रिश्तों पर फोकस
- ऑफलाइन एक्टिविटीज

फडणवीस नहीं थे विलय की बातचीत में शामिल, कमेंट का अधिकार नहीं: पवार

बारामती, जेएनएन। एनसीपी चीफ शरद पवार ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच विलय की चर्चा में शामिल नहीं थे। इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। बारामती में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरद ने दावा किया कि एनसीपी नेता जयंत पाटिल और उनके भतीजे और एनसीपी चीफ अजित पवार विलय की बातचीत का नेतृत्व कर रहे थे। शरद पवार ने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ली है। दरअसल सीएम फडणवीस ने पिछले दिनों कहा था कि अगर एनसीपी मर्जर की बातचीत सच में चल रही होती, तो अजित पवार ने उनके साथ यह बात शेयर की होती। पवार और उनकी पार्टी के नेताओं ने दावा किया था कि विलय के लिए 12 फरवरी की तारीख तय की थी। शरद ने कहा, फिलहाल हमारा पूरा ध्यान सभी लोगों का ख्याल रखने पर है।

मंगलवार को राजधानी दिल्ली में 3 हत्याएं

नई दिल्ली, जेएनएन। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को हत्या के तीन मामले सामने आए। पहली घटना कनॉट प्लेस की है, जहां रात में एक पार्टी में गए 36 साल के बिजनेसमैन की तीन फूड डिलीवरी राइडर्स ने हेलमेट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। दिल्ली के गुलाबी बाग में एक 17 साल के लड़के ने एक रेलवे कर्मचारी पर गैस सिलेंडर से हमला किया और फिर उसका गला काट दिया। वहीं, तीसरी घटना दिल्ली के पांडव नगर इलाके की है।

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

नई दिल्ली, जेएनएन। लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। जिंटान शहर में उनके घर पर चार हमलावरों ने हमला किया और उन्हें मार डाला। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी के वकील खालिद अल-जैदी और राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी मौत की जानकारी दी। हालांकि शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई। सैफ अल-इस्लाम की मौत को लेकर उनकी बहन ने अलग ही दावा किया है। सैफ अल-इस्लाम की मौत लीबिया-अल्जीरिया सीमा के पास हुई।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG
RATE 500/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

कार्यालय नगर पालिका परिषद हरदा जिला- हरदा (म.प्र.)

क्र. 724/लो.नि./2026 हरदा, दिनांक 04/02/26

द्वितीय ई-निविदा सूचना

Tender Notice No.- 2026_UAD_470828_2 Date: 03-02-2026 कार्य का नाम :- कायाकल्प 1.0 अंतर्गत निर्मित विभिन्न बिटूमिन रोड मरम्मत कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा अनुमानित लागत क्रमशः Rs. 15,87,975.00 अमानत राशि Rs. 11910 ई-निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समय 04.02.2026 से 10.02.2026 तक तथा ई-निविदा 10.02.2026 को समय 05:30 PM बजे तक खोली जायेगी। निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता: WWW.MPTENDRS.GOV.IN

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद हरदा

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION SAGAR
Ph. No.- 07582-229454, Fax- 07582-224553, Email: commsagar@mpurban.gov.in

NIT No: NN/PWD/Sagar/e-tender/2026/46 Sagar, Date- 3/2/26

:: NOTICE INVITING ONLINE E-TENDER::

Online tenders are invited from contractors registered in the centralized system for the following Work:-

Online Tender No.	Name of work	Probable amount of contract (In Rupees)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rupees)	Cost of Bid Document (In Rupees)	Category 0f Contractor	Period of Completion
2026_UAD_479546_1	CONSTRUCTION OF FIRE STATION NEAR BAMHORI TIRAHA, SAGAR	1,69,53,351/-	84,767/-	12,500/-	Appropriate Category	06 Month

1. Interested bidders can view the NIT on website https://mptenders.gov.in Under Directorate Urban Administration and Development Department.
2. The Bid Document can be purchased and submitted only online from 04.02.2026, 10:30 am to 05.03.2026, 05:30 pm.
3. Sagar Municipal Corporation, reserves all the rights to accept/reject any/all bid(s) without assigning any reason thereof.

Commissioner
Municipal Corporation Sagar
District Sagar (M.P.)

केनरा बैंक Canara Bank भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking सिंडिकेट Syndicate
क्षेत्रीय कार्यालय-1 पर्यावास भवन, भोपाल
ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

चल एवं अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित चल एवं अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय निम्नवर्णित दिनांक को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहां है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	बकाया राशि	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
केनरा बैंक गुलमोहर शाखा, भोपाल फोन : (Ph. No 8989989121) e-mail id : cb2625@canarabank.com Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC- CNRB0002625			
ऋणी- श्री गुलाब सिंह पाल पुत्र राम भरोसे पाल जमानतदार-श्री जसवन्त सिंह चौहान पुत्र छतर सिंह चौहान	दिनांक 04.07.2024 को ₹ 27,98,724.6/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	रिहायशी भूमि एवं भवन, क्षेत्रफल-1500 वर्गफिट, तीन मंजिला भवन स्थित वार्ड नं. 8, खसरा नं. 346/1/2, मंडीदीप, तहसील-गौहरगंज जिला-रायसेन (म.प्र.) चर्तुसीमाएं- पूर्व- नगर पालिका की रोड, पश्चिम- मंदिर, उत्तर- खुली भूमि, दक्षिण- चंदर पाल का मकान	₹ 31,50,000/- ₹ 3,15,000/- ₹ 10000/-
एम.पी. नगर शाखा, भोपाल (Ph. No 917838742422) e-mail id : cb2073@canarabank.com EMD Deposit A/c No 209272434 IFSC Code: CNRB0002073			
ऋणी-श्रीमती रोशनी सिंह पुत्री श्री रतन सिंह राजपूत जमानतदार-अभिनव चक्रधर पुत्र स्व.श्री ए. एस. चक्रधर	₹ 35,53,872.8/- +दि. 04.07.2024 से ब्याज एवं अन्य खर्चे	डुप्लेक्स भवन स्थित रिहायशी प्लाट नं. 27, सांई होम्स, करारिया फार्म, कोच फैक्ट्री, वार्ड नं. 67, ग्राम- करारिया, भोपाल क्षेत्रफल- 594 वर्गफिट चर्तुसीमाएं- पूर्व- अन्य का मकान, पश्चिम- रोड, उत्तर-अन्य का मकान, दक्षिण- प्लाट नं. 28	₹ 16,50,000/- ₹ 1,65,000/- ₹ 10000/-
ऋणीः श्री अर्जुन सिंह चौहान C/o विजय सिंह चौहान सहऋणीः श्रीमती विशाखा चौहान पत्नि अर्जुन सिंह चौहान	₹ 17,97,462/- + दिनांक 26.03.2025 से ब्याज एवं अन्य खर्चे	बंधक संपत्ति स्थित आवासीय फ्लैट क्रमांक 601 ब्लॉक, निर्मलम (F+G) छठी मंजिल आशिमा रॉयल सिटी, फ्लैट क्षेत्रफल 745.54 वर्गफीट, वार्ड क्रमांक 85 भोपाल तहसील हुजूर जिला - भोपाल (म.प्र.) प्लाट की चर्तुसीमाएं- पूर्व- कॉरिडोर/फ्लैट क्रमांक 606, पश्चिम- रोड, उत्तर- आन्या ब्लॉक, दक्षिण- फ्लैट क्रमांक 602 संपत्ति मालिक-श्री अर्जुन सिंह चौहान C/O श्री विजय सिंह चौहान	₹ 29,50,000/- ₹ 2,95,000/- ₹ 10000/-
केनरा बैंक, भौरी शाखा, भौरी फोन : 919687673142 e-mail id : cb4725@canarabank.com Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC- CNRB0004725			
ऋणीः श्री कमलेश कुमार पुत्र राम हेत जमानतदार- श्री मनोज कुमार पुत्र धरमिन्दर यादव	दिनांक 24.09.2024 को ₹ 1808626/- +ब्याज एवं अन्य खर्चे	बंधक संपत्ति रिहायशी मकान नं. 165, स्थित खसरा नं. 316, 317, 318, 320, 323 कुल रकबा 3.20 हेक्टेयर का भाग, रॉयल पार्क, ग्राम नीलबड पटवारी हल्का नं. 35, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. मकान नं. 165 कुल क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट चर्तुसीमाएं: पूर्वः प्लॉट नं.166, पश्चिमः प्लॉट नं.164, उत्तरः सड़क, दक्षिणः दूसरों की जमीन, मालिक-श्री कमलेश कुमार पुत्र श्री राम हेत	₹ 13,84,000/- ₹ 1,38,400/- ₹ 10000/-
केनरा बैंक, बैरसिया शाखा, बैरसिया (Ph. No 919827214021) e-mail id : cb3176@canarabank.com Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC- CNRB0003176			
ऋणी-श्री सुरेन्द्र कुमार यादव पुत्र गरीबदास यादव एवं श्री अशोक कुमार साहू पुत्र राजाराम	दिनांक 13.02.2022 को ₹ 20,40,126.92 +ब्याज एवं अन्य खर्चे	रिहायशी प्लाट पर निर्मित मकान स्थित खसरा नं. 43/2 का भाग, ग्राम-सेमराकलां, तहसील बैरसिया, जिला-भोपाल क्षेत्रफल- 2000 वर्गफिट चर्तुसीमाएं- उत्तर- उत्तर- विक्रेता की संपत्ति, पूर्व- विक्रेता की संपत्ति, दक्षिण- खुला, पश्चिम- रोड	₹ 15,86,000/- ₹ 1,58,600/- ₹ 10000/-
केनरा बैंक अरेरा कालोनी शाखा, भोपाल e-mail id : cb1471@canarabank.com Contact No. : 917004895868/8449087876, Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC Code: CNRB0001471			
ऋणीः मेसर्स जॉय लॉजिस्टिक्स प्रोपराइटरः श्री चन्द्रशेखर वर्मा बंधककर्ता / जमानतदार : श्री चन्द्रशेखर वर्मा पुत्र श्री राम प्रताप वर्मा	₹ 20,94,923.97/- +दि. 16.06.2025 से ब्याज एवं अन्य खर्चे	आवासीय फ्लैट क्रमांक 502, ब्लॉक जमुना, पांचवीं मंजिल, 'चिनार ड्रीम सीटी', स्थित ग्राम-हनुमंता नरेला और रतनपुर सड़क, वार्ड-84, होशंगाबाद रोड, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) चर्तुसीमाएं: पूर्वः फ्लैट क्रमांक 501, जमुना, पश्चिमः फ्लैट क्रमांक 503, जमुना, उत्तरः फ्लैट क्रमांक 507, जमुना, दक्षिणः खुला	₹ 15,00,000/- ₹ 1,50,000/- ₹ 10000/-
		आवासीय फ्लैट क्रमांक एस.एफ.-16, द्वितीय तल, खसरा क्रमांक 532/6, 532/7, 532/3, 532/4 एवं 532/1/1/1 का भाग, 'रॉयल पार्क सिटी', काशी पार्क सिटी, काशी, ब्लॉक-ए, वार्ड क्रमांक 23, मंडीदीप, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.) चर्तुसीमाएं- पूर्वः कॉमन कॉरिडोर, पश्चिमः कॉलोनी रोड, उत्तरः कॉलोनी रोड, दक्षिणः फ्लैट क्रमांक एस.एफ.-17,	₹ 11,50,000/- ₹ 1,15,000/- ₹ 10000/-
केनरा बैंक होशंगाबाद शाखा (Ph. No 7080725570) e-mail id : cb2367@canarabank.com Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC- CNRB0002367			
ऋणी एवं बंधककर्ता- श्री हरेराम चौहान पुत्र श्री किशोरीलाल चौहान जमानतदारः श्री ओम प्रकाश दुबे C/O श्री एस के गोड़	₹ 13,78,095.96/- +दि. 04.05.2023 से ब्याज एवं अन्य खर्चे	बंधक संपत्ति आवासीय प्लॉट नं. 36, क्षेत्रफल 840 वर्गफीट, अर्थात 78.06 वर्गमीटर डायवर्टेड खसरा नंबर 39/6, 40/2, 40/5, 41/1, 41/2, 41/4, 41/8, 41/9, 41/10, 41/11, 41/12, 41/13, 41/16, 41/17, 41/18, 42/2 में से मौजा डोंगरी म्युनिसिपल वार्ड नं. 18, होशंगाबाद पी.सी. नं. 17, सेटलमेंट नंबर 125, तहसील एवं जिला होशंगाबाद, म.प्र. चर्तुसीमाएं- पूर्वः प्लॉट नं. 41, पश्चिमः कॉलोनी रोड, उत्तरः प्लॉट नं. 37, दक्षिणः प्लॉट नं. 35	₹ 18,50,000/- ₹ 1,85,000/- ₹ 10000/-
ऋणी एवं बंधककर्ताः 1) मेसर्स विनायक ट्रेडिंग कंपनी प्रोपराइटरः श्री लाल सिंह राजपूत पुत्र मोहन सिंह सहबाध्यकारी/ऋणी/ बंधककर्ता 3) श्रीमती सुलोचना राजपूत पत्नि लाल सिंह राजपूत	₹ 61,43,274.38 + दिनांक 07.09.2024 से ब्याज एवं अन्य खर्चे	एक डायवर्टेड प्लॉट एरिया 0.08 एकड़ 1750 वर्गफीट अर्थात 162.63 वर्गमीटर भवन सहित (आवासीय एक मंजिला मकान) डायवर्टेड खसरा क्रमांक 97/3 स्थित मौजा आरी पी.सी. क्रमांक 15/08 तहसील-बाबई, जिला होशंगाबाद म.प्र. चर्तुसीमाएं: पूर्व- सांगाखेड़ा रोड, पश्चिम- शेष क्षेत्र, उत्तर- मनोज और चेतन कुमार का क्षेत्र, दक्षिण- नत्थू ठाकुर का क्षेत्र	₹ 16,80,000/- ₹ 1,68,000/- ₹ 10000/-
केनरा बैंक, इटारसी शाखा, इटारसी e-mail id : cb2382@canarabank.com Authorised Officer : 8895416219 Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC- CNRB0002382			
ऋणीः मेसर्स प्रिंस किराना एवं जनरल स्टोर प्रो. रवि मिहानी पुत्र दिलीप कुमार मिहानी जमानतदारः (1) श्रीमती हेमलता मिहानी पत्नि दिलीप कुमार (2) पूजा मिहानी पुत्री दिलीप मिहानी (3) श्रीमती प्रिया मिहानी पुत्री दिलीप मिहानी	दिनांक 07.01.2025 को ₹ 23,40,205.23/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	रिहायशी संपत्ति स्थित म्यूटेशन रिकॉर्ड के अनुसार प्लॉट क्रमांक 58 एवं 15, प्लॉट क्रमांक 58/30, शीट क्रमांक 36, लाइन क्रमांक 02, साई मैरिज गार्डन के सामने नया वार्ड क्रमांक 20 इटारसी, तहसील-इटारसी जिला नर्मदापुरम, म.प्र. क्षेत्रफल-750 वर्गफीट चर्तुसीमाएं: उत्तरः सड़क, दक्षिणः श्री धुरीलाल का मकान, पूर्वः सड़क, पश्चिमः श्री हाजी जी की भूमि	₹ 22,00,000/- ₹ 2,20,000/- ₹ 10000/-
धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 20-02-2026, सुबह 11.30 बजे तक या उससे पूर्व ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 20-02-2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 1.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)			
केनरा बैंक होशंगाबाद शाखा (Ph. No 7080725570) e-mail id : cb2367@canarabank.com Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC- CNRB0002367			
ऋणी : मेसर्स श्री राम कन्सट्रक्शन प्रोपराइटर- श्री अनिल अहिरवार	₹ 14,94,099.62 + दिनांक 31.03.2021 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	संपत्ति का समस्त भू भाग स्थित दुकान नं. एल-13, डायवर्टेड सर्वे नं. 363/3, अमृत परिसर, मौजा-मालाखेड़ी, वार्ड नं. 8, होशंगाबाद म.प्र.- 461001, उपजिला- होशंगाबाद एवं जिला- होशंगाबाद में पंजीकृत चर्तुसीमाएं- उत्तर-रोड, दक्षिण- कॉरिडोर, पूर्व- दुकान नं. एल-14, पश्चिम- गौर साहब का मकान	₹ 9,50,000/- ₹ 95,000/- ₹ 10000/-
एम.पी. नगर शाखा, भोपाल (Ph. No 917838742422) e-mail id : cb2073@canarabank.com EMD Deposit A/c No 209272434 IFSC Code: CNRB0002073			
ऋणी- श्रीमती रूपा सिंह @ रूपाली सिंह C/o श्री दिग्विजय सिंह जमानतदार/बंधककर्ताः श्री दिग्विजय सिंह पुत्र श्री हमीर सिंह	04.08.2025 / 16.10.2025 ₹ 12,01,141/- +ब्याज एवं अन्य खर्चे	मकान स्थित खसरा नं. 182/1/2, कुल क्षेत्रफल 929.37 वर्गमीटर ग्राम-मडगई, पटवारी हल्का संख्या 32, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल (मध्य प्रदेश) चर्तुसीमाएँ-पूर्व- विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिमः विक्रेता की शेष भूमि, उत्तरः नाला, दक्षिणः कच्चा रास्ता ।संपत्ति मालिक-श्रीमती रूपा सिंह @ रूपाली सिंह पत्नि श्री दिग्विजय सिंह	₹ 39,10,000/- ₹ 3,91,000/- ₹ 10000/-
केनरा बैंक गोविन्दपुरा शाखा, भोपाल (Ph. No 09340090889) e-mail id : cb3457@canarabank.com Collection A/c for EMD - 209272434, IFSC Code: CNRB0003457			
ऋणी एवं बंधककर्ता : मेसर्स रवि इंजीनियरिंग वर्क्स द्वारा प्रोपराइटर-श्री रवि शंकर पुत्र श्री सोमाशेखरन जमानतदार एवं बंधककर्ताः श्रीमती बिन्नी शंकर पत्नि श्री रवि शंकर	दि. 05.06.2025 को ₹ 10859262/- +ब्याज एवं अन्य खर्चे	चल संपत्ति : प्लाट नं. 3, बी-सेक्टर-बी, इण्डस्ट्रियल एरिया गोविन्दपुरा, भोपाल पर स्थित प्लांट एवं मशीनरी (मशीनरी का विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है।)	₹ 1,35,00,000/- ₹ 13,50,000/- ₹ 10000/-
धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 23-02-2026, सुबह 11.30 बजे तक या उससे पूर्व ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 23-02-2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 1.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)			

E-Auction login Website: M/s PSB Alliance (Ebkray) Helpdesk No. 8291220220 Email : support.ebkray@psballiance.com, Website : https://BAANKNET.com

नीलामी की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया केनरा बैंक की वेबसाइट https://www.canarabank.com में "E-Auction" की लिंक देखें अथवा उपरोक्त वर्णित संबंधित शाखाओं के प्रबंधक अथवा प्राधिकृत अधिकारी अथवा केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय -1, वसूली विभाग फोन : 7081160770, email id: recrobpl@canarabank.com से कार्यालयीन समय एवं कार्यालयीन दिवस में संपर्क करें।

स्थान : भोपाल दिनांकः 03-02-2026 प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

पेंच पार्क में चार शावकों के साथ दिखी बाघिन

जागरण, सिवनी। प्रसिद्ध पेंच टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को जुगनी बाघिन अपने चार शावकों के साथ बेखौफ अंदाज में चहलकदमी करती नजर आई, जिसका वीडियो सामने आया है। सफारी पर निकले पर्यटकों की जिप्सी जैसे ही एक वन मार्ग से गुजर रही थी, जुगनी बाघिन और 4 शावक कच्ची सड़क पार करते हुए जंगल की ओर बढ़ते दिखे। इस रोमांचक नजारे को देखकर पर्यटकों में खासा उत्साह देखा गया।

महादेव मेले में स्लीपर बसों पर रोक की मांग

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले में परिवहन विभाग के सचिव एवं प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने बस ऑपरेटर्स के साथ बैठक कर परिवहन व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में ऑपरेटर्स ने महादेव मेले के दौरान स्लीपर कोच बसों पर रोक और बिना परमिट चल रही बसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। साथ ही छिंदवाड़ा से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा जल्द शुरू करने पर चर्चा हुई।

''ट्वीट ऑफ द डे''

निर्मला सीतारमण
वित्त मंत्री

बजट में कृषि और ग्रामीण रोजगार के लिए पारंपरिक समर्थन के साथ-साथ उभरती श्रम बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कौशल विकास और युवा-केंद्रित प्रशिक्षण ढांचे को नए सिरे से बढ़ावा देने का प्रावधान है। एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए युवाओं को प्रशिक्षण देने, उन्हें उद्यमी बनने के अवसर प्रदान करने और इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान किए गए हैं कि इन सभी चीजों में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) को नजरअंदाज न किया जाए।

अवैध खनन रोकने वाले अफसरों और कर्मचारियों पर नहीं थम रहे हैं हमले

विपक्ष ने मामले को विधानसभा में जोरशोर से उठाने की तैयारी की, अफसरों ने किया जीरो टॉलरेंस का दावा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में खनन माफिया द्वारा सरकारी अफसरों और कर्मचारियों पर हमले कम नहीं हो रहे हैं। ऐसी घटनाओं का सटीक आंकड़ा तक शासन के गृह और खनिज विभाग के पास नहीं है। इधर, विपक्ष ने भी आगामी विधानसभा सत्र में इस मामले को जोर-शोर से उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस तरह की वारदातें मुख्य रूप से अवैध रेत या खनन रोकने के दौरान होती हैं, जिसमें ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर, पिटाई, धमकी और फायरिंग शामिल हैं। अधिकांश मामले भिंड, शहडोल, जबलपुर, श्योपुर, दतिया, छतरपुर जैसे जिलों में हुए हैं। जानकारी के मुताबिक माफिया मुख्य रूप से चंबल, यमुना, नर्मदा, सोन नदियों के खनन वाले इलाकों में सक्रिय हैं। हालांकि सरकार ने सैटेलाइट निगरानी और सख्ती के दावे किए, लेकिन इसके बाद भी हमलों पर प्रभावी रोक नहीं लग सकी है।

अब पुलिस के पहरे में छापेमारी, कई रास्ते बंद : इस तरह की घटनाओं के बाद प्रदेश सरकार ने जिले के प्रशासनिक और पुलिस अफसरों को सख्ती से कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद जहां कई जिलों में प्रशासन और खनन की टीमों के साथ पुलिस फोर्स को अवैध खनन रोकने तैनात किया गया है, वहीं कुछ जिलों में अवैध खनन लेकर गुजरने वाले ऐसे रास्तों को बंद किया गया है, जहां से शिकायतें आती थीं। ग्वालियर-चंबल और अन्य राज्यों की सीमा से सटे प्रदेश के जिलों में अवैध परिवहन को लेकर लगातार चैकिंग शुरू कर दी गई है। जिन जिलों में अवैध खनन को लेकर अधिक शिकायतें आ रही हैं, वहां जिला प्रशासन और पुलिस मिलकर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक्शन लेने का दावा कर रहे हैं। इससे पहले भी अवैध खनन में जुटे माफिया द्वारा कई आला अफसरों समेत सरकारी कर्मचारियों पर हमले जैसी गंभीर वारदातें होती रही हैं।

बीते एक साल में अवैध खनन पर कार्रवाई के दौरान हुईं घटनाएं

- **जनवरी 2025, भिंड:** रेत माफिया ने राजस्व अधिकारियों पर हमला किया, अवैध खनन जांच के दौरान।
- **जून 2025 छतरपुर:** रेत माफिया ने माइनिंग टीम को घेरा, अधिकारी पर हमला कर ट्रैक्टर ले भागे।
- **दिसंबर 2025 भिंड (लहार):** रेत माफिया ने एसडीएम विजय यादव की गाड़ी को रेत से लदी ट्रॉली से टक्कर मारी, वाहन क्षतिग्रस्त। यह एक साल में भिंड में तीसरा बड़ा हमला। इससे पहले खनिज विभाग और इंस्पेक्टर पर हुए थे हमले।
- **दिसंबर 2025, शहडोल (देवलौंद):** अवैध रेत खनन रोकने पहुंचे रेंजर की माफियाओं ने की बेरहमी से पिटाई, 5 आरोपियों पर केस। इस इलाके में पहले अवैध खनन को लेकर पटवारी और एएसआई की हत्या तक हो चुकी है।
- **2025 में जबलपुर:** खनन कारोबारी रोहित जैन ने तहसीलदार को डंपर से कुचलने की धमकी दी।
- **दिसंबर 2025 श्योपुर:** चंबल घड़ियाल अभयारण्य की टीम पर हमला, अवैध रेत डंपर जब्त करने पर माफिया ने की मारपीट।
- **जनवरी 2026 दतिया:** रेत रायल्टी चेक पोस्ट पर माफिया का आपसी विवाद, दो गुटों की फायरिंग में एक की मौत और दो घायल।

> एसडीएस पर हमले जैसी बात नहीं हुई, ट्रेक्टर ड्राइवर चलते वाहन से कूद गया था। हालांकि अवैध खनन को रोकने के लिए सख्त इंतजाम किए गए हैं। अवैध खनन रोकने के लिए लगातार कार्रवाई जारी है। मंगलवार को भी सात हाइवा जब्त किए हैं।
>
> ● **किरोड़ी लाल मीणा,** कलेक्टर भिंड
> मैंने अभी हाल ही में ज्वाइन किया है। अवैध माइनिंग पर सख्ती से लगाम लगाने के तमाम प्रयास किए जाएंगे।
> ● **चैत्रा एन,** आईजी शहडोल

> श्योपुर में अवैध खनन माफिया पर सख्त एक्शन ले रहे हैं। पूर्व में हुई घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। चंबल नदी के आसपास के इलाकों में वन विभाग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और घाटों से निकलने वाले ऐसे रास्तों को ब्लॉक किया है, जहां से अवैध रेत परिवहन होता है।
>
> ● **सुधीर अग्रवाल**
> एसपी श्योपुर

मरम्मत के नाम पर 4.20 करोड़ का गबन
बिना काम ठेकेदार को भुगतान तीन प्रभारी प्राचार्य हुए सस्पेंड

जागरण, सतना। स्कूलों के निर्माण और मरम्मत की राशि के नाम पर भ्रष्टाचार के मामले में अब जाकर कार्रवाई हुई है। मैहर के रामनगर विकासखंड में स्कूलों की मरम्मत और निर्माण कार्य के लिए मिली राशि में गबन का मामला सामने आया था। मामले की जांच के बाद लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश पर तीन प्रभारी प्राचार्य और एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया है। मामला करीब 4 करोड़ 20 लाख रुपए के गबन से जुड़ा है। संयुक्त संचालक, रीवा ने शासकीय हाईस्कूल मनकहरी के प्रभारी प्राचार्य राजेश कुमार साकेत, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिरहाई के प्रभारी प्राचार्य रामाधार वर्मा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझटोलवा के प्रभारी प्राचार्य कामता प्रसाद तिवारी को निलंबित किया है। तीनों का मूल पद माध्यमिक शिक्षक है और उनका मुख्यालय बीईओ कार्यालय अमरपाटन तय किया है। इस मामले में सांदीपनि स्कूल रामनगर में पदस्थ कर्मचारी विनोद कुमार पटेल को भी निलंबित किया है, उन पर दैयक तैयार कर कोषालय में लगाने में लापरवाही बरतने का आरोप है। डीईओ ने उनका मुख्यालय बीईओ कार्यालय मैहर निर्धारित किया है। यह पूरा मामला मैहर कलेक्टर रानी बाटड के संज्ञान में आया था। जांच समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद कलेक्टर ने कार्रवाई का प्रस्ताव कमिश्नर रीवा और संयुक्त संचालक रीवा को भेजा था। इसी रिपोर्ट के आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि रामनगर विकासखंड के 18 स्कूलों में कुल 4 करोड़ 20 लाख रुपये की राशि का दुरुपयोग किया गया है। कई जगह बिना कोई काम कराए ही ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

'धुरंधर' का धमाका
4 करोड़ टिकट बिके, आमिर शाहरुख, सनी को पछाड़

नई दिल्ली, जेएनएन। धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के 59 दिनों में देशभर में 4 करोड़ (40 मिलियन) दर्शकों को थिएटर तक खींच लिया। यह फुटफॉल भारतीय सिनेमा के लिए बीते 24 सालों में सबसे बड़ा माना जा रहा है, जिससे फिल्म ने एक साथ 15 बड़ी फिल्मों का गुमान तोड़ दिया। 59 दिनों में फिल्म ने भारत में 836.95 करोड़ नेट, 1004 करोड़ ग्रॉस (इंडिया) और 299 करोड़ ओवरसीज के साथ कुल 1303 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। फुटफॉल के मामले में 'धुरंधर' 4 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली 19वीं भारतीय फिल्म बन गई है। हालांकि वह 'शोले', 'बाहुबली 2', 'मुगल-ए-आजम' और 'मदर इंडिया' जैसे टॉप-4 रिकॉर्ड (10 करोड़ टिकट) को नहीं तोड़ पाई, लेकिन 'दंगल', 'जवान', 'बॉर्डर', 'पीके' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी दिग्गज फिल्मों को पीछे छोड़ने में सफल रही। ट्रेड एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 2001 में 'गदर: एक प्रेम कथा' के बाद यह पहली फिल्म है जिसने इतना बड़ा फुटफॉल दर्ज किया। इस बीच, 3 फरवरी को 'धुरंधर 2' का टीजर भी जारी हो चुका है, जिसने सीक्वल के लिए उत्साह बढ़ा दिया है।

कांफ्रेंस में आई सिक्किम की डॉक्टर ने तोड़ा दम

जागरण, इंदौर। प्रदेश के इंदौर में शनिवार को यूरोलॉजी की इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान महिला डॉ. त्सेरिंग (डोमा) भूटिया की प्रेजेंटेशन के दौरान तबीयत बिगड़ी थी और वे गिर गई थीं। चार दिन तक चले इलाज के बाद उनकी बुधवार तड़के मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी जिसके चलते वह वेंटिलेटर पर थीं। घटना वाले दिन मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने उन्हें तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें लाइफ केयर हॉस्पिटल ले जाया गया था। यहां से अपोलो हॉस्पिटल रैफर किया था। यहां जांच में पता चला कि उन्हें पहले से ही ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी। यह ब्रेन की नस का कमजोर हिस्सा होता है, जो अचानक फटने पर तेज ब्लीडिंग का कारण बनता है।

'के-टास्क' गेम: जिसने ले ली तीन मासूमों की जान

नई दिल्ली, जेएनएन। गाजियाबाद की दर्दनाक घटना ने देशभर में अभिभावकों और शिक्षकों को झकझोर दिया है। एक ही परिवार की तीन नाबालिग बहनों की मौत के मामले में पुलिस जांच से सामने आया कि वे एक ऑनलाइन कोरियन टास्क-बेस्ड गेम, जिसे अनौपचारिक तौर पर 'के-टास्क' कहा जा रहा है, की अत्यधिक लत का शिकार थीं। यह सिर्फ एक गेम नहीं, बल्कि बच्चों को मानसिक रूप से जकड़ लेने वाला एक खतरनाक डिजिटल जाल बनता जा रहा है।

क्या है 'के-टास्क' गेम?: 'के-टास्क' कोई एक आधिकारिक ऐप नहीं, बल्कि ऐसे कई ऑनलाइन गेम्स और चैट-आधारित प्लेटफॉर्म्स का पैटर्न है, जो कोरियन कल्चर, रोमांस और 'सीक्रेट टास्क' के नाम पर बच्चों को जोड़ते हैं। शुरुआत में ये गेम्स मासूम टास्क देते हैं, जैसे देर रात तक जागना, निजी बातें साझा करना या किसी 'वर्चुअल कैरेक्टर' से भावनात्मक जुड़ाव बनाना। धीरे-धीरे टास्क कठिन और मानसिक दबाव वाले हो जाते हैं।

पिता ने की दो शादियां तीनों को मोबाइल लत

नई दिल्ली/गाजियाबाद, जेएनएन। गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने कहा कि बच्चियों के पिता चेतन कुमार ने दो शादियां की थीं और परिवार में पांच बच्चे थे। सभी गाजियाबाद स्थित एक ही मकान में रहते थे। बुधवार तड़के तीनों बहनों ने अपने नौवीं मंजिल के फ्लैट से कूदकर जान दे दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच मोबाइल फोन की लत और एक कोरियाई टास्क-बेस्ड इंटरैक्टिव 'लव गेम' के संभावित प्रभाव के संदर्भ में की जा रही है।

छतरपुर में 30 हजार करोड़ के माइनिंग घोटाले के आरोप में जवाब-तलब

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने छतरपुर में 30 हजार करोड़ के माइनिंग घोटाले के आरोप पर जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में खनिज स्रोत विभाग के सचिव, मप्र स्टेट माइनिंग कारपोरेशन के एमडी, कलेक्टर छतरपुर सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। जनहित याचिकाकर्ता छतरपुर की ग्राम पंचायत भैरा के सरपंच शिवराम दीक्षित व दिलीप सिंह की ओर से अधिवक्ता अंकित सक्सेना ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि अनूपपुर की किसान मिनरल्स प्रायवेट लिमिटेड ने स्टेट माइनिंग कारपोरेशन के साथ 2007 में संयुक्त समझौता किया था। इसके तहत कंपनी को हर साल रायल्टी और डेवलपमेंट फीस जमा करनी थी। वर्ष 2021 में जांच के बाद कंपनी पर 19 करोड़ रुपये की रायल्टी निकाली।

वाहन गिरवी रख करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी

ग्वालियर-इंदौर में 6.5 करोड़ की 54 लग्जरी कारें जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश पुलिस ने इंदौर और ग्वालियर में जालसाजों के दो ऐसे नेटवर्क को ध्वस्त किया है, जो किराये पर कार लेकर करोड़ों का लोन ले रहे थे। पुलिस ने इन दोनों गिरोहों के मास्टर माइंड को गिरफ्तार कर 6 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक कीमत की 54 लग्जरी कारें बरामद कर ली हैं। पहला मामला इंदौर का है। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी करने वाले शातिर संजय कालरा को हिरासत में लिया है। वह 11 महीने का एग्रीमेंट कर वाहन मालिकों को अपनी बातों में फंसाकर उनसे 11 महीने का लिखित अनुबंध कर कारें किराये पर लेता था। शुरुआत के दो-तीन महीने तक कालरा समय पर किराया देकर मालिकों का भरोसा जीत लेता और बादल में वाहनों से उनका जीपीएस सिस्टम हटा देता था, ताकि उनकी लोकेशन ट्रैक न हो सके. इसके बाद वह इन कारों को गिरवी रखकर लोन ले लेता था। जब 40 से अधिक वाहन मालिकों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, तब पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोचा। आरोपी पर 5 करोड़ रुपए की 39 कारें बरामद की हैं। आरोपी ने इन कारों को गिरवी रख लगभग दो करोड़ का लोन ले रखा है।

टिफिन सेंटर संचालक निकला मास्टरमाइंड

इसके अलावा ग्वालियर में क्राइम ब्रांच ने 23 साल के जालसाज अभय भदौरिया को गिरफ्तार किया है, जो दो साल पहले तक टिफिन सेंटर चलाता था। आरोपी खुद को अवंटेक्स इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड का मैनेजर बताकर लोगों पर रौब झाड़ता था। वह सरकारी विभागों में लग्जरी गाड़ियों को अटैच करने का झांसा देकर लोगों से गाड़ियां किराये पर लेता था। हद तो तब हो गई जब उसने फर्जी दस्तावेज तैयार कर नकली मालिक खड़े किए और इन कारों को 2 से 5 लाख रुपये में गिरवी रख दिया। शताब्दीपुरम निवासी एक फरियादी की शिकायत पर जब जांच शुरू हुई तो पता चला कि आरोपी ने 85 हजार रुपये महीने तक का किराया देने का लालच देकर करोड़ों की ठगी की है। ग्वालियर पुलिस ने मोबाइल ट्रैकिंग और जीपीएस की मदद से 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की 17 लग्जरी कारें बरामद कर ली हैं। एसएसपी ग्वालियर के अनुसार इस मामले में उन लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी जिन्होंने फर्जी मालिक बनकर दस्तावेज तैयार करने में आरोपी की मदद की।

सॉफ्टवेयर में हेराफेरी से 1.23 करोड़ का घोटाला

राजगढ़ के जीरापुर उप-डाकघर का मामला, सब पोस्ट मास्टर के खिलाफ ईडी ने पेश किया चालान

मुख्य संवाददाता, भोपाल । डाकघर के बैंकिंग सॉफ्टवेयर में हेराफेरी कर 1 करोड़ 23 लाख की सरकारी राशि का गबन करने वाले सब पोस्ट मास्टर के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भोपाल यूनिट ने राजगढ़ जिले के जीरापुर उप-डाकघर के तत्कालीन सब पोस्ट मास्टर अशोक कुमार सोनी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत स्पेशल कोर्ट में अभियोजन शिकायत दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने आरोपी के खिलाफ नोटिस जारी कर सुनवाई शुरू कर दी है। इस

मामले में सीबीआई की भोपाल यूनिट ने प्रारंभिक तौर पर गबन के बाद सोनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसे ही आधार बनाकर ईडी ने भी अपनी पड़ताल शुरू की थी।

इस तरह किया था घोटाला

पड़ताल में उजागर हुआ है कि अशोक कुमार सोनी ने जीरापुर में तैनाती के दौरान पद का दुरुपयोग करते हुए डाक विभाग के संचय पोस्ट सॉफ्टवेयर में हेराफेरी की। सोनी ने दिसंबर 2016 से मई 2017 के बीच कुल 138 बचत खातों में जमा रकम को बेहद चालाकी को निशाना बनाते हुए बेहद चालाकी से पिछली तारीखों में फर्जी एंट्री कर दीं, जबकि हकीकीत में एक रुपया भी जमा नहीं किया। इससे सॉफ्टवेयर के भीतर कई खातों का बैलेंस लाखों में दिखने लगा। इसके बाद जब डाक विभाग का डेटा संचय पोस्ट से नए फिनाकल सिस्टम में ट्रांसफर हुआ, आरोपी ने इस फर्जी बैलेंस का फायदा उठाकर 1 करोड़ 23 लाख 31 हजार रुपए निकाल लिए।

पैसे लौटाने के बाद भी हुई कार्रवाई

ईडी ने अपनी जांच के दौरान इस राशि की हेराफोरी को अपराध की कमाई करार दिया है। इस मामले में हैरानी की बात ये है कि अपने ऊपर कानूनी शिकंजा कसता देख अशोक कुमार सोनी ने नवंबर और दिसंबर 2017 के बीच डाक विभाग को 1 करोड़ 24 लाख 44 हजार रुपए नकद वापस जमा भी करा दिए थे। इसके बाद भी कानून की नजर में अपराध घटित हो चुका था। ऐसे में सरकारी सॉफ्टवेयर में हेराफेरी और खजाने को नुकसान पहुंचाने के इस मामले में ईडी ने चालान पेश करते हुए कोर्ट से आरोपी को कढ़ी सजा देने की मांग की है।

धर्म-कर्म महाशिवरात्रि पर्व के लिए व्यवस्था तय,10 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

आम भक्तों को डेढ़ किमी पैदल चलकर होंगे दर्शन

जागरण, उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर भगवान महाकाल के दर्शन के लिए करीब दस लाख भक्तों के आने की उम्मीद है। दर्शनार्थियों की संभावित संख्या को देखते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति ने अभी से इसकी व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। सामान्य श्रद्धालुओं को लगभग डेढ़ किलोमीटर और 250 रुपए की शीघ्र दर्शन रसीद या पासधारी श्रद्धालुओं को करीब एक किलोमीटर पैदल चलने के बाद ही बाबा महाकाल के दर्शन होंगे। भक्तों को सुलभ और सुरक्षित दर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भस्म आरती दर्शन, लड्डू प्रसाद, पूछताछ केंद्र, पार्किंग, जूता स्टैंड, पेयजल, प्रकाश, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर मंदिर परिसर में अहम बैठक हुई। इसमें कई निर्णय लिए गए। बैठक में कलेक्टर एवं मंदिर प्रशासक रौशन सिंह, प्रथम कौशिक, डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा, निगम आयुक्त अभिलाष

मिश्र, सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया सहित मंदिर समिति के अधिकारी मौजूद रहे।

सामान्य श्रद्धालु यहां से करेंगे प्रवेश: सामान्य श्रद्धालु भील समाज धर्मशाला के समीप बने द्वार से प्रवेश करेंगे। वे भील समाज धर्मशाला, चारधाम मंदिर पार्किंग, शक्ति पथ, त्रिवेणी संग्रहालय के समीप, नंदी द्वार, श्री महाकाल महालोक, मानसरोवर भवन, फेसेलिटी सेंटर-01, टनल, नवीन टनल-01 होते हुए गणेश मंडपम से भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। दर्शन के बाद श्रद्धालु आपातकालीन निर्गम द्वार से बाहर निकलकर बड़ा गणेश मंदिर, हरसिद्धि मंदिर चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे।

शीघ्र दर्शन व पासधारी श्रद्धालुओं की ऐसी रहेगी व्यवस्था

शीघ्र दर्शन 250 रुपए टिकटधारी श्रद्धालुओं के लिए अलग से बैरिकेटिंग की गई है। ये श्रद्धालु भील समाज धर्मशाला, चारधाम मंदिर पार्किंग, अशोक सेतु, मानसरोवर भवन, फेसेलिटी सेंटर-01, टनल, नवीन टनल-01 होते हुए गणेश मंडपम से दर्शन करेंगे। इसके अलावा शीघ्र दर्शन टिकटधारी श्रद्धालु हरसिद्धि पाल पार्किंग, बड़ा गणेश गली, प्रीपेड बूथ तिराहा, शहनाई जिगजेग, द्वार क्रमांक-01 से मंदिर में प्रवेश कर दर्शन कर सकेंगे। महाशिवरात्रि पर्व पर भस्म आरती के लिए पंजीयनधारी श्रद्धालुओं का प्रवेश मानसरोवर भवन और द्वार क्रमांक-01 से निर्धारित किया है।

सिंहस्थ में 3 घंटे में महाकाल के दर्शन मिलेंगे: टेटवाल

उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ने केंद्रीय बजट को लेकर बुधवार को पत्रकारों से चर्चा में केंद्र सरकार से उज्जैन शहर के विकास के लिए पांच हजार करोड़ मिलने की बात कही। टेटवाल ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ को लेकर नए स्टेशन बनने जा रहे हैं। सिंहस्थ में जो भक्त डुबकी लगाने आएंगे उन्हें शहर में चौड़ी सड़क से लाभ मिलेगा, उस दौरान तीन घंटे में बाबा महाकाल के दर्शन मिल सकेंगे ऐसी व्यवस्था करने जा रहे है। केंद्र धर्मस्य विभाग के लिए 5 हजार करोड़ दिया है। हर क्षेत्र में उज्जैन का विकास हो रहा है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।